भगवान् चित्रगुप्त जी के प्रकटोत्सव पर्व की हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 272/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 14 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्य प्रकाश विशेष

लाड़ली बहनों को मिलेंगे 3 हजार रुपए , पूर्व सीएम शिवराज सिंह ने किया ऐलान

भोपाल। मध्य प्रदेश की लाड़ली बहनों के लिए बड़ी खबर है। उन्हें हर महीने मिल रहे 1250 रुपए की राशि को बढ़ाकर 3 हजार रुपए किया जाएगा। यह ऐलान पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने किया है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह ने एक बार फिर कहा है कि मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाकर तीन हजार रुपए तक ले जाएंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए लाड़ली बहना योजना की शुरुआत करने वाले शिवराज ने अब एक बार फिर बहनों को राशि बढ़ाकर 3 हजार रुपए करने की घोषणा की है।

दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती हैं बेटियां

लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं मप्र का चार बार मुख्यमंत्री रहा। हर कार्यक्रम की शुरुआत बेटी की पूजा करके करता हूं। क्योंकि, बेटियां दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती हैं। स्थानीय निकाय के चुनाव में बेटियों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। बेटियों की शादी मप्र की सरकार कराएगी।

लाड़ली बहना योजना को लेकर बड़ा ऐलान

शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना को लेकर बड़ी घोषणा की। पूर्व सीएम शिवराज सिंह ने एक बार फिर कहा कि मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाकर तीन हजार रुपए तक ले जाएंगे। लाड़ली बहना योजना को लेकर कहा कि प्रदेश में 1 करोड़ 32 लाख बहनों के खातों में अभी हम 1250 रुपए हर महीने डाल रहे हैं। इसे बढ़ाते हुए तीन हजार रुपए महीना तक ले जाने वाले हैं। लगातार उस राशि को बढ़ा रहे हैं। कारण हमारी बहनों को छोटे-छोटे कामों के लिए हाथ न फैलाने पड़ें। ज्ञात हो कि इस समय एमपी में सीएम मोहन यादव हैं।

एमपी कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनुराग जैन अवकाश पर

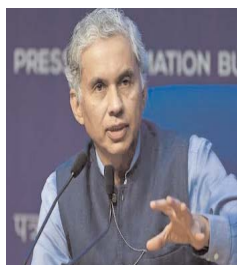

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा में मध्य प्रदेश कैडर के 1989 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हाउसिंग और अर्बन अफेयर्स और रोड ट्रांसपोर्ट और हाईवेज मंत्रालय के सेक्रेटरी अनुराग जैन आज से अवकाश पर जा रहे हैं।

जैन की अवकाश अवधि में हाउसिंग और अर्बन अफेयर्स मंत्रालय का प्रभार अतिरिक्त रूप से हेल्थ और फैमिली वेलफेयर डिपार्टमेंट के सचिव भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1988 बैच के महाराष्ट्र कैडर के आईएएस अधिकारी अपूर्व चंद्रा को सौंपा गया है। जबकि रोड ट्रांसपोर्ट और हाईवेज मंत्रालय का प्रभार पोर्ट, शिपिंग और वॉटरवेज मंत्रालय के सचिव 1991 बैच के तमिलनाडु कैडर के आईएएस अधिकारी टी के रामचंद्रन को अतिरिक्त रूप से सौंपा गया है। इस संबंध में डीओपीटी द्वारा अलग-अलग आदेश जारी किए गए हैं।

एक्जीक्यूटिव इंजीनियर के घर में तलाशी के दौरान 79,87,500 रुपए बरामद

गुवाहाटी। गुवाहाटी के हेंगराबाड़ी स्थित पीएचई के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर जयंत गोस्वामी के घर की तलाशी के दौरान असम की सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम द्वारा नकद 79,87,500 रुपए बरामद और जब्त किए गए हैं।

गंगा पूजन किया, क्रूज की सवारी की, काल भैरव के दर्शन करके कलेक्ट्रेट पहुंचे

मोदी ने तीसरी बार वाराणसी से नामांकन दाखिल किया

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया। नामांकन दाखिल करते समय मोदी के प्रस्ताव भी साथ रहे। प्रस्तावकों में वैदिक आचार्य गणेश्वर शास्त्री भी थे। गणेश्वर शास्त्री ने ही 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था। यह तीसरी बार है जब पीएम मोदी वाराणसी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार वाराणसी से नामांकन दाखिल कर दिया है। पीएम सुबह 9.30 बजे दशाश्वमेध घाट पहुंचे, जहां उन्होंने 20 मिनट गंगा पूजन किया। इसके बाद आरती कर क्रूज से नमो घाट पहुंचे। पीएम ने काशी के कोतवाल कहे जाने वाले कालभैरव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। कलेक्ट्रेट से रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर पहुंचेंगे। यहां प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे। पीएम के नामांकन में पीएम के नामांकन कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, असम के

सीएम हेमंता विश्व सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, हरदीप पुरी, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, यूपी में एनडीए के घटक लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी, अपना दल (एस) अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी के संजय निषाद, सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर, पशुपति पारस आदि की मौजूदगी रही।

पीएम मोदी के प्रस्तावकों में राम मंदिर का मुहूर्त निकालने वाले जानकारी के मुताबिक ब्राह्मण समाज से गणेश्वर शास्त्री शामिल हैं । जबकि ओबीसी वर्ग से वैजनाथ पटेल और लालचंद कुशवाहा व दलित समाज से संजय सोनकर शामिल रहे। इस समीकरण से भाजपा ने वाराणसी लोकसभा का जातिगत गुणा भाग साधा है। लालचंद कुशवाह भी ओबीसी समाज से आते हैं और संजय सोनकर दलित समाज से आते हैं। वाराणसी लोकसभा क्षेत्र की बात करें तो यहां 3 लाख से अधिक ब्राह्मण, 2.5 से अधिक गैर यादव ओबीसी, 2 लाख कुर्मी, सवा लाख अनुसूचित जातियों के वोटर हैं। इससे पहले सोमवार शाम पीएम मोदी ने वाराणसी में रोडशो किया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी रहे। उन्होंने पांच किमी लंबा रोड शो तीन घंटे में पूरा किया। पीएम मोदी बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेना नहीं भूले। उन्होंने आधा घंटे तक पूजा की।

सीएम मोहन यादव यूपी हुए रवाना शिवराज की दिल्ली में जनसभाएं

भोपाल। मध्यप्रदेश में लोकसभा की 29 सीटों पर चार चरणों में मतदान हो चुका है। यहां के चुनाव प्रचार से फ्री होने के बाद अब प्रदेश के नेता दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार करने जा रहे हैं। सीएम मोहन यादव आज यूपी, दिल्ली और हरियाणा में बीजेपी प्रत्याशियों के प्रचार में जाएंगे। वहीं पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान आज दिल्ली में 3 जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के चरखारी कस्बे में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे दिल्ली पहुंचकर पश्चिम दिल्ली में रोड़ शो करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा आज दोपहर 2 बजे भोपाल से खजुराहो के लिए रवाना होंगे। यहां उत्तर प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा के बीजेपी प्रत्याशी कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के समर्थन में जिला महोबा की चरखारी विधानसभा के पनवाड़ी गांव में दोपहर 3.25 बजे आमसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा के बाद उत्तरप्रदेश से दिल्ली रवाना होंगे। शाम 6 बजे दिल्ली पहुंचकर पश्चिम दिल्ली लोकसभा के मेन मटियाला रोड पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज दिल्ली दौरे पर रहेंगे। शिवराज सिंह चौहान दिल्ली में नॉर्थ ईस्ट दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार करेंगे। भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी के समर्थन में शाम 5 बजे महिला सम्मेलन और शाम 7 बजे दलित सम्मेलन को संबोधित करेंगे। शिवराज सिंह चौहान रात 9 बजे नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के समर्थन में सभा को संबोधित करेंगे।

चाबहार पोर्ट डील पर अमेरिका की भारत को प्रतिबंध की चेतावनी, कहा- भारत विदेश नीतियों पर खुद फैसला करे

वाशिंगटन। भारत-ईरान के बीच चाबहार पोर्ट डील साइन होने के बाद अमेरिका ने वॉर्निंग दी है। अमेरिका ने कहा है कि ईरान से व्यापार करने की वजह से भारत पर पाबंदियों का खतरा रहेगा। दरअसल, अमेरिकी विदेश विभाग के उप-प्रवक्ता वेदांत पेटल से सोमवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान चाबहार पोर्ट की डील पर सवाल किया गया। इस पर जवाब देते हुए पटेल ने कहा, हमें जानकारी मिली है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। विदेश नीतियों और दूसरे देशों के साथ अपने रिश्तों पर भारत खुद फैसले करेगा, लेकिन जो भी देश ईरान के

साथ व्यापार में शामिल होगा, उस पर प्रतिबंध लगने का खतरा बना रहेगा।

भारत ने सोमवार को ईरान के चाबहार में शाहिद बेहेशती पोर्ट को 10 साल के लिए लीज पर लेने से जुड़ी डील की। इस समझौते के लिए भारत से केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को ईरान भेजा गया था। भारत और ईरान दो दशक से चाबहार पर काम कर रहे हैं। अब पोर्ट का पूरा मैनेजमेंट भारत के पास होगा।

चाबहार पोर्ट के जरिए भारत को अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया से व्यापार करने के लिए नया रूट मिल जाएगा। इससे पाकिस्तान की जरूरत भी खत्म हो जाएगी। यह पोर्ट एक तरह से भारत और अफगानिस्तान को व्यापार के लिए ऑप्शनल रास्ता मुहैया कराएगा। डील के तहत भारतीय कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड चाबहार पोर्ट में 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इस निवेश के अलावा 250 मिलियन डॉलर की वित्तीय मदद की जाएगी।

पूर्व महामंडलेश्वर मंदाकिनी गिरफ्तार

भोपाल। उज्जैन में निरंजनी अखाड़े से निष्कासित पूर्व महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी के अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही चिमनगंज मंडी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। धोखाधड़ी के आरोप लगने के बाद उन्होंने सुसाइड करने का प्रयास किया था। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि जयपुर के एक महामंडलेश्वर को आचार्य महामंडलेश्वर बनाने के नाम पर मंदाकिनी पुरी ने उनसे अलग-अलग टुकड़ों में 8.92 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए। इस मामले में मंदाकिनी पुरी और उनके एक सहयोगी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया।

पतंजलि विज्ञापन केस: सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। पतंजलि विज्ञापन केस में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव, बालकृष्ण और अन्य के खिलाफ अवमानना याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने दोनों को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दी है। भ्रामक विज्ञापन के मामले में 23 अप्रैल की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आईएमए को अपने डॉक्टरों पर भी विचार करना चाहिए, जो अक्सर मरीजों को महंगी और गैर-जरूरी दवाइयां लिख देते हैं। अगर आप एक उंगली किसी की ओर उठाते हैं, तो चार उंगलियां आपकी ओर भी उठती हैं। कोर्ट की टिप्पणी को आईएमए प्रेसिडेंट डॉ. आरवी अशोकन ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया था। डॉ. अशोकन ने कहा था- सुप्रीम कोर्ट के अस्पष्ट बयानों ने प्राइवेट डॉक्टरों का मनोबल कम किया है। कोर्ट ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी और उन्हें नोटिस जारी कर 14 मई तक जवाब मांगा था।

राजकीय सम्मान के साथ होगा सुशील मोदी का अंतिम संस्कार,

राष्ट्रपति, पीएम मोदी, संघ प्रमुख, राहुल गांधी, योगी, नीतीश ने किया शोक व्यक्त

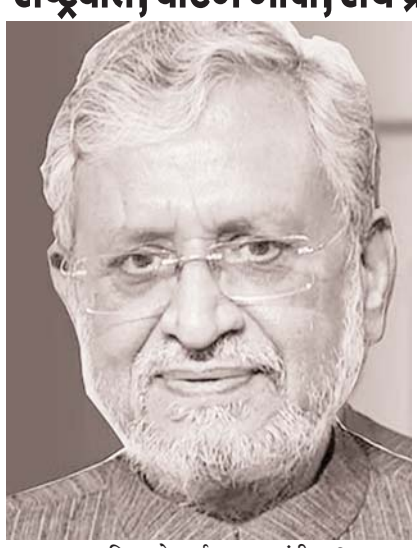

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ संपन्न होगा। स्व. मोदी का पार्थिव शरीर दिल्ली से पटना विशेष विमान से लाया जा रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम नीतीश कुमार, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव समेत देश के सभी वरीय नेताओं ने शोक जताया।

सीएम नीतीश कुमार के अस्वस्थ होने की खबर आने से पहले मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से एक चिट्ठी जारी की गई। इसमें लिखा गया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के निधन पर मर्माहत हैं।

राहुल गांधी बोले- अत्यंत दुखद

कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। इस दुख के समय में मैं सभी शोकाकुल परिजनों और समर्थकों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

जागृत सामाजिक कार्यकर्ता व कुशल राजनीतिक नेता को हमने खोया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री व सांसद सुशील कुमार मोदी के अचानक निधन से अत्यंत दुःख हुआ। इस समय हम सब की भावना उनके परिवार तथा असंख्य मित्र-प्रशंसकों के साथ है। संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री रहे सुशील जी सारे देश विशेषतः बिहार की चिंता करते थे। उनके निधन से एक जागृत सामाजिक कार्यकर्ता व कुशल राजनीतिक नेता को हमने खोया है। वे सार्वजनिक जीवन में सैद्धांतिक निष्ठा व पारदर्शिता के आदर्श उदाहरण थे। उनके परिवार को अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें दुःख सहन करने की शक्ति दे तथा दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करे।

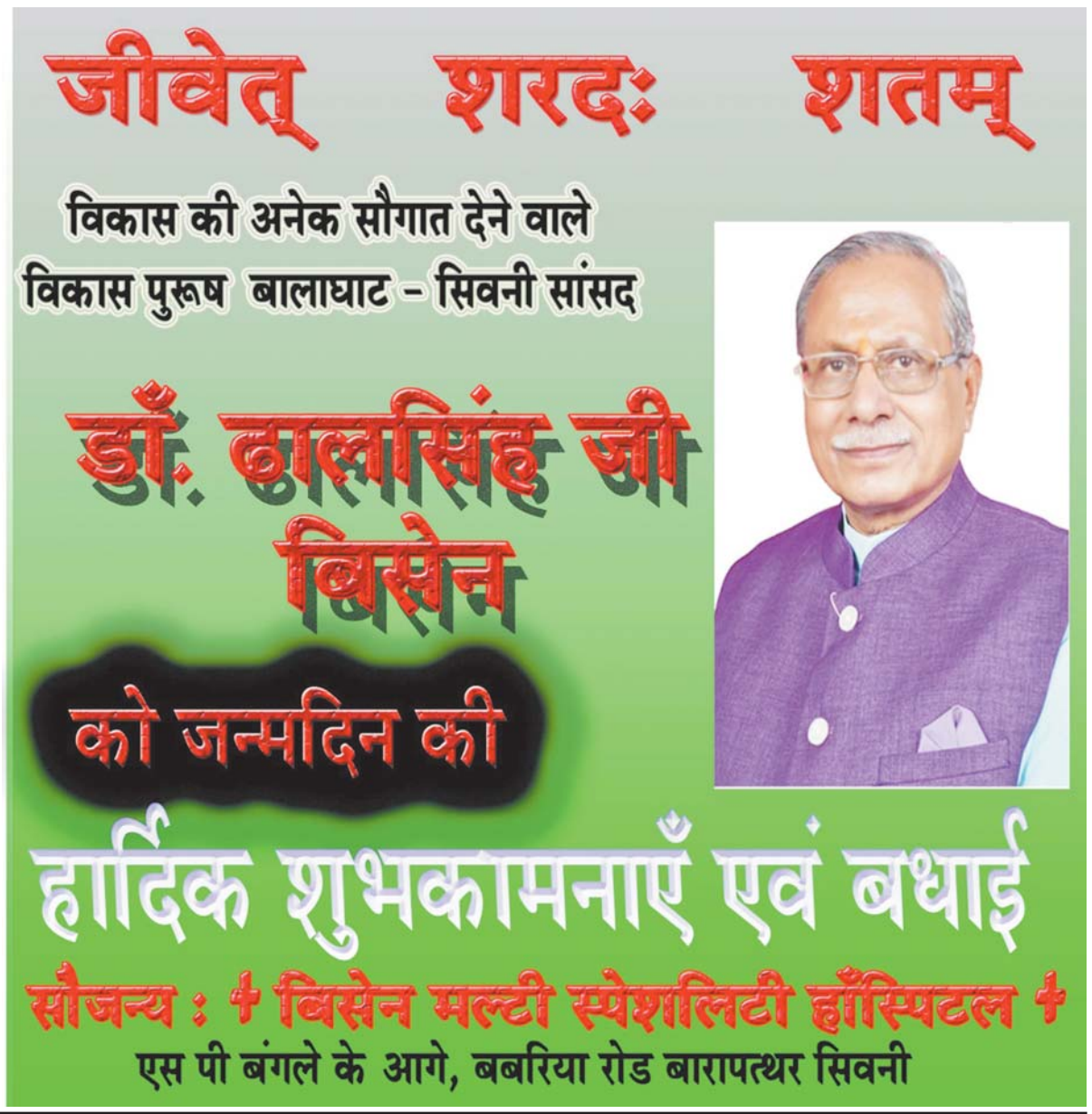

हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं हटाया जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता को

अभी भी काम कर रहे अधिकारी, हाईकोर्ट के नोटिस का जवाब तक नहीं दिया

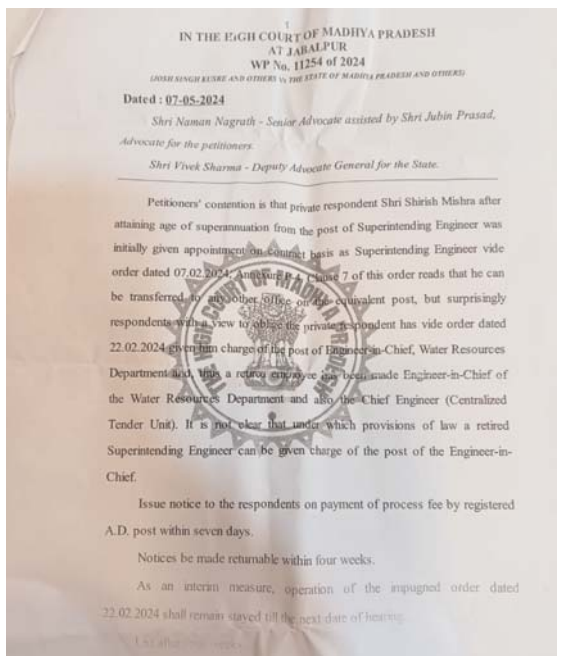

IN THE HIGH COURT OF MADHYA PRADESH
AT JABALPUR
WP No. 11254 of 2024
(JOSH SINGH KUSRE AND OTHERS Vs THE STATE OF MADHYA PRADESH AND OTHERS)

Dated : 07-05-2024

Shri Naman Nagrath - Senior Advocate assisted by Shri Jubin Prasad, Advocate for the petitioners.

Shri Vivek Sharma - Deputy Advocate General for the State.

Petitioners' contention is that private respondent Shri Shirish Mishra after attaining age of superannuation from the post of Superintending Engineer was initially given appointment on contract basis as Superintending Engineer vide order dated 07.02.2024, Annexure P-4. Clause 7 of this order reads that he can be transferred to any other office on the equivalent post, but surprisingly respondents with a view to oblige the private respondent has vide order dated 22.02.2024 given him charge of the post of Engineer-in-Chief, Water Resources Department and, thus a retired employee has been made Engineer-in-Chief of the Water Resources Department and also the Chief Engineer (Centralized Tender Unit). It is not clear that under which provisions of law a retired Superintending Engineer can be given charge of the post of the Engineer-in-Chief.

Issue notice to the respondents on payment of process fee by registered A.D. post within seven days.

Notices be made returnable within four weeks.

As an interim measure, operation of the impugned order dated 22.02.2024 shall remain stayed till the next date of hearing.

भोपाल। मप्र हाईकोर्ट ने जल संसाधन विभाग में सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री शिरीष मिश्रा को प्रमुख अभियंता यानि इंजीनियर-इन-चीफ का प्रभार देने पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी है, लेकिन सरकार ने अभी तक अधिकारी की न तो अधीक्षण यंत्री के रूप में पदस्थापना के स्थान और पद के आदेश जारी किए और न ही प्रमुख अभियंता के प्रभार से हटाया। मिश्रा अभी भी ईएनसी का प्रभार देख रहे हैं और भोगतान आदि भी कर रहे हैं। अब सरकार के खिलाफ अवमानना का मामला दायर करने की तैयारी चल रही है।

हाईकोर्ट जबलपुर के जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने जल संसाधन विभाग में एक अधीक्षण यंत्री की संविदा नियुक्ति और प्रमुख अभियंता का प्रभार दिए जाने को अवैध माना था तथा मामले में मुख्य सचिव व जल संसाधन विभाग के एडीशनल सेक्रेटरी और शिरीष मिश्रा को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए थे। ।

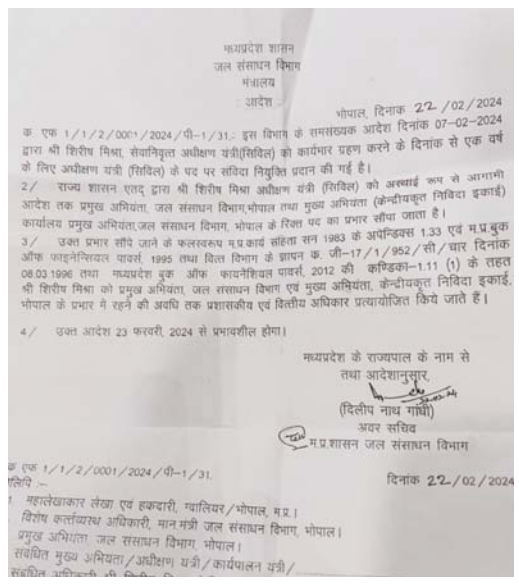

मध्यप्रदेश शासन
जल संसाधन विभाग
मंत्रालय
आदेश

भोपाल, दिनांक 22/02/2024

क्र. एफ 1/1/2/0001/2024/पी-1/31.: इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 07-02-2024 द्वारा श्री शिरीष मिश्रा, सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री(सिविल) को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से एक वर्ष के लिए अधीक्षण यंत्री (सिविल) के पद पर संविदा नियुक्ति प्रदान की गई है।

2/ राज्य शासन एतद् द्वारा श्री शिरीष मिश्रा अधीक्षण यंत्री (सिविल) को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग,भोपाल तथा मुख्य अभियंता (केन्द्रीयकृत निविदा इकाई) कार्यालय प्रमुख अभियंता,जल संसाधन विभाग, भोपाल के रिक्त पद का प्रभार सौंपा जाता है।

3/ उक्त प्रभार सौंपे जाने के फलस्वरूप म.प्र.कार्य संहिता सन 1983 के अपेन्डिक्स 1.33 एवं म.प्र.बुक ऑफ फाइनेन्शियल पावर्स, 1995 तथा वित्त विभाग के ज्ञापन क्र. जी-17/1/952/सी/चार दिनांक 08.03.1996 तथा मध्यप्रदेश बुक ऑफ फायनेंशियल पावर्स, 2012 की कण्डिका-1.11 (1) के तहत श्री शिरीष मिश्रा को प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग एवं मुख्य अभियंता, केन्द्रीयकृत निविदा इकाई, भोपाल के प्रभार मे रहने की अवधि तक प्रशासकीय एवं वित्तीय अधिकार प्रत्यायोजित किये जाते हैं।

4/ उक्त आदेश 23 फरवरी, 2024 से प्रभावशील होगा।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार,
(दिलीप नाथ गांधी)
अवर सचिव
म.प्र.शासन जल संसाधन विभाग

क्र. एफ 1/1/2/0001/2024/पी-1/31. दिनांक 22/02/2024
प्रतिलिपि :-
महालेखाकार लेखा एवं हकदारी, ग्वालियर/भोपाल, म.प्र.।
विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी, मान.मंत्री जल संसाधन विभाग, भोपाल।
प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल।
संबंधित मुख्य अभियंता/अधीक्षण यंत्री/कार्यपालन यंत्री/

प्रदेश के जल संसाधन में प्रमोशन नहीं होने की वजह से वरिष्ठ पदों पर प्रभार का सिलसिला जारी है। हालात यह हैं कि यहां रिटायर्ड अधिकारियों को संविदा नियुक्ति पर प्रमुख अभियंता तक बनाना पड़ रहा है। इंजीनियरों की वरिष्ठता की अनदेखी करते हुए संविदा पर प्रमुख अभियंता बनाया गया है। यह मामला हाईकोर्ट जबलपुर पहुंच गया है। मामले में जल संसाधन विभाग मुख्य सचिव से जवाब मांगा गया है।

लगातार इंजीनियरों की वरिष्ठता की अनदेखी

विभाग के एक इंजीनियर ने बताया कि इसके पहले विभाग में इंजीनियरों की वरिष्ठता की अनदेखी करते हुए संविदा पर प्रमुख अभियंता की संविदा नियुक्ति की जा चुकी है। विभाग में प्रमुख अभियंता के पद पर एमएस डाबर की पदस्थापना के बाद वे रिटायर हुए तो सरकार ने उन्हें संविदा पर वापस उसी पद पर पदस्थ कर दिया था। इसके बाद उनकी संविदा अवधि खत्म हुई तो अब अधीक्षण यंत्री के पद से रिटायर हुए शिशिर कुशवाहा को प्रमुख अभियंता बना दिया गया है, जबकि कई अधीक्षण यंत्री के रूप में काम करने वाले कई इंजीनियर मुख्य अभियंता और प्रमुख अभियंता के पद की पात्रता रखते हैं।

क्राइस्ट मेमोरियल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में किया नाम रोशन

संत हिरदाराम नगर। सी.बी.एस.ई का कक्षा दसवीं एवं बारहवी का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। क्राईस्ट मेमोरियल सी. से. स्कूल, बैरागढ़ की कक्षा बारहवी में वाणिज्य की छात्रा साक्षी खियानी ने ईकॉनोमिक्स (अर्थशास्त्र) विषय में 100 अंक प्राप्त करते हुए 96.6: के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। द्वितीय स्थान पर जाग्रती लालचंदानी ने 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। तृतीय स्थान पर नन्दिनी बरई ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। इसी तरह विज्ञान संकाय में कुमार जयष पंजाबी ने 92.2 प्रतिशत प्राप्त कर प्रथम स्थान पाया, एवं संमृधी दुबे ने 85.8: अंक लाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुमार मनीष बंसल ने 83.4 प्रतिशतअंक लाकर तृतीय स्थान पर रहे। विज्ञान संकाय में भी अनेक छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग विषयों में 90 अंक प्राप्त कर अपने कठोर परिश्रम से सफलता प्राप्त की।

साथ ही कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम शत . प्रतिशत रहा। जिसमें हंसीका सुलानीया ने 88.8 प्रतिषत अंक लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर 86.4 प्रतिशत के साथ अदिती मालविया एवं खुशी गोस्वामी रहीं। वहीं 84.8 प्रतिषत के साथ कुमार राजवीर वर्मा तीसरे स्थान पर रहे। विद्यालय का परीक्षा परिणाम देखकर संस्था के संस्थापक डॉ. मेनिस मैथ्यूज़, प्राचार्य एवं उप प्राचार्या महोदय ने सभी विद्यार्थियों को एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुये समस्त विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की एवं समस्त शिक्षकों को भी उनके परिश्रम के लिए बधाई दी।

सीबीएसई 12वीं में मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के छात्रों ने लहराया परचम

संत हिरदाराम नगर। परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिबजी की असीम अनुकंपा एवं संस्थान के प्रेरणा स्रोत श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के मार्गदर्शन में शहीद हेमू कालानी एजूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों सीबीएसई की 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में अपनी अकादमिक उत्कृष्टता का एक बार पुन: श्रेष्ठ प्रदर्शन कर संस्था को गौरवान्वित किया है।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के छात्र विकास शामनानी ने वाणिज्य संकाय में 96.6 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। संस्था के होनहार विद्यार्थी विकास शामनानी ने बिजनेस स्टडीज में 100 में से 100 अंक हासिल कर इतिहास रच दिया। इसी प्रकार संकल्प जैन एवं आयुष तेजवानी ने 94.6 प्रतिशत अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वैदिक गुप्ता ने 93.6 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा, कार्तिक माखीजानी ने 92.6 प्रतिशत प्राप्त कर चौथा, पंकज नरसिंघानी ने 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पांचवाँ एवं वैभव अमुलानी ने 91.6 प्रतिशत अंक हासिल कर छंठवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार का गौरव बढ़ाया।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने बताया कि इस वर्ष कुल 96 विद्यार्थी 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 7, 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले छात्रों की संख्या 33 रही। वहीं कुल 69 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। आपने बताया कि विद्यालय का कक्षा 12वीं का परिणाम शतप्रतिशत रहा।

विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, कड़ी मेहनत, श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के मार्गदर्शन, माता-पिता के आशीर्वाद एवं विद्यालय के शिक्षकगणों को दिया। परम श्रद्धेय भाऊजी ने अपने सम्प्रेषित संदेश में सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि चुनौतियों से लड़ने पर ही हमारा आत्मबल मजबूत होता है। जिस तरह आपने पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त की है, उसी प्रकार जीवन में आने वाली विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए आप सफल होंगे।

आप सबके साथ माता-पिता का आशीर्वाद है, तो नि:संदेह आप जीवन में नई-नई ऊंचाईयों को अवश्य प्राप्त करेंगे। आपने कहा कि जो संस्कार आपने स्कूल में प्राप्त किये हैं, वे जीवन में कभी न भूलें क्योंकि इससे आप एक नेक और अच्छे इन्सान बनेंगे। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के सभी सम्मानित सदस्यों, विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, उपप्राचार्या आशा चंगलानी समेत सभी शिक्षकगणों ने विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि एवं सफलता पर बधाई प्रेषित की।

फ्रेंडशिप और लिवइन में रख बनाये संबध, अब किया शादी से इंकार

भोपाल। बालाघाट से भोपाल आकर कैफे चलाने वाली युवती के साथ एक युवक द्वारा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। आरोपी से युवती से पहचान कैफे में ही हुई थी। उनके बीच फ्रैंडशिप के बाद लव अफेयर हो गया। आरोपी ने उससे शदी की बात कही पीड़ीता के हामी भरने के बाद आरोपी ने लिव इन रिलेशनशिप में रहते हुए उसका शारिरीक शोषण किया। युवती ने जब उस पर शादी का दबाव बनाया तब युवक ने उससे शादी करने से मना कर दिया। पीड़ीता के शिकायत करने की धमकी के बाद पुलिस केस से बचने के लिये उसने सगाई कर ली। इसके बाद आरोपी उससे विवाद करने लगा और अब मारपीट करते हुए शादी करने से इंकार कर दिया। मामला हबीबगंज थाना इलाके का है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया कि वह मूल रुप से बालाघाट जिले के एक गांव की रहने वाली है। काम की तलाश में वह भोपाल आकर साल 2021 से एक कैफे चलाते हुए हबीबगंज इलाके में किराये से रहती थी। उसके कैफे पर बावड़िया इलाके में रहने वाले आकाश चौहान नाम के युवक का आना-जाना था। लगातार आने के चलते जल्द ही दोनों उनके बीच दोस्ती हो गई और फिर प्रेम-प्रसंग शुरु हो गया। इसके बाद दोनों लिव-इन रिलेशन में रहने लगे। आकाश बावड़िया इलाके में रहता था लेकिन वह युवती के साथ उसके किराए के मकान में ही रहने लगा। साथ रहने के दौरान आकाश जल्द शादी करने का वादा कर युवती का शारीरिक शोषण करता रहा। कुछ समय बाद जब युवती ने उस पर शादी करने का दबाव डाला तो वह आनाकानी करने लगा। पीड़ीता के शिकायत करने की धमकी देने पर आकाश ने पिछले साल उससे सगाई कर ली। आरोप है कि सगाई के थोड़े समय बाद आकाश ने युवती से दूरियां बनानी शुरू कर दी। उसका बदला व्यवहार देख युवती ने उससे शादी करने की बात कही तब उसने शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़ीता ने जब उस पर दबाव बनाया तब उसने युवती के साथ मारपीट कर डाली और उसे छोड़कर चला गया। पीड़ीता आकाश से संपर्क कर काफी समय तक उसे शादी करने के लिये मनाती रही।

अमय ने सीबीएसई बोर्ड 10वीं में प्राप्त किए 98 प्रतिशत अंक

भोपाल। सेंट जोसेफ को.एड स्कूल अरेरा कॉलोनी में दसवीं कक्षा सीबीएसई के रिजल्ट में छात्र अमय चौरसिया द्वारा 98 प्रतिशत मार्क्स के साथ उत्तीर्ण की। अमय ने कक्षा दसवीं की परीक्षा में गणित में 100 में से 100 फ्रेंच में 100/100, साइंस में 97/100, इंग्लिश में 97/100, सोशल साइंस मै 96/100 अंक अर्जित किए। अमय चौरसिया कक्षा एक से ही मेघावी छात्र रहे इन्होंने हमेशा अपने स्कूल में प्रथम स्थान अर्जित किया है। वह स्पोर्ट के कराते में ब्लैक बेल्ट है, इनकी इच्छा है कि भविष्य में इसरो में वैज्ञानिक बनाने की है।

साकेत नगर गुरुद्वारे में कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर का जल्द शुभारंभ होगा

भोपाल। साकेत नगर एम्स के सामने स्थित गुरु तेग बहादुर गुरुद्वारा अपने सेवा भाव कार्य के लिए पूरे शहर में प्रदेश में प्रमुख स्थान रखता है गुरु तेग बहादुर गुरुद्वारा के प्रमुख सेवादार हरदीप सिंह सैनी ने बताया कि 4 साल पहले इस गुरुद्वारे पर लंगर की सेवा शुरू की गई थी एम्स में आने वाले मरीज उनके परिजन एवं मजदूर वर्ग के लोगों के लिए यह लंगर सेवा बहुत बड़ी सहारा बनकर सामने आई है आज वाहेगुरु की कृपा से इस गुरुद्वारे पर तीनों वक्त का लंगर अटूट बरसता है हरदीप सिंह सैनी ने बताया कि इसके साथ ही मरीज के लिए दवाई ट्राई साइकिल आदि के लिए भी प्रयास किया गया अब इसी सेवा कर को आगे बढ़ते हुए इस वर्ष से शॉर्ट टर्म कंप्यूटर कोर्स शुरूआत किया जा रहा है जिससे युवा शिक्षित अपना रोजगार शुरू कर सके इस शॉर्ट टर्म कंप्यूटर ट्रेनिंग के लिए सुबह एवं शाम दोनों समय पांच बैच रहेंगे प्रत्येक बैच में 10 युवाओं को ट्रेनिंग दी जाएगी सीकरी इस ट्रेनिंग कोर्स के लिए सर्टिफिकेट की व्यवस्था की जा रही है एवं उनका प्लेसमेंट की भी प्रयास किए जाएंगे हरदीप सिंह सैनी कहते हैं कि यह वाहेगुरु का आशीर्वाद है जो विगत तीन-चार साल से लंगर की सेवा एवं अन्य सेवाओं को लगातार बने हुए हैं इसी के साथ हरदीप सिंह सैनी ने यहां पर जो गुल्लक व्यवस्था है इस व्यवस्था को बदल गया है हरदीप सिंह सैनी का मानना है कि गुरु के गुरुद्वारे पर लोग गुरु का आशीर्वाद मांगने आते हैं एक याचक की तरह आते हैं और वहां चढ़ावा करना उचित नहीं लगता बजाय इसके काउंटर पर भागीदार रसीद देकर अपना दान कर सकते हैं या लंगर की में भी जो सेवा करना चाहे वह यहां पर रसीद के जरिए कर सकते हैं दो टाइम लंगर तीन टाइम हो गया है

गुफा मंदिर में श्री राम महायज्ञ एंव महारासलीला महामहोत्सव

भोपाल। श्री रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर के संस्थापक श्री मंहत स्वामी नारायण दास त्यागी की पुण्य स्मृति में 12 से 16 जून तक पंच दिवसीय श्रीराम महायज्ञ एंव वृंदावन की रासलीला का आयोजन निश्चित किया गुफा मंदिर के श्री मंहत रामप्रवेश दास महाराज के द्वारा परम सानिध्य महामंडलेश्वर डाकौर मंगल पीठाधीश्वर माध्वाचार्य महाराज का मंगल आगमन होगा। इस उपलक्ष्य में गुफा मंदिर धाम में श्री मंहत रामप्रवेश दास महाराज के सानिध्य में बैठक आयोजित हुई जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी जी, पं विष्णु राजौरिया, पं रमेश प्रसाद त्रिपाठी,कैलाश मिश्रा, श्याम मनोहर बाबा , विशाल अग्रवाल राजश्री, चंदर लालचंदानी, गिरीश पालीवाल, आदी नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्वास्थ्य विभाग ने श्रमिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविरों की एक नई पहल की है। 14 मई से, मजदूर पीठों पर श्रमिकों की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये शिविर सुबह 7 बजे से शुरू होंगे और 18 मई तक चलेंगे। इन शिविरों में श्रमिकों को आयुष्मान कार्ड और आभा हेल्थ आईडी बनाने की सुविधा, साथ ही असंचारी रोगों, क्षय रोग और कुष्ठ रोग की स्क्रीनिंग, और वयस्क बीसीजी टीकाकरण उपलब्ध होगी। शिविरों की निगरानी नोडल अधिकारियों द्वारा की जाएगी

डॉ. प्रभाकर तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भोपाल ने कहा कि श्रमिकों के लिए ये शिविर उनके काम के समय को ध्यान में रखकर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि वे स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ उठा सकें। शिविर भोपाल के विभिन्न श्रमिक पीठों पर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बागसेवनिया, कोलार रोड, जिंसी चौराहा, लालघाटी चौराहा, करोंद चौराहा, और अन्य प्रमुख स्थान शामिल हैं। नेत्र रोगों की जाँच के लिए मोबाइल वैन भी उपलब्ध होगी।

इस पहल से श्रमिकों को उनके स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वे स्वास्थ्य सेवाओं से पूरी तरह लाभान्वित हो सकें।

मेडिक्लेम सुविधा की मांग पर असंतोष, सेवानिवृत कर्मचारियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

भोपाल। सेवानिवृत अर्द्ध शासकीय कर्मचारियों का आक्रोश दो वर्षों के बाद भी मेडिक्लेम सुविधा के अभाव में बढ़ गया है। आपूर्ति निगम के प्रबंधन से वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के समान मेडिक्लेम सुविधा की मांग की गई थी, जिसका आश्वासन भी दिया गया था। फाइलों की अदला-बदली- आपूर्ति निगम के कार्यपालन संचालक (वित्त) और उप महाप्रबंधक (वित्त) के बीच फाइलों के आदान-प्रदान में देरी के कारण, मेडिक्लेम सुविधा लागू नहीं हो पाई है। सेवानिवृत कर्मचारी फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष और महासचिव ने चेतावनी दी है कि यदि मेडिक्लेम सुविधा शीघ्र लागू नहीं की गई, तो आंदोलन किया जाएगा। सेवानिवृत कर्मचारियों ने धरना और प्रदर्शन की धमकी दी है, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रबंधन पर होगी।

कार ने नाबालिग को कुचला

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना में, एक नाबालिग लड़के की जान एक कार द्वारा टक्कर मारे जाने से चली गई। यह कार एक वकील और उनकी मंगेतर को उनके प्री-वेडिंग शूट के लिए ले जा रही थी। घटना ने न केवल एक युव जीवन को समाप्त किया, बल्कि यह भी दिखाती है कि किस तरह एक पल में खुशियाँ त्रासदी में बदल सकती हैं। दुर्घटना के विवरण के अनुसार, गन्ने का जूस पीने जा रहे हेड कांस्टेबल के नाबालिग बेटे को एक तेज गति से आती कार ने टक्कर मार दी। इस घटना में लड़के की मौत हो गई, और कार एक ट्रैक्टर में जा घुसी। कार में एक वकील, उनकी मंगेतर, एक फोटोग्राफर, और एक युवती सवार थे, जो सभी एक प्री-वेडिंग शूट के लिए जा रहे थे। पीड़ित लड़के की पहचान 12 वर्षीय अंकुर के रूप में हुई, जो एक स्थानीय निजी स्कूल में 7वीं कक्षा का छात्र था। घटना के समय वह अपने चचेरे भाई के साथ गन्ने का जूस पीने जा रहा था। एक बाइक सवार को बचाने की कोशिश में कार

केवल जन्म देने वाली ही मां नहीं होती: सुशील कुमार

भोपाल। आज जहां समाज में किन्नरो को अलग दृष्टि से देखा जाता है, वहां पर पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट से सुशील कुमार जैन, रमेश जैन मोना ऑप्टिकल एवं मंगलवार थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी की उपस्थिति पर, सुशील कुमार जैन ने किन्नरों की गुरू को द बेस्ट मदर आफ भोपाल के सम्मान से सम्मानित किया, रमेश जैन मोना ऑप्टिकल द्वारा इन यादगार क्षणों में आपको बहुमूल्य वस्त्र के रूप में साड़ी भेट की।

खुद मां नहीं बन सकती, लेकिन उन्होंने ममता की जो मिसाल कायम की वो समाज के लिए उदाहरण और प्रेरणा बन गई।हम यहां बात कर रहे हैं राजधानी भोपाल में किन्नरों की गुरू हाजी सुरैया नायक की। सुरैया ने एक-दो नहीं बल्कि पांच मासूमों को उस समय गोद लिया, जब समाज इन्हें अपनाने को तैयार न था।

सुरैया ने ऐसे समय आगे आकर न केवल इन नैनिहालों को अपनाया, बल्कि परवरिश कर उनका जीवन भी संवारने में जुटी हैं। सुरैया के इन बच्चों को जब भी कोई अनाथ कहता.. तो वे तपाक से जवाब देतीं मैं हूं उनकी मां सुरैया की शिष्या संजना एमपी की पहली सरकारी नौकरी पाने वाली ट्रांसजेंडर हैं। फिलहाल वे सोशल एक्टिविस्ट के तौर पर समाज सेवा से जुड़ी हैं ।

सिंधी मेला समिति के टफ क्रिकेट टूनामेंट का समापन

भोपाल। सिन्धी मेला समिति द्वारा राजधानी भोपाल में पहली बार आयोजित टर्फ क्रिकेट लीग 2024 का आयोजन क्लब 07, टर्फ एंड कैफे में 9 से 12 मई 2024 तक आयोजित किया गया। रविवार को इस आयोजन का अंतिम दिन बहुत ही रोमांचक रहा, 4 दिन तक चले इस आयोजन में 16 टीमों ने भाग लिया,जिसमें कुल 32 मैच खेले गये। इस टफ क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 की विजेता टीम रही सनी 7 रही, जिन्हें प्रथम पुरस्कार के रूप में 51000 रू. की पुरस्कार राशि दी गई, इसके साथ ही उपविजेता हीट 07 रही इसमें श्लोक ग्वालानी की कप्तानी में 21000/ रू. की पुरस्कार राशि जीती, साथ ही आयोजन के अंतिम दिन पर चारों दिन के मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार दिए गए। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि पिछले 28 सालों से निरंतर सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रम करने के बाद पहली बार एक खेल आयोजन किया गया जो की। अंतिम दिन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष श्री मनोहर ममतानी एवं पश्चिम दक्षिण के विधायक श्री भगवान दास सबनानी जी को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का संयोजन कपिल भाटिया, राम आसुदनी, जितेश दिनानी, जीतू आसवानी, रितेश भोजवानी ने अध्यक्ष मनीष दरयानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा के नेतृत्व में किया। गौरतलब है कि सिन्धी मेला समिति द्वारा आयोजित इस क्रिकेट के महासंग्राम में लगभग 130 खिलाड़ियों ने खेला और सारे के सारे खिलाड़ी सिन्धी भाषी थे।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने में महिला वार रूम की महत्वपूर्ण भूमिका: डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने वॉर रूम में आवश्यक दिशा-निर्देश देकर किया महिला वॉर रूम का अवलोकन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश कार्यालय में सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, लोकसभा सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी के साथ लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए बनाये गये वॉर रूम में लोकसभा की 8 सीटों पर हो रहे मतदान को लेकर विभिन्न टोलियों के सदस्यगणों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और महिला वॉर रूम का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महिला जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह, नारी वंदन समूह, अलग-अलग प्रकार की बहनों से काम की गति बढ़ाने एवं उनको चुनाव निर्वाचन से जोड़ने की यह पहल वास्तव में अभिनव है। मैं तो यह सब देखकर आश्चर्यचकित हूं कि अगर हम इतना कुछ करेंगे, तो कांग्रेस बचेगी कहां। महिलाओं की दृष्टि से तो इसका महत्व और भी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का महिला वार रूम नारी शक्ति वंदन को चरितार्थ कर रहा है। कांग्रेस के लोग बहनों के प्रति जैसी मानसिकता रखते हैं, जिस तरह से उन्हें अपमानित करते हैं, यह सकारात्मक दृष्टिकोण से उसका जवाब है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जिस तरह से महिलाओं का सशक्तीकरण किया है, इस महिला वार रूम के माध्यम से महिला मतदाताओं ने मतदान प्रतिशत बढ़ाकर यह बता दिया है कि उनमें लोकतंत्र के सुचारू संचालन और उसे सुदृढ़ बनाने की क्षमता मौजूद है। मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महिला रूम की इस अभिनव पहल के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, लोकसभा चुनाव प्रभारी महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, संगठन महामंत्री हितानंद जी और सभी पार्टी जनों को बधाई देता हूं। महिलाओं के लिए वार रूम बनाकर इनके माध्यम से चुनावी प्रक्रिया में प्रभावी लोगों तक अपनी बात पहुंचाना एक अलग और देश में पहला अनुभव है। कांग्रेस के लोग तो इस तरह की पहल की कल्पना भी नहीं कर सकते। वह केवल निर्वाचन की बात कर सकते हैं लेकिन निर्वाचन के पीछे जो ताकत लगनी चाहिए, जो भाव होना चाहिए, जो पवित्रता होनी चाहिए इसका सर्वथा अभाव रहता है। यह वास्तव में सीखने लायक है। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महिला वार रूम के रूप में हमें एक सीखने लायक सकारात्मक विषय मिला है। आने वाले समय में सरकार की अच्छी योजनाओं को लागू करने में भी इस वार रूम का लाभ ले सकते हैं। हर योजना के हितग्राहियों में आधी संख्या तो महिलाओं की होती ही है। उन्होंने कहा कि आज मैं जिस पोलिंग बूथ पर गया था, वह 100 प्रतिशत महिलाओं द्वारा संचालित था, सारी व्यवस्थाएं महिलाएं ही संभाल रही थीं। डॉ. यादव ने कहा कि यह भाजपा ही है जिसने राज्य में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत और प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2029 के चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की है। महिलाओं की नेतृत्व कुशलता और क्षमता से आने वाला भविष्य बहुत अच्छा रहेगा। हमने जनजातीय क्षेत्र की झाबुआ, धार दोनों सीटों से महिला प्रत्याशियों को टिकट दी हैं, जबकि अन्य दल जनजातीय क्षेत्र के लिए ऐसा सोच भी नहीं सकते। वो नहीं चाहते कि जनजातीय क्षेत्रों में महिला नेतृत्व उभरे।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पार्टी ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रदेश कार्यालय में विशेष प्रयोग करते हुए महिला वॉर रूम बनाया है। इस वार रूम में कार्यरत महिला प्रबंधन टीम ने प्रदेश के 8 लोकसभा सीटों पर हुए मतदान में विभिन्न समूह की महिलाओं से संपर्क कर मतदान में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का काम किया है। शर्मा ने कहा कि महिला मतदाता लोकतंत्र को सफल और सुदृढ़ बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। महिला वार रूम के माध्यम से महिलाओं के वोट प्रतिशत में वृद्धि हुई है। इस वार रूम के माध्यम से महिला जनप्रतिनिधि से लेकर मंडल अध्यक्ष तक प्रमुख कार्यकर्ताओं ने कोऑर्डिनेट किया है, जो सराहनीय है। इसके लिए मैं मातृशक्ति को बधाई और धन्यवाद देता हूं।

इस दौरान चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक हेमंत खण्डेलवाल, पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, रणवीर सिंह रावत, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारोलिया एवं चुनाव प्रबंधन विभाग के प्रदेश संयोजक प्रदीप त्रिपाठी सहित विभिन्न टोलियों के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पुलिस की बड़ी सफलता

अपहृत बालक को सकुशल बचाया, 11 आरोपी गिरफ्तार

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। एक छह माह के अपहृत बालक को न केवल सकुशल बचाया गया है, बल्कि इस मामले में शामिल 11 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह घटना 7 मई की रात को हुई थी, जब बालक को कॉलेज चौराहे से उसके माता-पिता के पास से अपहरण किया गया था। त्वरित कार्रवाई और गिरफ्तारी= रीवा पुलिस ने अपराध क्रमांक 222/2024 के तहत धारा 363, 370, 34 के अंतर्गत मामला दर्ज करते हुए तत्परता से आरोपियों की तलाश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान करते हुए, पुलिस ने मऊगंज और महाराष्ट्र के कल्याण से उन्हें पकड़ा। बच्चे को मुंबई से बरामद किया गया, जहां उसे अपहरणकर्ताओं द्वारा बेचा गया था। रीवा पुलिस ने इस ऑपरेशन के लिए तीन विशेष टीमें गठित की थीं, जिन्होंने अपनी जांच और खोजी कार्यवाही में उत्कृष्टता दिखाई। इस घटना ने रीवा पुलिस की सजगता और समर्पण को उजागर किया है। बच्चे के माता-पिता, जो फेरी लगाकर अपना जीवनयापन करते हैं, ने पुलिस की इस कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया है। रीवा पुलिस की इस सफलता ने नागरिकों के बीच विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत किया है। इस घटना के माध्यम से पुलिस ने यह संदेश दिया है कि वे नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए हर समय तत्पर हैं।

भाजपा के नियंत्रण कक्षों में प्राप्त हुईं 212 शिकायतें

भोपाल। लोकसभा चुनाव के चौथे व अंतिम चरण के मतदान के दौरान उज्जैन, इंदौर, रतलाम, मंदसौर, खण्डवा, खरगौन, धार व देवास लोकसभा क्षेत्रों में आज मतदान प्रक्रिया के दौरान आने वाली गड़बड़ियों व परेशानियों को लेकर विधानसभा, लोकसभा, जिला और प्रदेश कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किए थे। भाजपा प्रदेश कार्यालय में राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष में हर लोकसभा क्षेत्र के लिए दो-दो नेताओं व तीन-तीन अधिवक्ताओं को लगाया गया था। विधानसभा, लोकसभा क्षेत्र के साथ जिला और राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष में कुल 212 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 141 शिकायतें राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष में प्राप्त हुई हैं, जिन्हें निराकरण के लिए निर्वाचन आयोग को प्रेषित कर दिया गया है। वहीं 14 शिकायतें ई-मेल द्वारा भारत निर्वाचन आयोग को गई तथा भाजपा विधि प्रकोष्ठ द्वारा जिलों में 57 शिकायतें की गई हैं। लोकसभा के तीसरे चरण के मतदान को लेकर सबसे अधिक शिकायतें इंदौर लोकसभा क्षेत्र में प्राप्त हुई हैं, वहीं सबसे कम शिकायतें खरगोन लोकसभा क्षेत्र में की गई हैं। उज्जैन 15, मंदसौर 25, रतलाम 16, धार 08, इंदौर 36, खरगोन 05 और खण्डवा में 11 शिकायतें की गई हैं।

योग में ऐसी शक्ति है जिससे लोग सकारात्मक हो सकते हैं: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा योग साधकों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। कोविड 19 महामारी में भी हजारों योग साधक अपनी योग साधना की निरंतरता से विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयं स्वस्थ एवं सकारात्मक रहते हुए सेवा के कार्यों में लगे है एवं सयुंक्त परिवार की महत्ता को समझ रहें हैं। विश्व परिवार दिवस के अवसर पर सभी सयुंक्त परिवारों को हार्दिक शुभकामनायें देते हुए योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि योग का मतलब ही होता है सबको जोड़ना, जुड़े रहना। योग हमें अपने परिवार, अपने समाज, पशु -पक्षियों और समस्त संसार के साथ एक सूत्र में जुड़े होने की अनुभूति देता है। इस प्रकार योग मैं से %हम% की अनोखी यात्रा है।

नर्सिंग सेवाओं और नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से एम्स में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस समारोह आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल में कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह के मार्गदर्शन में, नर्सिंग सेवाओं और नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2024 का साप्ताहिक उत्सव मनाया जा रहा है। 6 मई से 13 मई 2024 तक सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव का उद्देश्य नर्सिंग कर्मियों के अमूल्य योगदान की सराहना करना है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के अवसर पर एम्स भोपाल के अटल बिहारी सभागार में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह तथा विशिष्ट अतिथि चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. शशांक पुरवार थे। कार्यक्रम के आरंभ में कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉ.अजय सिंह ने पूरी नर्सिंग टीम की सराहना करते हुए उनके कर्तव्य पालन की सराहना की। कार्यक्रम में उप निदेशक (कर्नल) श्री अजीत कुमार, डीन अकादमिक, प्रो डॉ. रजनीश जोशी, डीन नर्सिंग, प्रोफेसर डॉ. अमित अग्रवाल, एसोसिएट डीन, नर्सिंग, डॉ. साकेत दास, प्रिंसिपल, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डॉ. ममता वर्मा और नर्सिंग अधीक्षक , अखिल टी. उपस्थित थे। इस संध्या में नर्सिंग स्टाफ द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

एम्स में कैंसर देखभाल में क्रांतिकारी बदलाव

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह के कुशल मार्गदर्शन में, कैंसर के खिलाफ लड़ाई मेंइंटरवेंशनल रेडियोलॉजी उपचार के लिए आशा और नए रास्ते प्रदान कर रही है। एक अत्याधुनिक तकनीक लिवर ट्यूमर एब्लेशन, जो एक न्यूनतम आक्रामक प्रक्रिया है जो कि कैंसर देखभाल के परिदृश्य को बदल रही है। स्वस्थ ऊतकों को बचाते हुए ट्यूमर को प्रभावी ढंग से लक्षित करने और खत्म करने की अपनी क्षमता के साथ, ट्यूमर उन्मूलन इस भयानक बीमारी का सामना करने वाले रोगियों और परिवारों के लिए एक बड़ी आशा के रूप में सामने आयी है। एक 52 वर्षीय महिला को स्तन कैंसर था, जो यकृत तक फैल गया था (जिसे मेटास्टेसिस कहा जाता है)। लीवर रिसेक्शन के बजाय, जो एक प्रमुख ओपन सर्जिकल प्रक्रिया है, रोगी को माइक्रोवेव ट्यूमर एब्लेशन से निदान किया गया। इस न्यूनतम इनवेसिव इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रक्रिया में, एक छोटी सुई को छवि मार्गदर्शन के तहत सीधे लीवर ट्यूमर में डाला गया । माइक्रोवेव ऊर्जा के सक्रिय होने से लीवर कैंसर का घाव नष्ट हो गया और पूरा इलाज 30 मिनट से भी कम समय में पूरा हो गया। यह प्रक्रिया एम्स भोपाल के रेडियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. राजेश मलिक के मार्गदर्शन में एसोसिएट प्रोफेसर और इंटरवेंशन रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अमन कुमार द्वारा की गई।

पारंपरिक सर्जरी के विपरीत, जिसमें बड़े चीरों और लंबे समय तक ठीक होने में समय लगता है, ट्यूमर को हटाने की प्रक्रिया न्यूनतम आक्रामक होती है, जिसमें त्वचा में छोटे-छोटे छेद होते हैं, जिसके माध्यम से अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन द्वारा इमेजिंग मार्गदर्शन का उपयोग करके विशेष उपकरणों को ट्यूमर साइट पर निर्देशित किया जाता है। इससे शरीर पर आघात कम होता है, जटिलताओं का जोखिम कम होता है और मरीज़ तेजी से ठीक होते हैं।

निगम आयुक्त ने देखें निगम मुख्यालय भवन के निर्माण कार्य

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायण ने निगम मुख्यालय भवन के निर्माण कार्यों का जायजा लिया और कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यालय भवन में सिविल, विद्युत सहित शेष सभी कार्यों की गति और तेजी से बढ़ाकर शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नारायण ने मुख्यालय भवन के अग्रभाग को आकर्षक बनाने, पोर्च में कावेल लगाने, छत पर वाटर प्रूफिंग बेस बनाने व हीट रेजिस्टेंट टाइल्स लगाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने मुख्यालय भवन के प्रथम तल पर फायर सिस्टम, विद्युत व एयर कंडीशन आदि संबंधी कार्यों को देखा और योजनाबद्ध तरीके से कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त पवन सिंह, अधीक्षण यंत्री आर.के.सक्सेना, कंसल्टेंट तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त ने सोमवार को सांयकाल निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन के निर्माण कार्यों का जायजा लिया और प्रचलित प्रत्येक कार्य एवं शेष कार्यों की जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त नारायण ने मुख्यालय भवन के प्रथम तल पर कारीडोर एवं कक्ष के समतलीकरण के लिए लगाये गये टाइल्स, फायर सिस्टम, एयर कंडीशनर आदि का जायजा लिया। निगम आयुक्त ने मुख्यालय भवन के आंतरिक क्षेत्र में बेहतर इंटीरियर करने और अग्रभाग को आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने पोर्च में कावेल लगाने, भवन की छत पर वाटर प्रूफिंग बेस बनाने और हीट रेजिस्टेंट टाइल्स लगाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने भवन के बाहरी स्वरूप संबधी कार्यों को तीव्र गति से करने, भवन के परिसर के कार्यों में और तेजी लाकर इन्हें शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

हमारी संस्कृति नर से नारायण बनाने वाली, शौर्य प्रशिक्षण शिविर में श्रेष्ठतम व्यक्तित्व का करेंगी विकास: नवल सिंह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व हिंदू परिषद की महिला शाखा दुर्गावाहिनी के शौर्य प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस पर दुर्गावाहिनी प्रांत संयोजिका सत्यकीर्ति राने द्वारा बताया गया आज के बौद्धिक सत्र में विहिप प्रांत उपाध्यक्ष नवल सिंह जी ने श्रीराम मंदिर से राष्ट्र निर्माण विषय पर श्रीराम जी के जीवन से व्यावहारिक शिक्षा लेने की ओर प्रकाश डालते हुए कहा प्रात: काल उठके रघुनाथा मातापिता गुरु छूवही माथा अपनी दिनचर्या ब्रह्म मुहूर्त में जागरण एवं वरिष्ठों के आशीर्वाद से प्रारंभ करनी चाहिए। ऐसे प्रभु श्रीराम को भारत में काल्पनिक सिद्ध करने का षडयंत्र विधर्मिओं ने किए, रामसेतु तोड़कर साक्ष मिटाने के कुत्सित प्रयास किए गए लेकिन भारत में राम हर जनमानस का हृदय में विराजमान हैं श्रीराम जी ने हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण और प्रेम की प्रेरणा दी है। सत्र में प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह जी एवं प्रांत मंत्री राजेश जैन भी मंच पर उपस्थित रहे। कृति सत्र में बाल संस्कार केंद्र चलाने का प्रशिक्षण दिया गया

रातीबड़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध गैस रिफिलिंग रैकेट का भंडाफोड़, 32 सिलेंडर जब्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रातीबड़ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में अवैध गैस रिफिलिंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। 12 मई 2024 को, पुलिस ने सूचना मिलने पर एक दंपति को उनके निवास स्थान पर रेड की। आरोपी अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों से रिफिलिंग कर रहे थे और वाहनों में भी गैस भर रहे थे। पुलिस ने उनके घर से 32 घरेलू और वाणिज्यिक गैस सिलेंडर जब्त किए, जिनकी कुल कीमत लगभग 1.5 लाख रुपये आंकी गई है। इस ऑपरेशन का नेतृत्व थाना प्रभारी रातीबड़ और उनकी टीम ने किया, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन शामिल था। आरोपियों के खिलाफ धारा 285 भादवि और 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच जारी है। पुलिस ने जनता से ऐसी अवैध गतिविधियों की सूचना देने का आग्रह किया है और इस तरह के रैकेट के खिलाफ सतर्क रहने को कहा है। इस तरह की गतिविधियाँ न केवल अवैध हैं बल्कि यह आम जनता के लिए भी खतरनाक हो सकती हैं।

सम्पादकीय

कचरा और पर्यावरण

दिल्ली में कचरे को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने जिम्मेदारों को जमकर फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली में रोजाना 3800 टन ठोस कचरा का निपटारा नहीं हो पा रहा है और यह बेहद भयानक सिचुएशन है। यह लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। पहली नजर में जो बातें सामने आई है, उसमें किसी भी अथॉरिटी ने इस मामले की गंभीरता का अंदाजा नहीं लगाया और ना ही उसके पास इतनी मात्रा में ठोस कचरे के निपटान की व्यवस्था है। ये बेहद खेदजनक है।

पहले आते हैं सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए दिशा निर्देश पर। दिल्ली के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली, गुड़गांव और फरीदाबाद में हर दिन 5 हजार 600 टन से अधिक ठोस कचरा निकल रहा है और इतनी बड़ी मात्रा में निकल रहे कूड़े के निपटारे की कोई योजना ही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह भयानक स्थिति है। देश की राजधानी जहां अक्सर विकास और पर्यावरण की बातें होती हैं इससे दुनिया में गलत संदेश जाएगा। कोर्ट ने कहा, इस मामले में केंद्र सरकार के शहरी आवास मंत्रालय के सेक्रेटरी रिपोर्ट तैयार करें और 19 जुलाई तक रिपोर्ट पेश करें।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस ओका की अगुवाई वाली बेंच ने संबंधित अथॉरिटी से कहा है कि वह दिल्ली और उसके आसपास के इलाके में कचरे की मौजूदा मात्रा को बढ़ने से रोकने के लिए तत्काल उपाय करें। जब तक कचरे के उचित तरीके से ट्रीट करने का उपाय नहीं हो जाता है, तब तक अनट्रीटेड ठोस कचरे की मात्रा को बढ़ने से रोका जाए। कंस्ट्रक्शन यानि निर्माण कार्यों को रोकने जैसे उपाय किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के शहरी आवास मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह संबंधित सभी अथॉरिटी की बैठक बुलाएं और इस मामले में समाधान लेकर आएं। अगर अथॉरिटी कोई ठोस समाधान लेकर नहीं आती है तो फिर हम पर्यावरण को बचाने के लिए आदेश पारित करेंगे।

एक तरह से सुप्रीम कोर्ट ने राजधानी दिल्ली में रोजाना उत्सर्जित होने वाले ठोस कचरे के निपटान में विफलता को लेकर संबंधित अधिकारियों की जमकर खिंचाई की। दिल्ली नगर निगम समेत तमाम प्राधिकरणों की ओर से पेश हुए वकीलों से पूछा, इसका समाधान क्या है? कचरे की प्रोसेसिंग का मुद्दा राष्ट्रीय राजधानी के लिए बेहद अहम है, इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। एमसीडी के वकील ने कहा कि जब अतिरिक्त सुविधा होगी, तब जाकर जून 2027 में इसका निपटान हो सकेगा। कोर्ट ने कहा कि इसका मतलब है कि अगले तीन साल तक लगातार रोजाना 3800 टन रोजाना कचरा और जमा होगा। दिल्ली में पर्यावरण के लिए खतरा पैदा होगा। स्थिति भयानक है।

चूंकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है और सुप्रीम कोर्ट जैसी संस्था भी यहीं पर है, तो यहां यह मामला आ गया। लेकिन अन्य बड़े शहरों के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना इतना आसान नहीं है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल खुद ही ऐसे कचरे के पहाड़ों से दो-चार हो रहा है। यहां एक नहीं दो मामले हैं। एक तो रोजमर्रा का कचरा, दूसरा चालीस बरस पहले हुए गैस कांड का कचरा। जी हां, चालीस साल बाद भी हत्यारी यूनियन कार्बाइड का कचरा बड़ी समस्या बना हुआ है। हालांकि इसका निपटारा करना सामान्य कचरे की तरह कम कठिन नहीं है, लेकिन चालीस साल की अवधि भी तो कम नहीं होती। ऐसा लगता है, मानो सरकारों को इसकी कोई चिंता ही नहीं है।

आज भी यह कचरा कोई ढाई से तीन लाख लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बना हुआ है। इसके रसायन जमीन के अंदर ही अंदर रिस रहे हैं और पूरे इलाके के भूगर्भीय जल को प्रदूषित कर रहे हैं। इसके लिए कोई दिशा निर्देश नहीं मिल पा रहा है और न ही दिल्ली की तरह सर्वोच्च न्यायालय की फटकार ही सरकार या प्रशासन को लग रही है। सो ये रासायनिक कचरा हजारों लोगों को बीमार कर रहा है और दर्जनों लोगों की जान भी ले रहा है। चूंकि मौत बीमारी से होती है, सो कचरे को कोई जिम्मेदार मानता ही नहीं है।

भोपाल को स्वच्छ राजधानी का तमगा भी मिल चुका है। कैसे मिला, इसका जवाब हो तो सकता है, लेकिन यह तत्कालीन सरकार और प्रशासन के लिए कड़वा होगा। क्योंकि जब इसे स्वच्छ राजधानी का तमगा मिला, उस समय यहां सामान्य कचरे के भी पहाड़ थे और रासायनिक कचरा भी मौजूद ही था। इस पर केंद्र स्तर पर विचार ही नहीं किया गया। उन्हें तो तमगे बांटने थे, और शायद इसमें भी सिफारिश चली होगी। कुल मिलाकर सुप्रीम कोर्ट यदि दिल्ली के साथ ही भोपाल और अन्य बड़े शहरों के निकायों और सरकारों को भी कचरे के निपटारे के लिए फटकार लगाए, तो ही वहां के लोगों को कचरे के पहाड़ों और खंतियों से छुटकारा मिल पाएगा। कचरे के पहाड़ या खंतियां बनने से पहले इनका निपटान समय-समय पर होना चाहिए, नहीं तो ये पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य से इसी तरह खेलते रहेंगे। लोग बीमार होते रहेंगे, मरते रहेंगे।

बिखरे विपक्ष के बीच मोदी को 2024 में कौन देगा चुनौती?

जुबैर अहमद

कहा जा रहा था कि पाँच राज्यों में हालिया चुनाव सेमीफ़ाइनल हैं और फ़ाइनल मैच 2024 का आम चुनाव है. तो क्या पाँच राज्यों में से चार में जीत हासिल करके भारतीय जनता पार्टी ने फ़ाइनल मैच में अपनी जीत सुनिश्चित कर ली है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मार्च 2022 को मिली इस जीत के बाद उसी शाम दिल्ली के बीजेपी मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के सामने दिए भाषण में कहा, 2019 के चुनाव नतीजों के बाद, कुछ पॉलिटिकल ज्ञानियों ने कहा था कि भई 2019 की जीत में क्या है, ये तो 2017 में ही तय हो गई थी. क्योंकि 2017 में यूपी का रिज़ल्ट आया था. मैं मानता हूँ कि इस बार भी ये ज्ञानी ज़रूर कहने की हिम्मत करेंगे कि 2022 के नतीजों ने 2024 के नतीजे तय कर दिए हैं.

प्रसार भारती के पूर्व अध्यक्ष और मोदी समर्थक सूर्य प्रकाश के विचार में इन ताज़ा चुनावी नतीजों का असर 2024 में देखने को मिलेगा. उनके अनुसार बीजेपी की जीत के पूरे आसार हैं. वे कहते हैं, आज के हालात के हिसाब से मुझे निश्चित रूप से 2024 के चुनावों में भाजपा के लिए कोई समस्या नहीं दिख रही है. देश भर में मोदी समर्थक भावना बहुत मज़बूत है. सरकारी स्कीमों की डिलिवरी और विचारों के प्रसार के मामले में उनका रिकॉर्ड काफ़ी उल्लेखनीय है. अगर चीज़ें स्थिर रहीं तो मुझे 2024 में भाजपा के लिए कोई समस्या नहीं दिख रही है.

उनका कहना था कि लोग मोदी के नाम पर आज भी वोट देते हैं और इसे आगे रोकना मुश्किल है.

बीबीसी से उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि उत्तर प्रदेश जैसा राज्य जीतना कोई मज़ाक़ नहीं है. ये जहाँ योगी आदित्यनाथ के लिए एक सकारात्मक संकेत है तो दूसरे राज्यों में पीएम मोदी के लिए भी एक व्यापक संकेत है.

सियासी विश्लेषक सीमा चिश्ती के अनुसार ताज़ा चुनावी नतीजे ये दर्शाते हैं कि फ़िलहाल माहौल हिंदुत्व के पक्ष में है. उनके अनुसार ये विपक्ष की हार से ज़्यादा वोटरों की मानसिकता को दर्शाता है. वो कहती हैं, वोटर अपने खुद के हित में वोट नहीं कर रहा है, उन्हें कुछ और चाहिए. उन्हें लगता है कि अगर ऐसा ही हाल रहा तो 2024 के आम चुनाव में हिंदुत्व पर ही वोट पड़ेगा.

अगर मैं बीजेपी हूँ तो मैं यही समझूंगी कि हिंदुत्व को पूरी तरह से वोट मिला है. सिर्फ़ हिंदी बेल्ट की बात नहीं. ये चुनाव अलग-अलग राज्यों में हुए हैं.

लगभग सभी विश्लेषक इस बात को अब स्वीकार करते हैं कि नरेंद्र मोदी को रोकना फ़िलहाल विपक्ष के बस से बाहर की बात है. प्रधानमंत्री 70 वर्ष के हैं और स्वस्थ्य हैं. उनके समर्थक कहते हैं कि वो छुट्टी लेते ही नहीं, केवल काम करते रहते हैं. ज़ाहिर है 2024 के फ़ाइनल मैच में बीजेपी के कप्तान मोदी ही होंगे और विश्लेषक मानते हैं कि अगर विपक्ष एक जुट भी हो जाए तो उन्हें शिकस्त देना मुश्किल है.

तो क्या 2024 का लोकसभा चुनाव बीजेपी बनाम कांग्रेस नहीं होगा? क्या ये बीजेपी बनाम क्षेत्रीय पार्टियों का चुनाव होगा? हरियाणा के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता मनोहर लाल खट्टर ने गुरुवार को कहा कि देश में अब भी दो ही पार्टियां हैं बीजेपी और कांग्रेस. वे कहते हैं, आज भी देश के अधिकतर क्षेत्रों में बीजेपी और कांग्रेस ही मौजूद हैं. लेकिन कांग्रेस, की विचारधारा में लोगों की दिलचस्पी कम हो रही है.

महाराष्ट्र में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को उम्मीद है कि 2024 के चुनाव में उनकी पार्टी मज़बूत रहेगी. वे कहते हैं, कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व अब भी मज़बूत है, जिससे हमें 2024 के चुनाव में कड़ा मुक़ाबला करने में मदद मिलेगी.

सीमा चिश्ती के मुताबिक़ 2024 में बीजेपी के मुक़ाबले कांग्रेस दम दिखा पाएगी या नहीं ये इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस आने वाले राज्यों के चुनावों में कैसा प्रदर्शन करेगी.

पीएम मोदी की इतनी आलोचना क्यों कर रहे हैं के चंद्रशेखर राव- पाँच वजहें

ममता बनर्जी देश की राजनीति में जगह बनाने के लिए क्या पश्चिम बंगाल का सीएम पद छोड़ देंगी?

वे कहती हैं, ये निर्भर करेगा कि आने वाले राज्यों के चुनावों में किस तरह के नतीजे सामने आते हैं. हमारा आकलन बदलता रहता है. अब देखिए बंगाल के चुनाव के बाद गति अलग तरह की हो गई थी. तो अगर कांग्रेस वाक़ई जुट कर राज्यों के स्तर पर दमदार प्रदर्शन करती है (कर्नाटक और गुजरात के चुनावों में), अगर कांग्रेस ने फिगर आउट कर लिया कि लोग प्रतिक्रिया कैसे करते हैं फिर तो उम्मीद है. उसे अपनी वापसी का रास्ता चुनना तो पड़ेगा.

सूर्य प्रकाश कहते हैं कि 2024 के चुनाव में फ़ाइनल मैच बीजेपी बनाम क्षेत्रीय पार्टियों के बीच होगा.उन्होंने कहा, पहली बात हमें यह ध्यान रखना होगा कि भाजपा पिछले कुछ सालों से भारत की नंबर वन पार्टी बनी हुई है. इसका मुक़ाबला कई क्षेत्रीय दलों के एक समूह से होगा. इन चुनावों के बाद आज के भारत के सियासी नक्शे पर नज़र डालें तो पता चलेगा कि कई राज्यों में क्षेत्रीय दल सत्ता में हैं. जहाँ भी कांग्रेस सत्ता में है, जैसे कि राजस्थान और छत्तीसगढ़, वहाँ बीजेपी मुख्य विपक्ष है और वे वैकल्पिक रूप से सत्ता में आती है.

दूसरी स्थिति ओडिशा जैसे राज्य की है, जहाँ एक स्थानीय पार्टी (बीजेडी) ने कांग्रेस को ख़त्म कर दिया है. बीजू जनता दल ने कांग्रेस को पछाड़ दिया है. अब बीजेपी बीजेडी की मुख्य प्रतिद्वंदी है. तेलंगाना में, जो एक कांग्रेसी राज्य था, सत्तारूढ़ दल ने चुनाव में कांग्रेस को पछाड़ा और अब भाजपा क्षेत्रीय दल की मुख्य प्रतिद्वंदी बन गयी है. पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में भी कुछ ऐसा ही हुआ.

वह कहते हैं, अब आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस की क़ीमत पर पंजाब में क्लीन स्वीप किया है. अब कांग्रेस के लिए दोबारा सत्ता में वापस आना मुश्किल होगा. आप दिल्ली को देखें, जहाँ आम आदमी पार्टी ने लगातार दो बार विधानसभा में कांग्रेस को शिकस्त दी है.

केजरीवाल ने पंजाब में कैसे किया कमाल, कांग्रेस, अकाली कहां पिछड़े? ममता बनर्जी की तृणमूल क्या कांग्रेस का स्थान ले पाएगी? आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर एक नया विकल्प?

पंजाब में भारी जीत के बाद आम आदमी पार्टी के हौसले बुलंद हैं. दो सीटों के साथ गोवा में भी इसने अपना खाता खोल दिया है. साफ़ है कि अब ये पार्टी दिल्ली तक सीमित नहीं है. तो क्या अब ये एक राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनकर उभरेगी और क्या बीजेपी के लिए एक चुनौती बनेगी?

सूर्य प्रकाश कहते हैं, ये शुरुआती दिन हैं. आपने एक पौधा देखा है, अभी आगे इसे बढ़ते देखेंगे. वे कहते हैं कि आम आदमी पार्टी फिलहाल केवल दिल्ली और पंजाब में बीजेपी के लिए चुनौती है, राष्ट्रीय स्तर पर नहीं. सीमा चिश्ती के अनुसार आम आदमी पार्टी एक राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बन सकती है. वे कहती हैं, इससे आरएसएस को भी कोई समस्या नहीं होगी. ये (आम आदमी पार्टी) इसके क़रीब देखी जाती है और बीजेपी का विरोध तो करती ही नहीं है. मेरे विचार में आप हिंदुत्व के लिए प्रतिबद्ध है.

शायद 2024 में आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय स्तर बीजेपी को चुनौती देने योग्य न हो सके. विश्लेषक कहते हैं कि कई विपक्षी नेता जिनकी पार्टियां कई राज्यों में सत्ता में हैं एक जुट होकर एक थर्ड फ्रंट बनाएं तो फ़ाइनल का मुक़ाबला दिलचस्प हो सकता है.

ममता बनर्जी, चंद्रशेखर राव और शरद पवार जैसे ऊंचे क़द के विपक्ष के नेता ऐसे फ़्रंट की बात कर रहे हैं लेकिन फिलहाल ये बन नहीं पाया है. आम चुनाव दो साल बाद हैं. राजनीति में दो साल का अरसा एक लंबा समय होता है. दो साल में हालात बदल सकते हैं. लेकिन मौजूदा हालात में प्रधानमंत्री मोदी को शिकस्त देना लगभग असंभव लगता है।

आखिर भारत कैसे बना धार्मिक अल्पसंख्यकों का सुरक्षित ठिकाना

डॉ.ब्रह्मदीप अलूने

पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची में पिछले साल मार्च में एक अल्पसंख्यक अधिकार मार्च निकाला गया। देश के कई इलाकों से हजारों अल्पसंख्यक और हाशिये पर पड़े लोग इस मार्च में सम्मिलित हुए। उनके हाथों में बैनर थे जिसमें वे सरकार से मांग कर रहे थे कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के सामने आने वाले गंभीर मुद्दों के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई की जाएं। धार्मिक अल्पसंख्यकों की महिलाओं और लड़कियों के अपहरण, उत्पीड़न, जबरन धर्मांतरण और विवाह और बलात्कार को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएं जाएं।

भारत में भी ऐसे मार्च निकलते है लेकिन उसके उद्देश्य भी कमाल के होते है। भारत में अल्पसंख्यक अधिकार दिवस हर साल 18 दिसंबर को मनाया जाता है। अल्पसंख्यकों की स्थिति में सुधार करना और उनकी राष्ट्रीय,भाषाई,धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के बारे में जागरूकता फैलाना राज्य सरकार की जिम्मेदारी माना जाता है और इसमें सभी भाग लेते है।

15 अगस्त 1947 को भारत का धर्म के आधार पर विभाजन हुआ और मुसलमानों के लिए एक अलग देश पाकिस्तान बना। 1971 में पाकिस्तान का भाषा और संस्कृति के आधार पर एक और विभाजन हुआ तथा एक नया देश बांग्लादेश बना। इन तीनों देशों की भाषा,संस्कृति और जीवन में असंख्य समानताओं के बाद भी धार्मिक आधार पर आंकड़ें भारत और अन्य देशों की व्यवस्थाओं में गहरा अंतर बताते है।

पाकिस्तान को ईसाईयों के लिए सबसे खराब देश माना गया है वहीं हिन्दू और सिखों के लिए पाकिस्तानी जमीन बुरा स्वप्न साबित हुई है। पाकिस्तान सरकार द्वारा आयोजित 1951 की जनगणना के अनुसार,पश्चिमी पाकिस्तान में 1.6 फीसदी हिंदू आबादी थी,जबकि पूर्वी पाकिस्तान जो अब बांग्लादेश है,में 22.05 फीसदी थी।

1950 के दशक में दुनिया में पाकिस्तान की जनसंख्या की हिस्सेदारी 1.49 फीसदी थी। जो 2024 में बढ़कर 3.02 फीसदी हो गई है। 1950 के दशक में जनसंख्या की दृष्टि से पाकिस्तान 13 वें स्थान पर था जो अब पांचवें पायदान पर पहुंच गया है। यह भी दिलचस्प है की पाकिस्तान 1971 में विभाजित हो गया था लेकिन इसके बावजूद यहां की जनसंख्या वृद्धि दर में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। हालांकि यह वृद्धि धार्मिक बहुसंख्यकों में हुई जबकि धार्मिक अल्पसंख्यक स्थिर रहे। इसका प्रमुख कारण धार्मिक उत्पीड़न से उपजा पलायन रहा।

पाकिस्तान से अलग होकर बना देश बांग्लादेश भी अल्पसंख्यकों के लिए कब्रगाह साबित हुआ है। बांग्लादेश में 2022 की राष्ट्रीय सरकारी जनगणना के अनुसार,देश में हिंदुओं का प्रतिशत 2011 में कुल जनसंख्या के 10 फीसदी से घटकर 2022 में 8 फीसदी हो गया है। पत्रकार दीप हलदर और अकादमिक अविषेक बिस्वास द्वारा लिखित किताब Being Hindu in Bangladesh: An Untold Story में दावा किया गया है कि बांग्लादेश में हिंदू विनाश की भावना से पीड़ित हैं। बंगलादेश में कट्टरपंथी ताकतें यदि हिन्दुओं को निशाना बनती रही तो अगले तीन दशकों में बांग्लादेश में कोई भी हिंदू नहीं बचेगा।

लेकिन भारत का मानस बहुत स्पष्ट रहा। सरदार वल्लभभाई पटेल ने आज़ादी के आंदोलन के दौरान कहा था कि हिंदू मुस्लिम एकता तभी आ सकती है जब बहुसंख्यक हिम्मत दिखाएं और अल्पसंख्यकों की जगह खुद को रखकर देंखे,यहीं बहुसंख्यकों की सबसे बड़ी समझदारी होगी। महात्मा गांधी को तो भारत के सर्व धर्म समभाव पर इतना भरोसा था कि वे यूरोपीय धर्मनिरपेक्षता को भारत के लिए गैर जरूरी समझते थे,संभवत: यहीं कारण था कि मूल संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता जैसे किसी शब्द की जरूरत ही नहीं समझी गई। भारतीयों का सर्वधर्म समभाव पर भरोसा प्राचीन काल से बना रहा। भारत में कभी भी किसी राजा ने धर्म के आधार पर नागरिकता का कोई प्रावधान नहीं किया। यहीं कारण रहा की इस्लाम,ईसाई और पारसी भारत की जमीन पर बसे और खूब फलें फूलें।

मध्यकालीन भारत सुलह-ए-कुल या धर्मों के बीच शांति और सद्भाव की अवधारणा पर जोर दिया गया। वहीं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन शुरू से ही धर्मनिरपेक्ष परंपरा और लोकाचार द्वारा चिह्नित किया गया था। संविधान में भी समानता, स्वतंत्रता, नागरिक, क़ानूनी, सांस्कृतिक और राजनीतिक अधिकार सभी नागरिकों को प्राप्त है और इसमें कोई भेदभाव नहीं किया गया। 1952 के आम चुनाव में नेहरू की जीत को धर्मनिरपेक्षता की जीत तौर पर देखा गया। ऐसा कहा जाने लगा कि भारत की बहुसंख्यक हिन्दू आबादी ने पाकिस्तान के इस्लामिक राष्ट्र बनने के बावजूद धर्मनिरपेक्ष भारत पर अपनी मुहर लगा दी है और साझी संस्कृति में रहने के लिए तैयार है।

भारत में पारसी,जैन,बौद्ध,सिख,ईसाई और मुस्लिम धर्म को अल्पसंख्यक माना जाता है। हाल ही में प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक एडवाइज़री काउंसिल ने भारत की जनसंख्या में अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी के जो आकंडे जारी किए है उसके अंतर्गत 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी 7.82 फीसदी घटी है। वहीं 1950 में भारत की कुल आबादी में मुसलमानों की जो हिस्सेदारी थी उसमें 43.15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान ईसाईयों और सिखों की आबादी में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

भारत में हिंदुओं की आबादी करीब 78 फीसदी है लेकिन कई राज्यों जैसे पंजाब,लद्दाख,मिज़ोरम, लक्षद्वीप,जम्मू कश्मीर,नागालैंड,मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में हिंदुओं की आबादी के मुकाबले दूसरे धर्म के लोग ज्यादा हैं। मतलब इन राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक है।

दरअसल भारत का राष्ट्रवाद उपनिवेशवाद का विरोधी था,जिसके केंद्र में बहुसंख्यकवाद नहीं बल्कि बहुलतावाद था। युगों युगों से भारत के लोकाचार और संविधान में यह बहुलतावाद प्रतिबिम्बित हुआ तो अल्पसंख्यकों के लिए यह खुशहाली और प्रगति का कारण बन गया। वहीं भारत के पड़ोसी पाकिस्तान और बांग्लादेश ने बहुसंख्यकों की धर्म पर आधारित व्यवस्थाओं को अंगीकार कर धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों को बेरहमी से कुचल दिया। यहीं कारण है की भारत में जहां अल्पसंख्यकों की आबादी बढ़ रही है वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक खत्म होने की कगार पर है।

फिर आई बीजेपी को संघ की याद...!

हरीश दिवेकर

लगातार घट रहे मतदान प्रतिशत से बीजेपी की अक्ल ठिकाने आ चुकी है। इस लोकसभा चुनाव में बीजेपी 400 पार करेगी या नहीं ये तो कहा नहीं जा सकता, लेकिन जीत तो तय मानी ही जा सकती है। बावजूद इसके कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दलों के नेता भरपूर कॉन्फिडेंस में दिख रहे हैं। फिर भी बीजेपी के विजयी रथ को रोक सकें क्या इतने मजबूत हो गए हैं ये 4 जून को ही पता चलेगा। फिलहाल बीजेपी ने एक सबक सीख लिया है और दोबारा आरएसएस की शरण में ही रहने का फैसला किया है। इस बार के वोटिंग पैटर्न ने ये साफ कर दिया कि सिर्फ मोदी के फेस पर जीत हासिल की जा सकती है, लेकिन विपक्षियों को बुरी तरह पछाड़ने के लिए आरएसएस की जरूरत से इंकार नहीं किया जा सकता। ये ज्ञान मिलते ही आरएसएस वाली व्यवस्था लागू करने का फैसला कर लिया है।

घट रहा मत प्रतिशत बीजेपी को चिंता में डाल रहा

लोकसभा चुनाव बाद बिना ब्रेक लिए बीजेपी आगे की तैयारियों में जुट जाएगी। इसकी शुरूआत आरएसएस की पुरानी व्यवस्था पर चलते हुए संभागीय संगठन मंत्रियों की नियुक्ति करने से होगी। हालांकि, इस बार ये तैनाती नए पैटर्न पर होगी जिसका खाका भी आरएसएस से ही तैयार होगा। आपको याद दिला दूं कि सितंबर 2022 में राजगढ़ में प्रदेश पदाधिकारी बैठक के दौरान संभागीय संगठन मंत्रियों की नियुक्ति की परंपरा पर रोक की अंतिम मुहर लगी थी, जिसके बाद संभागीय संगठन मंत्रियों को हटाने का फैसला लिया गया। इसके बाद बीते साल यानी कि 2023 में विधानसभा चुनाव हुए और बीजेपी को अप्रत्याशित फैसले मिले, लेकिन 2024 में उस वक्त का कॉन्फिडेंस डावांडोल हो रहा है। लगातार घट रहा मत प्रतिशत बीजेपी को चिंता में डाल रहा है। इसकी एक वजह ये मानी जा रही है कि इस बार कार्यकर्ता उतना एक्टिव नहीं रहा, जितना हर चुनाव में रहता है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इंदौर लोकसभा सीट जो बीजेपी का गढ़ है वहां भी मतदान प्रतिशत कुछ खास नहीं रहा। जब भी चुनाव होते हैं तब बीजेपी के कार्यकर्ता के साथ साथ आरएसएस के कार्यकर्ता भी चुनाव प्रचार में जुट जाते हैं। बूथ लेवल पर कार्यकर्ता का एक्टिव रहना जितना जरूरी है आरएसएस का कार्यकर्ता भी वोटर को बूथ तक लाने में उतनी ही अहम भूमिका निभाता रहा है। चुनावों में तो आरएसएस की रिपोर्ट ही काफी रही है, तस्वीर क्लियर करने में, लेकिन चुनाव जैसे जैसे मोदी और शाह के इर्द गिर्द फोकस होता चला गया सिर्फ कार्यकर्ता ही नहीं कई पद भी बेमानी होते चले गए।

मोदी आज भी बीजेपी के सबसे बड़े स्टार प्रचारक हैं

अभी पिछले ही साल की बात करते हैं। करीब जून माह के आसपास की तब ऑब्जवर ने एक रिपोर्ट छापी थी। आरएसएस की विचारधारा से जुड़ी इस पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर ने ही कर्नाटक चुनाव में हार के बाद लिखा था कि हिंदुत्व का एजेंडा और पीएम नरेंद्र मोदी की छवि चुनाव जिताने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसका ये कतई मतलब नहीं कि मोदी की इमेज पर कोई संशय है। वो आज भी बीजेपी के सबसे बड़े स्टार प्रचारक हैं, लेकिन चिंता का विषय कुछ और है। जिस पर संघ कई बार ध्यान खींचने की कोशिश कर भी चुका है। संघ की चिंता को समझने की कोशिश कीजिए।

वसुंधरा राजे का दमदार फेस भी पीछे कर दिया

आज आप बीजेपी शासित या गैर शासित ही सही, किसी भी प्रदेश का नाम लीजिए। बताइए कि वहां बीजेपी का बड़ा नेता कौन है। एमपी में शिवराज सिंह चौहान थे। जिन्हें अपने क्षेत्र में समेट दिया गया। राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया थी, लेकिन उनका दमदार फेस भी पीछे कर दिया गया। साल 2019 की जीत के बाद सारे चुनाव नरेंद्र मोदी और अमित शाह की दमदारी के आसपास सिमट कर आ गए हैं। मीडिया भी यही प्रोजेक्ट करता रहा है कि मोदी या शाह की वजह से जीत मिली है। संघ की चिंता ये है कि इन दो फेस की वजह से किसी भी राज्य में स्थानीय लीडरशिप पनप ही नहीं पा रही है। जो पुराने लीडर थे वो घर बिठा दिए गए हैं या एक दायरे में सिमटे रहने पर मजबूर कर दिए गए हैं। इसका नतीजा कर्नाटक जैसे राज्यों के चुनाव परिणाम में नजर आया।

संघ ने भी ज्यादा सलाह देना बंद कर दिया है

कुछ ही समय पहले आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने अपने एक बयान में ये भी कहा था कि जोश में होश बनाए रखना जरूरी होता है। इस बात को भी ये इशारा समझा गया कि बीजेपी के दो प्रमुख नेताओं को ओवरकॉन्फिडेंस में आकर कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं को इग्नोर नहीं करना चाहिए, लेकिन लोकसभा चुनाव में बीजेपी यही गलती करती नजर आ रही है। बीते कुछ समय से ये खबरें लगातार आ रहे हैं कि आरएसएस और बीजेपी अब पिता पुत्र का संबंध नहीं रखते बल्कि, जुड़वा भाइयों वाला रिश्ता हो चुका है।

इसकी वजह से भी संघ ने ज्यादा सलाह देना बंद कर दिया है, लेकिन चुनावी हालात देखकर बीजेपी ये मान चुकी है कि पुरानी व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। क्योंकि इस बार तो मोदी-शाह के फेस पर जीत मिल सकती है। लेकिन आने वाले दिनों में या चुनावों में ये काम आसान नहीं होगा। इसलिए एक बार फिर से बीजेपी में बंद हुई संभागीय संगठन मंत्रियों की नियुक्ति की परंपरा फिर से शुरू करने पर विचार शुरू हो गया है।

दो साल बाद फिर संघ में होगी संगठन मंत्रियों की तैनाती

लोकसभा चुनाव निपटने के बाद बीजेपी के शीर्ष नेताओं के साथ बैठकर इसे अमलीजामा पहनाया जाएगा। पार्टी में पूरे देश में परम्परा है कि संगठन महामंत्री चाहे राष्ट्रीय स्तर पर हो या प्रदेश स्तर पर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से आता है और यह पद बेहद असरदार माना जाता है। पार्टी के कार्यक्रम जिलों में बेहतर तरीके से चलें, जनप्रतिनिधि अपने काम को ठीक तरीके से करें। इसके लिए पूर्व में हर संभाग में संगठन मंत्रियों की व्यवस्था होती थी। दो साल पहले पार्टी ने एक झटके से पूरे देश में संभागीय संगठन मंत्रियों की व्यवस्था को समाप्त कर दिया था। प्रदेश में संघ से बीजेपी में आए इन संभागीय संगठन मंत्रियों को प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बना दिया गया था। दो साल बाद अब फिर से संघ संगठन मंत्रियों की तैनाती पर विचार कर रहा है।

संघ का मानना है कि पार्टी का पिछले कुछ सालों में बेहतर विस्तार हुआ है और अन्य विचारधारा के लोग भी बीजेपी विचार परिवार से जुड़े हैं। जिन्हें संघ और बीजेपी दोनों की परिपाटी समझना जरूरी है। इसलिए भी संगठन मंत्रियों की तैनाती जरूरी है। यह संगठन मंत्री संघ की संरचना के आधार पर ही तैनात किए जाएंगे। संघ और बीजेपी दोनों ही मप्र में होने वाले अगले चुनावों में कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। दोनों के सामने बड़ी चुनौती नए और पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं में तालमेल बिठाना है। साथ ही नई और भरोसेमंद लीडरशिप डेवलेप करना है। ये काम संगठन मंत्रियों की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे बढ़ेगा।

देर से आने से पहले ही दुरुस्त आ गए। बीजेपी और संघ के फैसले पर शायद यही कहा जा सकता है। क्योंकि, लोकसभा चुनाव में सिर्फ फेस मोदी के सहारे चुनाव जीतने चली बीजेपी वोटिंग परसेंटेज के हालात देखकर समझ चुकी है कि संघ की अनेदखी से काम नहीं चलेगा। तो बहुत देर हो जाए इसलिए बीजेपी ने फिर संघम शरण गच्छामी का मंत्र जपना शुरू कर दिया है। **द सूत्र।**

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

अमोदा स्थित माता 1008 पंचकुंडीय शतचण्डी महायज्ञ का पांचवा दिन , श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

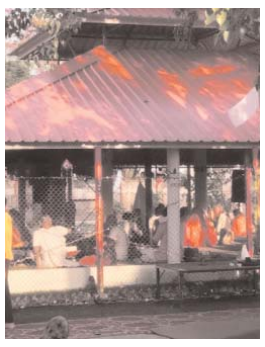

औबेदुल्लागंज संवाददाता- अमोदा स्थित श्री श्री 1008 पंचकुंडीय शतचण्डी महायज्ञका पांचवा दिन पूर्ण हुआ। 09 दिनों में 1008 पंचकुंडीय शतचण्डी महायज्ञ सम्पन्न होगा। बीलखेड़ी, तामोट, औबेदुल्लागंज, भोजपुर, धामधूसर, बैजलपुर आदि ग्रामीण यज्ञ स्थल पहुँचकर यज्ञ स्थल की परिक्रमा कर रहे हैं। सुबह पौने 07 बजे तक यज्ञ की तैयारियाँ प्रारंभ हो जाती हैं वहिं, रामकथा का वजन प्रतिदिन समयानुसार किया जाता है। रात्रि 08 बजे जगदम्बा की आरती के बाद विश्राम का समय हो जाता है। प्राणियों में सद्भावना, लोगों के हृदय में प्रेम प्रवाह हो एवं विश्व, देश, समाज व परिवार में शांति समृद्धि के उद्देश्यों से यज्ञ सम्पन्न किये जाते हैं। अग्नि देव की स्तुति के साथ ऋग्वेद का प्रारम्भ भारतवर्ष में यज्ञ का प्राचीनतम ऐतिहासिक व साहित्यिक साक्ष्य है वहिं, सिन्धु घाटी की सभ्यता के कालीबंगा, लोथल, बनावली एवं राखीगढ़ी के उत्खननों से प्राप्त अग्निवेदियाँ इसका पुरातात्त्विक प्रमाण है। यज्ञ तत्वदर्शन- उदारता, पवित्रता और सहकारिता की त्रिवेणी पर केन्द्रित माना गया है। 17 तारीख को पूर्ण आहुति दी जाने के बताया गया है। अचानक मौसम परिवर्तन से भी यज्ञ में बाधा जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। ऊक्त बिगड़ते मौसम से उमस एवं जंगलो की कटाई एवं अवैध उत्खनन ज़िम्मेदार है। हवन की हवी से आसपास का वातावरण पवित्र हो जाता है। बिगडे हुए मौसम से निपटने के लिए यज्ञ शाला में पूर्ण व्यवस्था है।

हमारे नर्सेस हमारा भविष्य : डॉ. द्विवेदी

शहडोल। नर्सिंग मानव समाज की देखभाल और स्नेह के बंधन से बांधती है। मरीज की देखभाल के साथ-साथ मार्मिक चुनौतियों के बीच एक सेतु का काम करती है। उक्त आशय के उद्गार शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज शहडोल के संचालक डॉ. डी.के. द्विवेदी ने संस्था में आयोजित विश्व नर्सिंग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संस्था के नर्सिंग पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित पैरामेडिकल संकाय के प्राचार्य डॉ. रूद्र द्विवेदी ने कहा की नर्सिंग का दायरा केवल अस्पताल तक सीमित नहीं है एक नर्स पूरी दुनिया में मानव जीवन को बचाने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान देती है। कार्यक्रम में उपस्थित नर्सिंग की प्राचार्य मंगला श्रीवास ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सिंग का क्षेत्र सेवा का क्षेत्र है जिसमें स्वरोजगार आर्थिक लाभ के साथ-साथ आमजन का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है साथ ही उन्होंने दिनांक 15 मई 2024 से होने वाली बहु प्रतीक्षित नर्सिंग परीक्षाएं प्रारंभ होने के लिए छात्र-छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दी तथा आश्वस्त किया कि अब आपका नर्सिंग पाठ्यक्रम सुचारू और बिना किसी अवरोध के पूर्ण होगा। कार्यक्रम में नर्सिंग छात्र-छात्राओं द्वारा विश्व की प्रथम नर्स फ्लोरेंस नाईटेंगल की जीवनी पर नुक्कड़ नाटक एवं नृत्य के माध्यम से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बी.एस.सी. नर्सिंग एवं जी.एन.एम. कोर्स के छात्र-छात्राएँ एवं समस्त नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे।

समर चैंपियंस कप में डायमंड फुटबॉल क्लब विजेता

धार। किला मैदान फुटबॉल क्लब की ओर से चार दिवसीय फुटबॉल स्पर्धा स्थानीय किला मैदान पर संपन्न किया। इस स्पर्धा में लगभग 4 टीमों ने भाग लिया। जिसमें डायमंड फुटबॉल क्लब, डी चैंपियंस, नेमार फुटबॉल क्लब, वॉरियर फुटबॉल क्लब आदि ने भाग लिया। निलेश भाटी ने बताया कि इस कार्यक्रम में आए हुए अतिथि दादू सर, अरुण मोहिते, मुकेश राठौड़, विजय भाटी, महेश रायकावर आदि का स्वागत विकास भाटी, मोहित यादव, लखन भाटिया, कृष्ण सूजन, लाला भाई और चारों टीमों के कप्तानों ने पुष्पमाला से किया। स्पर्धा का फाइनल मुकाबला शनिवार शाम को डायमंड फुटबॉल क्लब और द चैंपियंस फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया। जिसमें डायमंड फुटबॉल क्लब ने द चैंपियंस फुटबॉल क्लब को 5 -3 से पराजित कर जीत हासिल की। स्पर्धा में नन्हे-नन्हे फुटबॉलरों को प्रोत्साहित करने के लिए इस स्पर्धा का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। स्पर्धा के विजेता एवं उपविजेता टीमों को अतिथियों की ओर से पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा बेस्ट फॉरवर्ड दक्ष मकवाना, बेस्ट डिफेंस दक्ष परमार, बेस्ट गोलकीपर अथर्व छोरे, बेस्ट मिडफील्डर कनिष्क चौहान और प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट सुधीर डांगी आदि को शील्ड प्रदान कर एवं मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों को भी मेडल पहना कर पुरस्कृत किया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से एक गाय की मौत व एक व्यक्ति हुआ घायल

मंडला--जिले के मोहगाँव थाना अंतर्गत ग्राम सिंगारपुर में आज 12 मई दिन रविवार के शाम 5ः00- 6ः00 बजे के बीच आकाशी बिजली गिरने से एक बच्चा वाले गाय की मौत हो गई वहीं आकाशीय बिजली के प्रकोप से एक व्यक्ति घायल हो गया है। बता दें कि ग्राम सिंगारपुर निवासी सुखदीन मरकाम के बच्चा वाले गाय आकाशीय बिजली गिरने से घटना स्थल पर मौत हो गया, वही गाय के मालिक सुखदीन मरकाम भी बेहोश हो जाने से वह भी घायल हो गया। सुखदीन ने बताया कि मैं शाम को गाय को बांध रहा था उसी दौरान क्या हुआ कैसा हुआ मेरे को कुछ भी पता नहीं रहा, मैं बेहोश हो गया कि बिजली गिरा या कुछ हुआ है। मेरे को कुछ भी जानकारी नहीं जब होश आया तब देखा कि गाय मेरे ऊपर मृत अवस्था में रहा। सुखदीन के ऊपर गाय गिर जाने से हाथ में चोट लगी है।

कलेक्टर दुबे की अध्यक्षता में टीएल बैठक: निर्वाचन और उपार्जन की समीक्षा

औबेदुल्लागंज। कलेक्टर अरविंद दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर दुबे द्वारा जिले में लोकसभा निर्वाचन की मतदान प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों, कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से जिले की चारों विधानसभाओं में मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से सम्पन्न हो गई है। जिले में मतदान प्रतिशत भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आगामी 04 जून को लोकसभा निर्वाचन की मतगणना होना है। इसके लिए निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन अनुसार सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं।

कलेक्टर दुबे द्वारा बैठक में उपार्जन कार्य की समीक्षा के दौरान अभी तक उपार्जित की गई उपज की मात्रा, उपज के सुरक्षित भण्डारण आदि की जानकारी लेते हुए शासन की गाइडलाइन अनुसार उपज की खरीदी करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएचई विभाग की समीक्षा के दौरान पेयजल वितरण की जानकारी लेते हुए कहा कि नागरिकों को पेयजल के लिए परेशानी ना हो, यह सुनिश्चित करें। पेयजल संबंधी शिकायत या सूचना प्राप्त होने पर तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य, कृषि, पीएचई, राजस्व सहित अन्य विभागों की गतिविधियों की भी समीक्षा की। बैठक में पुलिस अधीक्षक विकास शहवाल तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा भी मतदान कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर अधिकारियों, कर्मचारियों की सराहना की। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे, एसडीएम पीसी शाक्या, सेक्टर अधिकारी, पुलिस सेक्टर अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागों से एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

भड़कीली पोस्ट को लेकर ब्राह्मण समाज ने सौंपा ज्ञापन

मण्डला--जिले में माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा मण्डला द्वारा आज दिनांक 13 मई 2024 दिन सोमवार को थाना प्रभारी सिटी कोतवाली थाना मण्डला को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन मे बताया गया है, कि सोशल मीडिया फेसबुक पर विवेक पवार नामक व्यक्ति द्वारा आपत्तिजनक धार्मिक कुतर्क प्रसारित आदि आपत्तिजनक पोस्ट की गयी है, जिससे पूरे ब्राम्हण समाज के आलावा अन्य समाज को आघात पहुंचा है। माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा मण्डला के अध्यक्ष अधिवक्ता आकाश दीक्षित द्वारा बताया गया कि बीते दिवस भगवान श्री परशुराम जयंती (अक्षय तृतीया) के दिवस पर स्थानीय ब्राम्हण समाज द्वारा पर्व मनाया गया। इसी पर्व के दौरान विवेक पवार नामक व्यक्ति निवासी बिछिया ने स्वयं की फेसबुक पर अनावश्यकक एवं आपत्तिजनक टिप्पणी की है। साथ ही ब्राह्मण समाज के अशोक पाण्डे ने बताया कि इस व्यक्ति द्वारा पूर्व मे भी सोसल मीडिया मे आपत्तिजनक एवं भड़कीले पोस्ट डाली गयी थी जिसकी शिकायत पहले भी की गयी थी जिसकी जांच लंबित है। वहीं राजा शुक्ला ने कहा कि ऐसे व्यक्ति के ऊपर न्याय संगत कठोर कार्यवाही की जाये। क्योंकि ऐसी अनर्गल, मिथ्या तर्क दुर्भावना एवं विद्वेष फैलाने की गरज से जान बूझकर स्वेपच्छा से प्रेषित/प्रसारित किए गये हैं जो प्रथम दृष्टि में अपराधिक कृत्य है। ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता आकाश दीक्षित ने बताया कि विवेक पवार द्वारा सोसल मीडिया में डाली गई भड़काऊ पोस्ट को लेकर समस्त ब्राह्मण समाज उक्त पोस्ट की निंदा करती है और पुलिस प्रशासन से अपील करती है कि जॉच करते हुए आरोपित व्यक्ति पर दाण्डिक कार्यवाही की जाये।

कोतवाली थाने के सामने से एक लाख 90 हजार की चोरी

सांध्य प्रकाश, विदिशा। सोमवार को दिन के समय कोतवाली थाने के ठीक सामने स्थित जिला सहकारी बैंक में रामद्वारा निवासी संतोष दुबे अपने बेटे मनोज दुबे के साथ में केसीसी की राशि निकालने पहुंचे थे। उन्होंने स्कूटी पोस्ट ऑफिस वाली गली में रखी। जिला सहकारी बैंक से एक लाख 90 हजार रुपए निकालकर उन्होंने थैली में रखकर स्कूटी की डिग्गी में रख दिए। जगह न होने के कारण स्कूटी को बैंक ला रहे थे। इस दौरान शातिर बदमाशों ने उनकी स्कूटी की चाबी निकाल ली। जब स्कूटी स्टार्ट करने का प्रयास किया तो उन्हें चाबी नहीं मिली, उन्हें लगा कि चाबी पीछे कहीं गिर गई है। स्कूटी को वहीं खड़ा कर वह चाबी देखने वापस चले गए। इसी दौरान जब चाबी नहीं मिली तो है स्कूटी के पास आए तब चाबी स्कूटी की डिग्गी में थी। डिग्गी खुली हुई थी और उसमें रूपयों से भरा थैला गायब था तुरंत इस पूरे मामले को लेकर उन्होंने कोतवाली थाने में शिकायत की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तफ्तीश की। आसपास खोजबीन करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी और रुपए दोनों का ही पता नहीं चल सका। टीआई मनोज दुबे का कहना है कि आसपास के मौजूद सीसीटीवी कैमरा में तलाश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

रतलाम में लोकसभा निर्वाचन के लिए शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न

रतलाम। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए 13 मई को रतलाम जिले में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में शाम 6:00 बजे तक अनुमानित 77.14 प्रतिशत मतदान की खबर है। जिले में 74.25 प्रतिशत महिला मतदाता तथा 80.05 प्रतिषत पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया है। इस दौरान मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का उपयोग किया। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षकगण अबू बकर सिद्दीक, वी संपत, ज्योति यादव ने भ्रमण कर जायजा लिया। रतलाम जिले में कलेक्टर राजेश बाथम, पुलिस अधीक्षक राहुल लोढ़ा, सीईओ जिला पंचायत शृंगार श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर आरएस मंडलोई, सेक्टर अधिकारियों, पुलिस तथा राजस्व अधिकारियों द्वारा सतत् भ्रमण करते हुए जिले में सुचारु मतदान संपन्न करवाया गया। कलेक्टर श्री बाथम इस दौरान करमदी, पलसोढी, डेलनपुर आदि ग्रामों में पहुंचे, मतदान केंद्र का निरीक्षण किया, उनके साथ पुलिस अधीक्षक श्री लोढ़ा भी थे।

जिले में निष्पक्ष शांतिपूर्ण मतदान के लिए चाक चौबंद व्यवस्थाएं की गई थी, लगभग 4 हजार सुरक्षा बल तथा लगभग 1300 विशेष कर्तव्य पुलिस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात थे। जिला मुख्यालय पर बनाए गए कंट्रोल रूम से जिले के 862 मतदान केंद्र वेब कास्टिंग के दायरे में थे। इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वायड दलों तथा एसएसटी

निगरानी दलों द्वारा भी सतत् भ्रमण करते हुए निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित किया गया। जिले के 310 संवेदनशील मतदान केंद्र पर विशेष सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई थी। मतदान प्रातः 7:00 बजे से प्रारंभ हो गया था। मतदान के प्रति मतदाताओं में अत्यंत उत्साह देखने में आया। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में सुबह से मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गई। मतदान में युवा मतदाताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके अलावा बुजुर्गों दिव्यांगों ने भी उत्साह के साथ अपने मताधिकार का उपयोग किया। परिवारों के अनेक सदस्य मतदान केंद्र पर साथ-साथ मतदान के लिए आए। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए गर्मी के दृष्टिगत पेय जल के अलावा छाछ, लस्सी, कोल्ड ड्रिंक, केरी का पना, आमरस इत्यादि की व्यवस्थाएं की गई थी। इसके लिए कलेक्टर श्री बाथम का जिला पंचायत श्री श्रृंगार श्रीवास्तव के साथ ही अन्य अधिकारियों के अलावा लायंस क्लब ,बैंक आफ इंडिया ,बैंक ऑफ़ बडौदा, सर्राफा एसोसिएशन इत्यादि स्वयंसेवी संस्थाओं संगठनों ने सहयोग दिया।

शिक्षा के क्षेत्र में सेवा देने वाले होते हैं भाग्यशाली: कमिश्नर

सभी शिक्षक विद्यार्थियों को अपनत्व के साथ पढ़ाएं

शहडोल- कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बी.एस. जामोद ने कहा है कि शिक्षा के क्षेत्र में सेवा देने वाले भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें ईश्वर ने विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का अवसर दिया है। आप सभी शिक्षक शहडोल संभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, यह बहुत ही सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक विद्यालय में विद्यार्थियों को अपनत्व एवं वात्सल्य के साथ पढ़ाएं, जैसे हम अपने बच्चों को पढ़ाते हैं, जिससे विद्यार्थी बिना किसी संकोच के अपने समस्याओं को आपके समक्ष रख सके तथा शिक्षकों की भी जिम्मेदारी है कि उनके समस्याओं का निदान बड़े ही सहज तरीके से कराएं। कमिश्नर ने कहा कि स्कूल का ऐसा माहौल बनाएं कि विद्यार्थी खुद उत्साहित मन के साथ विद्यालय आए। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को जो टॉपिक या सब्जेक्ट समझ नहीं आते, उन्हें वह टॉपिक और सब्जेक्ट खेल-खेल के माध्यम से भी समझाया जाए तथा शिक्षा प्रदान की जाए। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बी.एस. जामोद आज कन्या षिक्षा परिसर अनूपपुर में आयोजित संभाग स्तरीय मोटिवेशनल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्मेष में शिक्षकों संबोधित कर रहे थे।

कमिश्नर शहडोल संभाग ने अनूपपुर जिले को प्रदेश में पांचवा स्थान अर्जित करने पर शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि हमें शिक्षा पद्धति को बेहतर बनाने की फॉर्मेलिटी नहीं करनी है, अपितु बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना है और बच्चों को नई-नई तकनीक भी सिखानी है। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग में सभी शिक्षक ऐसा माहौल तैयार करें जिससे बच्चा अपने मन से पूरे ऊर्जा के साथ विद्यालय प्रतिदिन आए। उन्होंने कहा कि अगर शिक्षक सकारात्मक भावना से विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे, तो विद्यार्थियों में भी सकारात्मक पढ़ाई की भावना जागृत होगी और वह पढ़ाई में सकारात्मक परिणाम ला सकेंगे।

कमिश्नर ने कहा कि सभी शिक्षकों को समाज के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। शिक्षक समाज के नींव होते है, वह नीव को जितना मजबूत करेंगे, समाज उतना मजबूत बनता जाएगा। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक जहां पदस्थ है, वह संकल्प लें कि उस गांव का कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित नहीं रहेगा। वहां ज्ञान का दीप अवश्य जलेगा। उन्होंने कहा कि आप जिस भी गांव में पदस्थ हैं, उस गांव को विकसित बनाने का कार्य आपका है। सभी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देकर उन्हें एक बेहतर भविष्य प्रदान करना आपकी जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो विद्यार्थियों को जीवन में नए सपने और लक्ष्यों की ओर प्रेरित करते हैं। शिक्षा एक शक्तिशाली और महत्वपूर्ण उपकरण है जो हमें ज्ञान, उच्चतम सोच और सकारात्मकता की ओर आगे बढ़ाता है। सभी शिक्षक समर्पण भाव से विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यह जो प्रशिक्षण है, वह विद्यार्थियों के जीवन बदलने का एक अवसर है, इस अवसर को आप अपने जीवन में उतारे तथा विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान का उजाला लाएं। कार्यक्रम को उपयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती उषा सिंह ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में शिक्षक विनीत गर्ग, विष्णु सिंह, सरोज मरकाम, शिवदयाल सोनी, छोटेलाल सिंह सहित अन्य शिक्षको ने भी अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षकों को पिरामल फाऊंडेशन के प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम में वीडियो के माध्यम से शिक्षकों को शिक्षा पद्धति में विद्यार्थियों से व्यवहार, विचार, समन्वय एवं मार्गदर्शन संबंधी बातें भी बताई जा रही है। कार्यक्रम में सहायक संचालक जनजातिया कार्य विभाग श्री अशोक शर्मा सहित शिक्षक गण उपस्थित थे।

महामस्तकाभिषेक के साथ त्रिदिवसीय महोत्सव संपन्न

अंतिम दिन मनाया अभिनंदननाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक

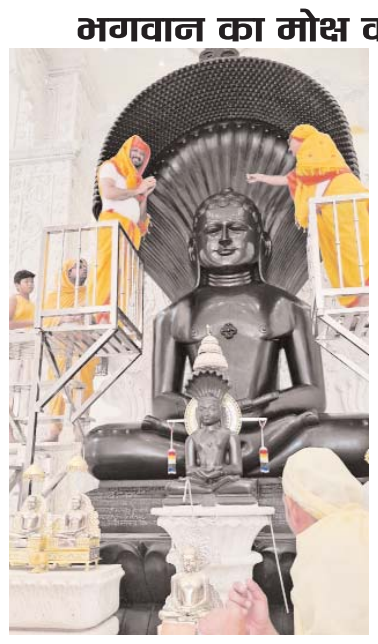

बैरसिया। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एक वर्ष पूर्ण होने पर जैन समाज बैरसिया द्वारा त्रिदिवसीय महोत्सव का आयोजन किया गया। भक्तों द्वारा तीन दिन तक अपने इष्ट प्रभु की आनंद और उमंग के साथ भक्ति की। तीन दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ वास्तुविद मनोज जैन के निर्देशन में सम्पन्न हुए श्री शांतिनाथ महामंडल विधान के साथ हुआ, द्वितीय दिवस श्री पारसनाथ भगवान का विधान हुआ और अंतिम दिवस पारसनाथ भगवान के महामस्तकाभिषेक के साथ महोत्सव का समापन हुआ।

इंद्रस्तंभ पर चढ़ाया कलश, हुए छत्र, चवर स्थापित

इससे पहले सुबह से प्रभु की नित्य पूजन अर्चना की गई, भक्तों द्वारा नित्य भिषेक किया गया, एवं बोली के माध्यम से चुने गए पुण्यशाली परिवार द्वारा शांतिधारा की गई। महोत्सव के अंतिम दिवस इंद्र स्तंभ पर पुण्यशाली परिवार जिनके द्वारा इंद्रस्तंभ बनाया गया था उनके द्वारा ही कलश चढ़ाया गया। चतुर मुखी विराजमान भगवान के माथे पर छत्र लगाया गया। साथ ही भगवान के दोनों तरफ भी चवर स्थापित करने का सौभाग्य पुण्यशाली परिवार को प्राप्त हुआ।

अभिनंदननाथ भगवान का मनाया गया मोक्ष कल्याणक पर्व

महोत्सव के अंतिम दिन, जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर अभिनंदन का मोक्ष कल्याणक पर्व के रूप मे मनाया गया। ज्ञात हो कि जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर आनंदकूट सम्मेद शिखर जी से मोक्ष गए थे। ब्र अविनाश भैया जी के सान्निध्य में संपन्न हुए त्रिदिवसीय महोत्सव के अंतिम दिन अभिनंदन स्वामी भगवान का मोक्ष पर्व भगवान को निर्वाण लड्डू समर्पित करके मनाया गया। इस अवसर पर जैन समाज बैरसिया के अध्यक्ष मुकेश जैन, पूर्व अध्यक्ष प्रदीप जैन, पंचकल्याणक समिति अध्यक्ष नरेंद्र कुमार जैन, राजकुमार जैन, सुरेशचंद जैन, आशीष जैन, सतीश चंद जैन, प्रकाश चंद जैन सहित अनेक संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

श्री राम और कृष्ण जन्म की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु, पूरा पंडाल जयकारों से गूँजा

छतरपुर। गौतम परिवार द्वारा ग्रीन एवन्यू कॉलोनी, छतरपुर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा चतुर्थ दिवस पर श्री राम जन्मभूमि मन्दिर के अध्यक्ष परम पूजनीय नृत्यगोपालदास जी के प्रिय शिष्य अयोध्या धाम से पधारे आदरणीय श्री राधेश्याम शास्त्री जी ने कथा का महत्व बताते हुए प्रभु राम व कृष्ण अवतार का वृत्तांत बताते हुए कहा कि कलयुग में भागवत की कथा सुनने से जीव को मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही जन्म जन्मांतर के पापों का अंत भी होता है। राम जन्म के प्रसंग के दौरान श्रीराम विवाह प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए कहा कि मां सीता के विवाह के लिए हो रहे धनुष यज्ञ प्रकरण के दौरान जब कोई भी राजा धनुष नहीं तोड़ पाए तो जनक जी परेशान हो गए। इसके बाद गुरू विश्वामित्र जी बोले हे राम उठो और धनुष को तोड़कर जनक के दुख को दूर करो। गुरू की आज्ञा पाकर भगवान राम उठे और धनुष को तोड़ दिया। कथा में भक्तों को श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुनाई। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की कथा भक्तों को श्रवण कराते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जन्म हुआ तो अपने आप जेल के ताले खुल गए और वासुदेव की

बेड़ियां खुल गईं। भगवान श्रीकृष्ण इस संसार के पालनहार हैं। श्रीकृष्ण जन्म उत्सव पर नन्द के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की भजन प्रस्तुत किया तो श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर जमकर झूमने लगे। एक दूसरे को श्रीकृष्ण जन्म की बधाईयां दी गई। कृष्ण जन्मोत्सव की आकर्षक झाँकिया सजाई गई और मिठाईयां बांटी गई। कथा महोत्सव में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भजन प्रदुम कर भगवान श्री कृष्ण के जन्म की खुशियां मनाई।

श्रीमद भागवत कथा के तीसरे दिवस में छतरपुर विधायक पूर्व मंत्री माननीया श्रीमती ललिता यादव जी सम्माननीय श्री अजयपाल सिंह राव साहब सहित शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में आरती एवं भागवत कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित किया। कल पंचम दिवस में नंदोत्सव, माखन चोरी और छप्पन भोग प्रसंग का आयोजन है आप सभी धर्म प्रेमियों से आग्रह है कृपया कल समयनुसार शाम 6 बजे से धर्म लाभ अर्जित करे। जय श्री कृष्ण

भोपाल चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पुराने सदस्यों को पुनःसदस्यता जारी रखने का सुनहरा अवसर

भोपाल चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पुराने सदस्य जिनका वर्ष 2012 से 2018 तक का गतिविधि शुल्क नहीं जमा है भोपाल चेंबर कार्यालय द्वारा उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई है 7

ऐसे सदस्यों को भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कार्यकारिणी की मासिक बैठक दिनांक 11 मई, 2024 को उपस्थित सभी पदाधिकारीगण द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया

जिसमें यह निर्णय लिया गया कि जिन सदस्यों का भी गतिविधि शुल्क वर्ष 2012 से वर्ष 2018 तक नहीं जमा है और यदि वो वर्ष 2018 से 2024 तक गतिविधि शुल्क जमा कर देते हैं तो उनकी सदस्यता भोपाल चेंबर में यथावत बनी रहेगी 7

आपके ध्यान में यह लाया जाता है कि भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में ?600 / प्रतिवर्ष के हिसाब से गतिविधि शुल्क लिया जाता है 7 इसके अनुसार 2018 से 2024 तक 6 वर्ष का ?3600 जमा करना होगा और ऐसे सदस्य जिनका गतिविधि शुल्क मार्च 2024 तक जमा है उन्हें भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स कि आगामी चुनाव में वोट डालने का अधिकार होगा।

भोपाल चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज

कलर्स दर्शकों को अपने नए प्रेरणादायक नाटक खूबसूरत के साथ अजेय जज़्बे की एक्सप्रेस में शामिल होने की दावत देता है

मुंबई, एजेंसी। सभी लोग ध्यान दें! कलर्स खूबसूरत के आगमन का संकेत दे रहा है, जो एक दिल छू लेने वाली कहानी है। यह दर्शकों को मुंबई की भावना के कठिन ट्रैक के माध्यम से एक प्रेरणादायक यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। चैनल सपनों की इस गाथा में दर्शकों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो उन्हें एक साधारण लड़की नव्या के प्रति आकर्षित करेगी, जिसका जीत का जज़्बा (जुनून) उस शहर की धड़कन की तरह अजेय है, जिससे वह जुड़ी है। एक चॉल में रहने वाली नव्या शहर की गगनचुंबी इमारतों जितनी ऊंची आकांक्षाओं के साथ खड़ी है। परिवार में वह एकमात्र सांवली है और इस कारण अपने पिता की अस्वीकृति के बावजूद वह कुछ बड़ा करना चाहती है। अपने आस-पास के लोगों द्वारा उसकी त्वचा के रंग को लेकर किए जाने वाले तानों से विचलित हुए बिना नव्या ने अपना घर चलाने के साथ-साथ अपनी आकांक्षाओं पर ब्रेक लगाने से इनकार किया है। चाहे वह मेज पर इंतजार कर रही हो, अपनी शहनाई के साथ बारातों का स्वागत कर रही हो या भोजन पहुंचा रही हो, कोई भी काम उसे अपनी धूप की ऊर्जा के साथ जीवन को आगे बढ़ाने से नहीं रोक सकती। सामाजिक मानदंडों की चुनौतियों के साथ, क्या उसका जज़्बा सफलता के मुकाम पर पहुंचेगा।

बिरला ओपस के साथ पेंट्स के नए युग में प्रवेश करें!

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिरला ग्रुप ने फरवरी 2024 में 'बिरला ओपस' के लॉन्च के साथ पेंट उद्योग में प्रवेश किया था। बिरला ओपस की

शुरुआत के साथ आदित्य बिरला ग्रुप तेजी से बढ़ते हुए 80,000 करोड़ रुपये के भारतीय डेकोरेटिव पेंट उद्योग में प्रवेश कर गया, जिसके लिए कंपनी ने 10,000 करोड़ रुपये का बड़ा अग्रिम निवेश किया। 15 मई, 2024 से कंपनी के मजबूत डीलर नेटवर्क द्वारा 'बिरला ओपस' के सभी उत्पाद पूरे देश में उपलब्ध होंगे।

विभिन्न स्थानों पर आयोजित अपनी पिछली एक्स्पो और डीलर मीट्स को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद बिरला ओपस अब बाजार में उतरने के लिए उत्साहित है और हम विभिन्न स्थानों पर तेजी से अपना विस्तार करेंगे। बिरला ओपस सभी सेगमेंट्स में विस्तृत पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें इंटीरियर, एक्सटीरियर, वाटरप्रूफिंग, इनैमल पेंट्स, वूड फिनिश, और वॉलपेपर्स सहित सभी श्रेणियों में बेहतर उत्पाद शामिल हैं। बिरला की विरासत और ओपस की क्रिएटिविटी के साथ बिरला ओपस का उद्देश्य पेंट उद्योग में इनोवेशन लाना है।

बिरला ओपस के सीईओ, रक्षित हर्गवे ने कहा, ''बिरला ओपस आदित्य बिरला ग्रुप के लिए एक रणनीतिक पहल है। इसका उद्देश्य पेंट्स उद्योग में एक नया युग शुरू करना है। हम विभिन्न शहरों में वितरण और अपने नेटवर्क को मजबूत बनाकर इसकी उपलब्धता बढ़ाना चाहते हैं। एक्स्पो में हमें अपनी डीलर मीट्स, पेंटर्स, कॉन्ट्रैक्टर्स, आर्किटेक्ट्स, और इंटीरियर डिज़ाइनर्स से बहुत ही अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हमने विशाल स्तर पर कॉन्ट्रैक्टर्स को सैंपल प्रदान किए, और वो सभी बिरला ओपस पेंट्स का उपयोग कर अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए उत्साहित हैं।''

बिरला ओपस अपनी टेक्नोलॉजिकल विशेषज्ञता के साथ पेंट उद्योग में एक इनोवेटर के रूप में अपनी अलग पहचान बनाते हुए ग्राहकों के बीच निष्ठा और विश्वास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

सांसद डां. बिसेन के 72 वें जन्म दिवस पर विशेष

डा. बिसेन की राजनीति की धुरी लोकनीति पर आधारित

-संजय सिंह, पत्रकार

डां. ढालसिंह बिसेन वैसे तो बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी है, किन्तु जिम्मेदारी के प्रति जवाबदारी दायित्व के प्रति समर्पण उनके व्यक्तित्व के वो भाव है जिन्होंने ही उन्हें राजनीति से लोकनीति का मार्ग दिया है । बरघाट विधानसभा से चार बार विधायक का कार्यकाल हो या उमा सरकार , बाबूलाल गौर सरकार में महत्वपूर्ण विभागो के मंत्री और शिवराज सरकार में मध्यप्रदेश वित्त आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल रहा हो एवं वर्तमान में सांसद का कार्यकाल, सभी में सफलतम उपलब्धि का कारण जिम्मेदारी और जवाबदेही के निर्वहन की कुशल क्षमता है जो उन्हें व्यवहारिक अनुभवों से मिली है। डां. बिसेन की उपलब्धियों से न केवल जनता जनार्दन को उनका हक मिला है तो साथ ही भाजपा का जनाधार भी बढ़ा है।

डाँ.बिसेन ने अपनी राजनीति की शुरूआत जनसंघ के एक कार्यकर्त्ता के रूप में की थी जनसंघ को उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांतों और विचारों से प्रेरित होकर चुना। पार्टी को जनसंघ से लेकर भाजपा तक के सफर में उन्होंने न कभी गुटबंदी की राजनीति की और न ही चाटूकारिता की। सिद्धांत और विचारपरक राजनीति पर चलने वाले डाँ. बिसेन को पार्टी बहुत कुछ मिला । पार्टी से उन्हें जो भी मिला वह उनकी काबलियत और जनता जनार्दन में उनके कार्यों को लेकर प्राप्त लोकप्रियता तथा पार्टी के प्रति समर्पित भाव और निष्ठा की भावना के कारण मिला । राजनैतिक क्षेत्र में इन्हें जो भी दायित्व दिया गया इन्होंने उसका पूरी सच्चाई, ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वाहन किया और कर रहे है । अभी तक के राजनैतिक काल में विपरीत परिस्थितियों में भी वे पार्टी के उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ते रहे और आज भी अपने कार्य क्षेत्र में मिले दायित्वों को बखूबी निभा रहे है ।

राजनीति में लोकनीति का समागम बिरला ही देखने को मिलता है ऐसे ही कुछ गिने चुने लोगों में डां. बिसेन भी शामिल है, जिन्होंने वोटो के गुणाभाग की वजाय समदर्शी जरूरतो और आवश्यकताओं को समझा और उसी आधार पर विकास खाका खींचा । यह ऐसी सोच है जो दलगत राजनीति से हटकर दूरदर्शी परिणामों देने वाली होती है जिसका लाभ वर्तमान को तो मिलता ही है साथ ही भविष्य के लिये भी सुरक्षित रहता है । डां. बिसेन द्वारा अपने इस लंबे राजनैतिक जीवन में जिले के लिये किये गये विकास का वर्तमान साक्षी है और भविष्य का गवाह भी । डां. बिसेन का राजनैतिक सफर काफी लंबा है । चुनावी राजनीति की शुरूवात ग्राम की छोटी पंचायत के पंच से लेकर देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा तक पहुँची है । इस बीच वर्ष 1990 से वर्ष 2008 तक चार बार बरघाट विधानसभा से विधायक रहे वहीं वर्ष 2008 एवं 2013 में केवलारी विधानसभा से चुनाव में सफलता हासिल नहीं कर सके । इस दौरान उन्होंने कई उतार चढाव देखे परंतु संयम नहीं खोया और न ही राजनैतिक प्रतिबद्धता को छोड़ा ।

डां. बिसेन का स्वाभाव वैसे तो काफी सरल और सहज है किंतु कई बार लोगो को इनका स्वाभाव सख्त नजर आता है, लेकिन जब ऐसे लोग इन से मिलते है तो रूबरू होकर अपना नजरिया बदल लेते है । इनका व्यक्तित्व उस नारियल की तरह है जो ऊपर से सख्त और अंदर से कोमल होता है । डाँ. बिसेन के पास जो भी व्यक्ति अपनी व्यथा लेकर पहुँचता है वे उससे न केवल आदर के साथ मिलते है वरन उसकी परेशानी को सांझा कर उसकी समस्या को दूर करने के लिये तत्पर रहते है । डाँ. बिसेन के इस स्वाभाव को बरधाट विधानसभा क्षेत्र की जनता ने पहली बार विधायक बनने के बाद ही पहचान लिया था और उसने जब तक डां. बिसेन बरघाट से चुनाव लड़े खूब लाड प्यार दिया । इसी तरह सिवनी बालाघाट जिले से भी जनता ने उन्हें सम्मान और स्नेह दिया । डाँ. बिसेन ने भी जनता से मिले इस सम्मान स्नेह और विश्वास को इस पाँच के कार्यकाल में टूटने नहीं दिया । बतौर सांसद पाँच वर्ष का यह कार्यकाल दो वर्ष के कोरोना काल के बावजूद सिवनी एवं बालाघाट जिले के लिये उपलब्धियों से भरपूर है । इस एक कार्यकाल में इन दोनों जिलो की खासकर रेलवे को लेकर जो तस्वीर बदली है उसका बीते हुये पाँच कार्यकालों से इंतजार था ।

प्राथमिकता पर फोकस-

सांसद बनने के बाद चुनाव के दौरान किये गये वादो पर उन्होने अपना पूरा ध्यान केन्द्रित कर लिया। सिवनी मुख्यालय मे पासपोर्ट कार्यालय खुलवाने के लिये उन्हे अपने दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। नीतिगत निर्णय अनुरूप एक संसदीय क्षेत्र मे एक ही पासपोर्ट कार्यालय खुल सकता था। यहां डॉ. बिसेन के अनुभव और लगन का ही कमाल है कि आज जिले मे पासपोर्ट कार्यालय है और भोपाल की भाग-दौड़ से जिलवासियों को मुक्ति मिल गई है। बरघाट के ग्राम जैवनारा एवं बालाघाट जिले के तिरोड़ी मे एक एक सेन्ट्रल स्कूल स्वीकृत हो चुका है और निर्माण की प्रक्रियाधीन है । सिवनी मे 100 वॉट का एफ.एम. रेडियो रिले सेन्टर भी प्रारंभ हो चुका है।

फ्लाई ओवर, ओवर ब्रिज -

सांसद बनने के बाद डां. बिसेन ने फोरलेन निर्माण मे आने वाली सारी बाधायें दूर की जिसका परिणाम है एशिया का सबसे बड़ा और सुंदर साउंड एंड लाईट प्रुफ्र फ्लाई ओवर युक्त मार्ग मिला। इसी के साथ सिवनी को खैरीटेक से नगझर तक फोरलेन मार्ग के साथ नागपुर रोड रेल्वे क्रांसिंग पर ओवर ब्रिज स्वीकृत कर दिया गया है जिसका कार्य प्रारंभ है । रेल्वे क्रांसिंग पर ओवर ब्रिज की मांग भी वर्षो पुरानी थी जिसके लिये डां. बिसेन का भागीरथी प्रयास हमेशा याद रखा जायेगा ।

सड़को का जाल -

कोहका से बंडोल 43 किलोमीटर लागत करीब 108 करोड़ कार्य प्रगतिरत । इस टू लेन मार्ग से छिंदवाड़ा से जबलपुर की दूरी जहां कम होगी वहीं फुलारा टोल प्लाजा से भी निजात मिल जायेगी। यही नहीं इस मार्ग मे पडने वाले सभी ग्रामों को भी सीधी आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। ग्राम भोंगाखेड़ा से छुआई - घोटी - जाम - रामगढ़ से चौरई तक लागत 89 करोड़ की सड़क जिसका काम जारी है । इन बड़ी एवं महत्वपूर्ण सड़को के अलावा कलारबांकी से कान्हीवाड़ा, सोनाडोंगरी से खमरिया सहित अन्य सड़क मार्ग भी हरहरपुर में बैनगंगा नदी, हिर्री नदी पर दो उच्च स्तरीय पुल सहित फोरलेन में तीन फुट ओवर ब्रिज एवं सर्विस रोड, अन्य छोटी दूरी की सड़के सहित अनेक निर्माण कार्य डां. बिसेन के प्रयासो का ही नतीजा है । इसके अलावा सांसद डां. बिसेन के प्रयासों से जो उपलब्धियाँ निकट भविष्य में सिवनी को मिलेंगी उनमें सिवनी बालाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग फोरलेन (बरघाट नाका रेल्वे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज सहित) लखनादौन से रायपुर सिक्सलेन ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे स्वीकृत हो चुके हैं ।

रेल्वे पर विशेष फोकस-

सांसद निर्वाचित होने के बाद उन्होने अमान परिवर्तन पर फोकस किया । रेल अधिकारियों के साथ बैठक कर अमान परिवर्तन के निर्माणाधीन कार्यों की धीमी गति के संबंध मे जानकारी ली और आ रही बाधाओं को दूर करने मे लग गये। इसी दौरान रेल्वे स्टेशन पर बनने वाले दो कमरे के यात्री भवन की ड्राईंग डिजाईन बदलवाई और मॉर्डन स्टेशन स्वीकृत करवाया। जहां भवन स्वीकृत किया गया था, उसका स्थल चयन ही गलत था। इसलिये शहरवासियों की सुविधा को देखते हुये शहर की ओर ऐसा सर्वसुविधा युक्त नया भवन स्वीकृत करवाया,जो आज बनकर लगभग तैयार है । इस नये भवन में यात्रियों के लिये एक्सलेटर, लिफ्ट सहित अन्य वे सारी सुविधायें मुहैया होगी जो बड़े स्टेशनों मे मिलती हैं। इसके अलावा स्टेशन की जो वर्तमान में बिल्डिंग है उसे अमृत भारत योजना में शामिल करवाया जिससे वर्तमान में वहाँ करीब 14 करोड़ की लागत से यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएँ देने हेतु निर्माण कार्य जारी है । भविष्य में सिवनी रेलवे स्टेशन जंक्शन भी बन सकता है । डां. बिसेन की मांग पर सिवनी से तिरोड़ी नई रेल लाईन हेतु सर्वे हो चुका है एवं बजट में शामिल होने की प्रक्रिया में है ।

ट्रेनो की सौगात -

लंबी दूरी की यात्री टेऊने सिवनी होकर गुजरें उसके लिये दो की जगाह चार प्लेट फॉर्म स्वीकृत कराये। दो पैसिंजर टेऊन की स्वीकृति बाद सप्ताह मे चार दिन रीवा इतवारी एक्सप्रैस ट्रेन, नागपुर शहडोल एक्सप्रेस ट्रेन को सिवनी होकर चलाने, पेंचव्हेली एवं पातालकोट का सिवनी तक विस्तारीकरण करने की स्वीकृति दिलाकर सिवनी को न केवल प्रदेश और देश की राजधानी से बल्कि महानगरों से भी जोड़ दिया । डां. बिसेन द्वारा दक्षिण से उत्तर को जोडने वाली लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों को व्हया सिवनी चलाने के प्रयास किये गये है। निकट भविष्य में इन प्रयासों के परिणाम परिलक्षित होंगे ।

रैक पाइंट-

सिवनी का व्यापार बढ़े और किसानों को उपज का अन्य शहरों के बाजारों से उचित दाम मिले इसके लिये उन्होने रेक प्वाइंट स्वीकृत कराया। रैक पॉइंट से आज सिवनी के व्यपारियों का व्यापार जहां बढ़ रहा है वहीं जिले के अन्नदाताओं को उनकी उपज का उचित दाम मिल रहा है। रसायनिक खाद, सीमेन्ट, लौहा के रैक आने का जहां मार्ग प्रशस्त हुआ है वहीं गिटटी परिवहन की भी स्वीकृति मिल चुकी है। रैक पाइंट बनने से नगर को एक नया बाईपास भी मिला है । बरघाट नाका रेल्वे क्रासिंग के पहले से कटंगी रोड रेल्वे स्टेशन होते हुये यह बाईपास नागपुर रोड में मिलता है । जिससे बालाघाट एवं मंडला से आने वाले वाहन बगैर शहर में प्रवेश किये सीधे नागपुर रोड आ जा रहे है ।

दिल्ली पहुँची आवाज

परिसीमन के बाद सिवनी जिला राजनैतिक दृष्टि से काफी उपेक्षित रहा, जिलेवासियों की आवाज बनकर दिल्ली तक पहुँचाने की किसी भी सांसद ने सुध नहीं ली । डां. बिसेन के सांसद बनने के बाद अब यह शिकायत जिलेवासियों को नहीं है । अपने इन पांच साल के कार्यकाल में लोक सभा का ऐसा कोई भी सत्र नहीं रहा जिसमें डां. बिसेन द्वारा नियम 377 के अधीन आसंदी के समक्ष एक नहीं कई मामले उठाये गये । सांसद बिसेन ने नहरों के सीमेंटीकरण, सिंचाई हेतु पर्याप्त बिजली आपूर्ति, ट्रांस्फार्मरों का अपग्रेशन सहित अनेक किसानों की चिंता से संबंधित प्रश्न उठाये । रामटेक - गोटेगांव, शिकारा - रामटेक नई रेल लाईन, जबलपुर - गोंदिया एवं छिंदवाड़ा - नैनपुर रेलवे ट्रेक के दोहरीकरण की मांग भी आसंदी के समक्ष रखी । बागरी जाति को जाति प्रमाणपत्र देने का मामला भी डां. बिसेन द्वारा उठाया गया, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुये भारत सरकार के संबंधित मंत्रालय द्वारा राज्य सरकार को आवश्यक कार्यवाही के लिये निर्देश दिये गये है । इसके अलावा जिले के शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, आवागमन, उद्योग, आदि विषयों पर भी डां. बिसेन ने नियम 377 के अधीन लोकसभा के सत्रों में अपनी बात रखी।

बधाई एवं शुभकामनायें-

मानवीय संवेदनाओं के प्रति अजेय आस्था, सादगी और सहजता के धनी, कर्म के प्रति गंभीर दृष्टिकोण, जनसेवा के लिये समर्पण, आपने दायित्वों के प्रति निष्ठा का भाव ही डॉ. ढालसिंह बिसेन को वर्तमान राजनैतिक परिवेश में एक अलग ही पहचान देता है। करीब 49 वर्ष के लम्बे राजनैतिक सफर में अनेक उपलब्धियों की सौगात देने वाले डॉ. ढालसिंह बिसेन को उनके 72 वां जन्मदिवस पर ढेर सारी बधाई और शुभकामनायें, इस अपेक्षा के साथ कि भविष्य मे भी वे मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुये अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करें और अपने राजनैतिक सफर मे जिले को उसके वर्तमान और भविष्य की अनेक उपलब्धियां दें।

स्वास्थ्य विभाग भोपाल की पहल - श्रमिक पीठों पर 14 मई से रोज़ स्वास्थ्य शिविर

स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा श्रमिकों हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मजदूरों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए मजदूर पीठों पर पहली बार शिविर आयोजित किए जाएंगे। श्रमिकों की सुविधा का ध्यान रखते हुए ये शिविर सुबह 7.00 बजे से लगेंगे। शिविर में श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड और आभा आई डी बनाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही असंचारी रोगों तथा क्षय रोग व कुष्ठ रोग की स्क्रीनिंग भी की जाएगी। शिविर में वयस्क बीसीजी टीकाकरण भी किया जाएगा । ये शिविर 18 मई तक प्रतिदिन लगाए जायेंगे। प्रत्येक शिविर की मॉनिटीरिंग नोडल अधिकारियों द्वारा की जायेगी, जिससे की शत प्रतिशत श्रमिक स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित हो सकें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि कई बार श्रमिक अपने काम की व्यस्तताओं के कारण स्वास्थ्य सेवाओं का पूरी तरह से लाभ नहीं ले पाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए श्रमिकों के लिए अनुकूल स्थान और अनुकूल समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों के लिए ऐसे स्थानों का चयन किया गया है, जहां पर बड़ी संख्या में श्रमिक इकट्ठा होते हैं। इन शिविरों में पात्र परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत श्रमिकों की आभा हेल्थ आई डी भी बनाई जाएगी।

स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भोपाल के इन 14 श्रमिक पीठों पर किया जा रहा है-विश्वकर्मा मंदिर के सामने बागसेवनिया, ललिता नगर कोलार रोड डी मार्ट के सामने, जिंसी चौराहा, लालघाटी चौराहा ,करोंद चौराहा, 10 नंबर मार्केट, नेहरू नगर चौराहा, परिहार चौराहा अशोका गार्डन , इतवारा, आनंद नगर चौराहा, इंद्रपुरी, अयोध्या नगर चौराहा में श्रमिकों के पीठों पर शिविर लगेंगे।

इन शिविरों में नेत्र रोगों की जाँच (हाइपरटेंसिव एवं डायबिटिक रेटिनोपैथी) की जाँच भी की जाएगी जिसके लिये मोबाइल वैन दो दो दिन प्रत्येक स्थान पर तैनात रहेगी।

जॉनसन्स बेबी ने मातृत्व के विविध रूपों का जश्न मनाते हुए लॉन्च की एक डिजिटल फिल्म

मुंबई - शिशुओं की त्वचा की देखभाल का प्रथम अन्वेषक ब्रांड, जॉनसन्स बेबी ने एक डिजिटल फिल्म द लॉन्ग वेट फॉर डे 1 लॉन्च करके माताओं और मातृत्व की यात्रा का सम्मान किया है। मदर्स डे के अवसर पर लॉन्च की गई, डीडीबी मुद्रा द्वारा बनाई गई नई फिल्म गोद लेने, आईवीएफ, प्रीटर्म जैसे मातृत्व के अलग-अलग प्रकारों को शामिल किया गया है। यह फिल्म हर मातृत्व के सभी रूपों में समर्थन देने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है। जॉनसन्स बेबी के प्रॉमिस पहले पल से अभियान के अगले भाग के रूप में लॉन्च किया गया, द लॉन्ग वेट फॉर डे 1 कैम्पेन नेहा, माया और गीत की दिल छू लेने वाली कहानियों पर आधारित है, वे अपनी मातृत्व की अनूठी यात्रा की शुरूआत कर रही हैं। अस्पताल के बिस्तर पर शिशु का इंतज़ार करते हुए मन में उमड़ने वाली लालसा से लेकर मातृत्व की अब तक की यात्रा के फ्लैशबैक तक, यह फिल्म एक मां के मन के भावनात्मक रोलर कोस्टर को चित्रित करती है। नौ सालों तक मां बनने की कोशिश के बाद नेहा आईवीएफ के ज़रिए गर्भवती हुई। यह फिल्म उन अनगिनत महिलाओं के अटूट दृढ़ संकल्प और अदम्य आशा को दर्शाती है जो मातृत्व की यात्रा में बाधाओं, चुनौतियों का सामना करती हैं। गीत अपने गोद लिए हुए बच्चे का बेसब्री से इंतज़ार कर रही है, मातृत्व का यह बेहद अनोखा और खूबसूरत रूप दिल को छू लेने वाला है। माया की कहानी एक माँ की शारीरिक और मानसिक शक्ति और साहस को दर्शाती है जो समय से पहले जन्मे शिशुओं की देखभाल कर रही हैं, एक ऐसा मातृत्व जो समय से पहले पैदा हुए नवजात शिशु से जुड़ी अनिश्चितताओं का सामना करता है।

श्वेता सिन्हा, भूमिका सिन्हा और इशिता विश्वकर्मा के गीत ओ मेरी माई का ग्रैंड म्युज़िक एस एम डबल्यू फिल्म्स प्रोडक्शन पर लॉन्च

भोपाल टीवी धारावाहिक ÷ससुराल सिमर का÷ फेम ?क्ट्रेस श्वेता सिन्हा और उनकी बेटी भूमिका सिन्हा के अभिनय से सजा म्युज़िक वीडियो ÷ओ मेरी माई÷ एसएमडब्ल्यू फ़िल्म प्रोडक्शन द्वारा रिलीज किया गया है जिसे दर्शकों का बहुत अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। मुम्बई के ग्लास हाउस लाउंज में निर्माता नेहा डेहरिया , संगीतकार, गीतकार और कहानीकार एसआर डेहरिया और निर्देशक आलोक शर्मा के इस गीत का प्रीमियर हुआ जहां गेस्ट्स के रूप में दिलीप सेन, राजकुमार कनौजिया, अभिनेत्री मुस्कान बामने, गायक ताबिश अली, सिंगर रेनू नागर और ससुराल सिमर का की टीम मौजूद थी। पहली बार ऐसा हुआ है कि रियल माँ बेटी सिंगर भी हैं और रियल मां पुत्री ?क्ट्रेस भी हैं।

श्वेता सिन्हा का कहना है कि गाना बहुत अच्छा बन गया है जो दिलों को छू रहा है। वहीं भूमिका सिन्हा ने कहा कि मम्मी के साथ कैरियर स्टार्ट करके काफी प्राउड फील कर रही हूँ।

सारेगामापा शो की विनर इशिता विश्वकर्मा और उनकी मां तेजल विश्वकर्मा ने इस भावनाओं से भरे गीत को आवाज दी है। दिलीप सेन ने कहा कि आज के दौर में इस तरह का टाइटल होना ही बहुत बड़ी बात है मैंने म्यूजिक डायरेक्टर के रूप् में फ़िल्मों में हज़ारों गाने दिये लेकिन यह गीत मेरे दिल को छू गया , गीत के म्यूजिक डायरेक्टर को बधायी द्ध मैं श्वेता और भूमिका सिन्हा को इस सॉन्ग के लिए बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। बहुत ही प्यारा गाना बना है और दोनों मां बेटी ने अपने अभिनय से दिल को छू लिया है। ये दोनों माँ बेटी नहीं बहने लगती हैं। राजकुमार कनौजिया ने कहा कि आज के इस युग मे ऐसा पारिवारिक वीडियो लेकर आने वाली पूरी टीम बधाई की हकदार है।

गीत का म्यूजिक प्रोडक्शन संजना सुपर साउंड में राजू राव द्वारा एव वोकल रिकॉर्ड सोनोटेक स्टूडियो जबलपुर में किया गया आर्टिस्ट और इवेंट मैनेजमेंट की जिम्मेदारी आसिफ खान (तमन्ना इवेंट्स एंड मैनेजमेंट) ने निभाई है।

टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यू टाटा ऐस ईवी 1000 को लॉन्च किया

अपने इलेक्ट्रिक उत्पादों की श्रृंखला को बेहतर बनाया

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स, भारत में कॉमर्शियल वाहनों के सबसे बड़े निर्माता, ने आज ऑल-न्यू ऐस ईवी 1000 को लॉन्च कर अपने ई-कार्गो मोबिलिटी सोल्यूशंस को मजबूत किया है। उपभोक्ताओं को उनके घर या ऑफिस तक डिलीवरी देने में क्रांति लाने के मकसद से विकसित, इस शून्य कार्बन उत्सर्जन करने वाले मिनी ट्रक में एक टन तक सामान को लोड करने की क्षमता दी गई है। एक बार चार्ज करने पर यह मिनी ट्रक 161 किमी की रेंज प्रदान करता है, जिसे प्रमाणित किया जा चुका है। ऐस ईवी को उपभोक्ताओं के फीडबैक और जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया है। यह नया वैरिएंट एफएमसीजी, बेवरेजेस, पेंट एंड लुब्रिकेंट्स,एलपीजी और डेयरी जैसे कई क्षेत्रों की जरूरतें पूरी करता है।

देश भर में टाटा ईवी के 150 से ज्यादा व्हीकल सपोर्ट सेंटर हैं। ऐस ईवी एडवांस्ड बैटरी, फ्लीट ऐज टेलिमेटिक्स सिस्टम और बेहतरीन संचालन समय के लिए मजबूती से ट्रक की पूरी यूनिट और पार्टर्स को एकत्र करता है। ऐस ईवी टाटा यूनिईवर्स की असीम क्षमताओं का लाभ उठाता है। टाटा ग्रुप की प्रासंगिक कंपनियों से साझीदारी करता है। उपभोक्ताओं को संपूर्ण मोबिलिटी सोल्यूशन प्रदान करने के लिए कंपनी की देश के प्रमुख फाइनेंसरों से भी साझेदारी है। यह सामान रखने के लिए अलग-अलग डेक के साथ उपलब्ध होगा। यह देश भर में टाटा मोटर्स के कमर्शियल वाहन के सभी डीलरों के पास उपलब्ध होगा।

टाटा मोटर्स कॉमर्शियल व्हीकल्स में एससीवी और पीयू डिविजन के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड श्री विनय पाठक ने बताया, पिछले दो सालों से हमारे ऐस ईवी के उपभोक्ता बेमिसाल अनभुव का लाभ ले रहे हैं, जो एक ही समय में उन्हें मुनाफे के साथ उनके बिजनेस में स्थिरता प्रदान करता हैं। शून्य कार्बन उत्सर्जन करने वाले यह व्यावसायिक वाहन लोगों के ऑर्डर की डिलिवरी उनके घर पहुंचाने के क्षेत्र में राजदूत बन गए हैं। ऐस ईवी 1000 के लॉन्च के साथ हम

उन उपभोक्ताओं को अच्छा अनुभव प्रदान कर रहे हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों में सर्विस देने के लिए संचालन की कम लागत वाले कमर्शियल वाहनों की तलाश में रहते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि ऐस ईवी 1000 स्वामित्व की कम लागत और सर्वश्रेष्ठ मूल्यों के साथ पर्यावरण को साफ-सुथरा बनाने में भी योगदान देगा।''

ऐस ईवी इवोजेन पावरट्रेन से लैस है, जो ड्राइवर को ड्राइविंग का बेहतरीन अनुभव देती है। ऐस ईवी में बैटरी की 7 साल की वारंटी मिलती है और वाहनों के मेंटेनेंस का 5 साल का संपूर्ण पैकेज भी मिलता है। इस गाड़ी को हर मौसम में सुरक्षित ढंग से चलाया जा सकता है। इसमें एडवांस्ड बैटरी कूलिंग सिस्टम के साथ ड्राइविंग की रेंज को बढ़ाने के लिए रिजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम भी मिलता है। ट्रक के संचालन का समय बढ़ाने के लिए यह नियमित और तेज चार्जिंग की क्षमता से लैस होता है।

हिंदी फिल्म ब्लाइंड गेम के अभिनेता, अर्जुन रामपाल और प्रियामणि, अपने निर्देशक, संगीत सिवन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

जल्द ही रिलीज़ होने वाली हिंदी फिल्म %ब्लाइंड गेम% के अभिनेता, अर्जुन रामपाल और प्रियामणि, अपने निर्देशक, संगीत सिवन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं, संगीत सिवन की एकमात्र फिल्म कथित तौर पर रिलीज़ के लिए निर्धारित थी।

आगामी हिंदी थ्रिलर ÷ब्लाइंड गेम÷ के फिल्म निर्माता, जिसमें अर्जुन रामपाल और प्रियामणि हैं और संगीत सिवन द्वारा निर्देशित थी, ने अपने प्रिय निर्देशक के निधन पर शोक व्यक्त किया है। संगीत सिवन का 8 मई को मुंबई के प्राइवेट अस्पताल में निधन हो गया। वह 61 वर्ष के थे। संगीत सिवन की एक बीमारी के इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

अभिनेत्री प्रियामणि ने कहा, ÷संगीत सिवन सर के साथ हमेशा सबसे प्यारी यादें रहेंगी।वो मेरे लिए पिता तुल्य थे , हमने एक फिल्म में एक साथ काम किया और उस फिल्म के बाद से वह हमेशा मेरे पसंदीदा निर्देशकों में से एक थे और रहेंगे, मैं वास्तव में उनकी प्रतिभा की बहुत बड़ी फैन हूं ,जब से मैंने उनकी मलयालम फिल्म योद्धा देखी है, तब से मैं हमेशा उनकी प्रशंसक रही हूं। वे हमेशा उनके शूटिंग के रोचक किस्से सुनाया करते थे..उनके हमेशा मुस्कुराते चेहरे की याद आएगी। यहां तक कि हमारे नए साल (विशु) के दौरान भी उन्होंने मुझे शुभकामनाएं देते हुए एक निजी संदेश भेजा था और पूछा था कि क्या वह कुछ पायसम भेज सकते हैं.. मेरी इच्छा थी कि संगीत सर उनके खूबसूरत कैमरे से मेरी तस्वीर लें..मुझे लगता है कि वह इच्छा अधूरी रह जाएगी÷.आपकी याद आएगी सर!!!

अर्जुन रामपाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, ÷सबसे अद्भुत व्यक्ति में से एक के असामयिक निधन से मैं पूरी तरह से

टूट गया हूं, जिसे जानने और जिसके साथ काम करने का मुझे सौभाग्य मिला है। मेरे प्रिय मित्र, आप इतने सारे लोगों के लिए एक प्रेरणा थे। आपका जुनून।÷ फिल्मों के लिए अद्वितीय है। आपका दिल ?? हमेशा दयालु और सौम्य था। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं आपको दूसरी तरफ देखूंगा। जयश्री मैडम और बच्चों, सभी प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। ㅤत्रद्धश्चस्ड्डठ्ठद्दद्गह्लस्द्ध1ड्डठ्ठ ????ओम शांति%%।

निर्माता, अनुज शर्मा ने कहा, ÷हम पूरी तरह सदमे में हैं और विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि वह अब हमारे साथ नहीं हैं।÷ हम अभी अपनी फिल्म ब्लाइंड गेम के प्रीव्यू के दौरान मिले थे, जो आने वाले महीनों में रिलीज होने वाली है और वह इसे लेकर काफी रोमांचित थे। हम यहां तक कि फिल्म के प्रमोशन और मार्केटिंग के बारे में भी बात कर रहे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश हमारे फिल्म के कप्तान , हमारे फिल्म के निर्देशक , हमारे साथ नहीं होंगे। हम उनकी सहयोग के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहेंगे । सिवन सर एक मधुर, मृदुभाषी और महान इंसान थे। हम उन्हें हमेशा याद रखेंगे और अपने शूटिंग अनुभव और उनके साथ समय बिताने की यादों को संजोकर रखेंगे। मेरी हार्दिक संवेदनाएँ उनके परिवार और प्रियजनों, उनकी पत्नी, बच्चों और भाई-बहनों के प्रति हैं। हम आपको हमेशा याद करेंगे, आपकी आत्मा को शांति मिले!!!

दीपक सावनेरे बने संभागीय निरीक्षण समिति के अध्यक्ष

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ संभागीय शाखा जबलपुर के संभागीय अध्यक्ष श्री विपिन पीपरे ने जारी विज्ञप्ति में बताया है 12 मई 2024 को इंडियन कॉफी हाउस मेडिकल कॉलेज में मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ संभागीय शाखा जबलपुर का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री महेंद्र शर्मा जी विशिष्ट अतिथि संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक डॉ अरविंद शर्मा जी उप अधीक्षक डॉ ऋचा शर्मा जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के संरक्षक माननीय श्री चुरामन रैकवार जी ने की,साथ ही नवनियुक्त पदाधिकारी को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर छिंदवाड़ा से श्री दीपक सावनेरे को संभागीय निरीक्षण समिति के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया।

एनसीसी कैडेट्स ने वृद्धाश्रम पहुंचकर फलों का वितरण कर पूछा वृद्धजनों का हाल चाल

छिंदवाड़ा। 24 एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल थॉमस ओमेन के आदेशानुसार शासकीय पी जी कॉलेज छिंदवाड़ा के एन सी सी कैडेट्स द्वारा स्थानीय गौधुली वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के साथ गुणवत्तायुक्त समय बिताया गया साथ ही सभी बुजुर्गों की समय समय पर होने वाली स्वास्थ परिक्षण की जानकारी , भोजन व्यवस्था , परिसर की स्वच्छता की जानकारी ली गई। तत्पश्चात सभी बुजुर्गों को फलों का वितरण किया गया, इस अवसर पर अस्मिता एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष श्री भीमराव एवं यूनिक पब्लिक स्कूल सिंगोड़ी की डायरेक्टर एवं प्राचार्या श्रीमती तापसी सहित महाविधालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ शेखर ब्रम्हने तथा वृद्धाश्रम का सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहे।

विभाग की लापरवाही से बढ़ रहा डेंगू व मलेरिया

कांग्रेस सेवादल ने की उचित जांच व इलाज की मांग

छिन्दवाड़ा। जिले के अलग-अलग हिस्सों में तेजी से फैल रहे डेंगू व मलेरिया की रोकथाम के लिये उचित कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। नगरीय क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों तक सम्बंधित विभाग की ओर से घोर लापरवाही बरती जा रही है जिसके चलते डेंगू व मलेरिया के मरीज निरंतर बढ़ रहे हैं जो कि चिंता का विषय है। जिला मुख्यालय पर नगर पालिक निगम के द्वारा वार्डों में छिड़कांव नहीं किया जा रहा है जिससे मच्छरों की संख्या बढ़ रही है। कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मांग की है कि मलेरिया विभाग के द्वारा बरती जा रही लापरवाही पर तत्काल विराम लगाया जावें साथ ही डेंगू व मलेरिया पीड़ित मरीजों की जांच कर उचित इलाज मुहैया कराया जावे। स्वास्थ्य विभाग का अमला अगर जांच करता है तो शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी लार्वा आसानी से मिल जायेगा, किन्तु विभाग की ओर से अभी तक जांच नहीं की गई है इससे यह साबित होता है कि विभाग डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारी को लेकर गम्भीर नहीं है। कांग्रेस सेवादल ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों के परीक्षण की उपयुक्त व्यवस्था करें साथ ही डेंगू व मलेरिया के लक्षण पाये जाने पर इलाज की व्यवस्था की जायें।

प्रत्येक थाना क्षेत्र में की जायेगी वाहनों की रैंडम चेकिंग

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा के संबंध में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर गहन चिंतन किया गया और उन्हें रोकने के पुख्ता कदम उठाने के संबंध में चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत पार्थ जैसवाल, अपर कलेक्टर के.सी.बोपचे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, डीएसपी ट्रैफिक आर.पी.चौबे, अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज तेहनगुरिया, सूबेदार राकेश तिवारी सहित एन.एच.ए.आई. और सड़कों से जुड़े विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में पिछले दिनों में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाएं और उनमें हो रही मृत्यु चिंता का विषय है। इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता कदम उठाने की आवश्यकता है। डीएसपी ट्रैफिक और अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी पिछले 15 दिनों में हुई बड़ी सड़क दुर्घटाओं की केस स्टडी करें और दुर्घटनाओं के कारणों के साथ अपने सुझाव प्रस्तुत करें। साथ ही हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों और कॉलेजों में ड्राइविंग और हेलमेट के संबंध में जागरूकता शिविरों का लगातार आयोजन किया जाए। समर कैंप्स के दौरान भी इस संबंध में जागरूकता फैलाएं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक श्री खत्री को सभी थाना क्षेत्रों में वाहनों की चेकिंग का अभियान पुनः प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता

व्यक्तियों को मध्यस्थता प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी

छिन्दवाड़ा। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिन्दवाड़ा जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में नगरपालिका परासिया में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिंदवाड़ा एवं तहसील विधिक सेवा समिति परासिया के संयुक्त तत्वाधान में मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम तथा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति सुश्री समीक्षा सिंह ने उपस्थित व्यक्तियों को मध्यस्थता प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता प्रकरणों के निराकरण की सरल एवं शीघ्र न्याय दिलाने वाली तथा खर्च को बचाने वाली प्रक्रिया है, इसमें आपसी सहमति के आधार पर प्रकरण का निराकरण किया जाता है। मध्यस्थता के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिंदवाड़ा श्री प्रेमपालसिंह ठाकुर ने बताया कि मध्यस्थता की कार्यवाही निष्पक्ष मध्यस्थ द्वारा की जाती है।

सीबीएसई का परिणाम घोषित छात्राओं ने बाजी मारी...

10 वी में अंशिका पवार 99 प्रतिशत, 12वीं में ऋषभ शुक्ला ने 96 अंक से किया टॉप

छिंदवाड़ा। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई ने 10वी और 12वी का रिजल्ट घोषित कर दिया है। जिसमें छिंदवाड़ा की अंशिका पवार को 10 वी में 99 प्रतिशत अंक मिले हैं। कक्षा 12वी में ऋषभ शुक्ला ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में टॉप किया है। सोमवार को सीबीएसई ने बारहवी और दसवी के नतीजे घोषित कर दिए हैं। छिंदवाड़ा जिले में दोनो कक्षाओं में परीक्षा परिणाम बेहतर रहा जिले के विद्याभूमि पब्लिक स्कूल के बारहवी के जीव विज्ञान के छात्र ऋषभ शुक्ला पिता निर्मल शुक्ला ने 96 अंक हासिल किए हैं वहीं अंशिका पवार पिता गणपति पवार ने 99 प्रतिशत के साथ सफलता हासिल की है। दो कक्षाओं में इस बार छात्राओं ने बाजी मारी है। परिणाम सामने आने के बाद विद्यार्थियों में खुशी का माहौल है स्कूलों में उन्होने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशियां मनाई और बधाई दी। इस बार भी बोर्ड ऑनलाइन जारी करने के साथ डिजिलॉकर के जरिए डॉक्यूमेंट एक्सेस करने के लिए रोल नंबर की बजाए आधार कार्ड नवंबर और उससे जुड़े मोबाईल नंबर का उपयोग करना होगा।

शत प्रतिशत रहा गुरुकुल का परीक्षा परिणाम

छिंदवाड़ा। उच्च शिक्षा एवं उत्तम संस्कार के लिए ख्याति प्राप्त संत श्री आशारामजी गुरुकुल के विद्यार्थियों का प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा । सी. बी. एस. ई. 10वी और 12वी का आज रिजल्ट घोषित हुआ। 12वी विज्ञान संकाय में गोविंद डिगरसे 93.2 प्रतिशत, पलाश भोयर 85.4 प्रतिशत, अर्पित त्यागी 82.6 प्रतिशत, खुशी नेतानी 89.6प्रतिशत, एवं 10वी में भूषण गुप्ता 92.2त्न , भुयश साहू 91.6त्न , भगत गणेश 91.4त्न , गोविंद सिंह 90.8त्न , हरिओम 90 प्रतिशत, प्रतिशत प्रमुख हैं। इस अवसर पर गुरुकुल की संचालिका दर्शना खट्टर ने बताया कि यह देश का पहला गुरुकुल है जहां प्रतिवर्ष शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहता है। अन्य कई गतिविधियों में बच्चों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर तक कई प्रतियोगिता जीत कर जिले को गौरान्वित किया है। इस अवसर पर खजरी आश्रम के जयराम भाई, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, गुरुकुल की संचालक दर्शना खट्टर, युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक डोईफोड़े, प्राचार्या कु. प्रिया सिंह, प्रबंधक सुशील सिंह परिहार , छात्रावास प्रभारी सोमनाथ पवार सहित शिक्षण स्टॉफ ने विद्यार्थियों को शुभाशीष प्रदान किया ।

समर्थ देवार को मिले 82 प्रतिशत अंक

परासिया- नगर पालिका के कर्मचारी सुनील निशा देवार के पुत्र समर्थ देवार को कक्षा दसवी में 82 प्रतिशत अंक मिले।

पुस्तक मेले में बबाल

अभिभावक को दी धमकी

दुकानदार नहीं दे रहे डिस्काउंट

छिंदवाड़ा। जिला प्रशासन द्वारा एमएलबी स्कूल में पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है लेकिन इस मेले में अभिभावकों को फायदा नहीं हो रहा है। बल्कि दुकानदार अभिभावकों से बदतामीजी कर रहे हैं। सोमवार को ही ऐसा मामला सामने आया जब एक अभिभावक के साथ दुकानदार ने गुंडागर्दी से बात की। अभिभावक राजेश जैन किताब लेने पुस्तक मेले में गए थे। लेकिन उनसे शुभम स्टेशनरी के संचालक द्वारा गुंडागर्दी से बात की गई। डिस्काउंट की बात की तो कौशल बुक डिपो के संचालक संजय कौशल पर द्वारा अभद्रता की।

भूमिजा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी चाँद को ड्रोन प्रदाय

कृषक इफको किसान एप डाउनलोड कर अपने खेत में छिड़काव के लिए लगा सकते हैं ऑर्डर

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के प्रांगण में उप संचालक इफको द्वारा भूमिजा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी चाँद के प्रदीप चौरसिया को ड्रोन प्रदाय किया गया। उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि नैनो उर्वरक को बढ़ावा देने के लिए देश की सबसे बड़ी सहकारी संस्था इफको ज़िले में 5 ड्रोन किसानों की सुविधा के लिए न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध कराएगी। यह ड्रोन प्रतिदिन 20 एकड़ क्षेत्र में छिड़काव कर सकता है। एक ड्रोन का सेट इलेक्ट्रिक ऑटो और बैटरी के साथ करीब 15 लाख रूपए का है, जो किसानों को इफको किसान एप के माध्यम से छिड़काव के लिए उपलब्ध हो जायेगा। इफको के जिला प्रबंधक श्री सागर पाटीदार ने बताया कि इफको निरंतर किसानों को नवीन तकनीकी से जोड़ने के लिए अग्रसर है और ये इफको किसान ड्रोन खेती में एक नया मोड़ लायेंगे। सभी किसान इफको किसान एप डाउनलोड कर अपने खेत में छिड़काव के लिए ऑर्डर लगा सकते हैं।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम...

कमलनाथ व नकुलनाथ ने छात्र-छात्राओं को दी शुभकामनायें

छिन्दवाड़ा- एकाग्रता, निष्ठा व पूर्ण लगन के साथ निरंतर शिक्षा गृहण करने वाले छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर जिले का नाम रोशन किया है। सीबीएसई बोर्ड के आज घोषित हुये परीक्षा परिणामों में अच्छे अंक अर्जित करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ ने हृदय से बधाई दी है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ ने अपने बधाई संदेश में कहा कि निश्चित ही हमारे जिले की माटी में प्रतिभा जन्म लेती है और व समय के साथ निखरती भी है और जो आगे चलकर हमारे जिले का नाम प्रदेश, देश व विश्व स्तर पर रोशन करती है। सीबीएसई बोर्ड की कक्षा दसवीं व कक्षा बारहवीं के आज आये परिणामों में शिक्षण संस्थाओं, अभिभावकों व विद्यार्थियों की मेहनत साफ नजर आ रही है। इस सफलता के लिये पालकगणों, शिक्षकगणों व विद्यार्थियों को हार्दिक-हार्दिक बधाई दी साथ ही सभी के सुनहरे भविष्य के लिये ईश्वर से प्रार्थना की। मप्र के पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ ने अपने शुभकामना संदेश के अंत में कहा कि जिन विद्यार्थियों ने कम अंक अर्जित किये हैं या फिर किन्हीं कारणवश सफल नहीं हो पाये वे विद्यार्थी भी निराश ना होंवे। सभी पुनः मन लगाकर तैयारी करें और अगली दफा वे और भी अधिक अंक प्राप्त कर परीक्षा में सफलता हासिल करें। नकुल-कमलनाथ ने कहा कि सफलता की सीढ़ी चढ़ते समय मिलने वाली असफलता से डरना नहीं चाहिये, बल्कि उसे चुनौती के रूप में स्वीकार करें फिर चाहे व परीक्षा परिणाम हों या फिर कोई कार्य, अथवा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी। सभी जगह डटकर तैयारी करें सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

17 वाहनों से लिया गया 16200 रूपये का जुर्माना

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगवाने पर 2 वाहनों पर 1000 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा आज नागपुर-पांढुर्णा मार्ग में सभी वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जिसमें सवारी बसों, ऑटो रिक्शा व सभी प्रकार के यात्री वाहनों सहित अन्य सभी छोटे-बड़े वाहनों के सभी दस्तावेजों जैसे वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, वैध लाइसेंस आदि की जाँच की गई। साथ ही जाँच के दौरान वाहनों में सुरक्षा संबंधी उपकरण जैसे अग्नि शमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, आपातकालीन द्वार आदि की जांच भी की गई। जिन वाहनों में कमियां पाई गई ऐसे वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई ।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज तेहनगुरिया ने बताया कि नागपुर-पांढुर्णा मार्ग में वाहनों की चैकिंग की जानकारी मिलने पर वाहन चालकों में हड़कंप मच गया और उन्होंने अपने रास्ते को बदल लिया। मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन करने पर 17 वाहनों से 16200 रूपये का जुर्माना लिया गया एवं वाहन क्रमांक एमपी 28 पी 0293 जो कि बिना परमिट संचालित पाये जाने पर वाहन जप्त कर परिवहन कार्यालय छिंदवाड़ा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया । वर्तमान में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेशानुसार हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के संबंध में भी जांच की जा रही है, जिसमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगवाने पर 2 वाहनों पर 1000 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि वाहन संचालकों को समय-समय पर मीटिंग लेकर समझाईश दी जा रही है कि मोटरयान अधिनियम 1988 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर विधि अनुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा यात्री बसों के संबंध में उन पर आच्छादित अनुज्ञा पत्र को निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी। सभी वाहन स्वामियों को हिदायत दी है कि वे सभी अपने-अपने वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अतिशीघ्र लगवा लें और मोटरयान अधिनियम 1988 के सभी प्रावधानों का पालन करें।

स्काउट गाइड के छात्रों ने पुस्तक मेले जल सेवा कार्य किया

छिंदवाड़ा। जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पुस्तक एवं गणवेश मेला का अयोजन दिनोंक 11 से 13 मई तक शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्च माध्य विधालय छिन्दवाडा में आयोजित किया गया था। मेले के शुभारंभ के बाद स्काउट गाइड के छात्र छात्राओं के द्वारा प्रतिदिन मेले में जल सेवा कार्य किया गया प्रातः 10.00 बजे से शाम 3.30 बजे तक स्काउट गाइड के द्वारा मेले में सेवा कार्य किया गया ।

पानी बहुत जरूरी है, सबकी यही मजबूरी है....

ग्रामीणों ने समझा जल संरक्षण और श्रमदान का महत्व

छिंदवाड़ा/तामिया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के निर्देशानुसार एवं विकासखंड समन्वयक तामिया राजू मांडवे के मार्गदर्शन में परामर्शदाता एवं नवांकुर संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय जल संरक्षण एवं श्रमदान शिविर का ग्राम बाकी में सफलतापूर्वक समापन हुआ । शिविर का शुभारंभ 8 मई को हुआ था शिविर का मुख्य उद्देश्य, जल संरक्षण एवं श्रमदान के महत्व को जन सामान्य के मन में विकसित कर निःस्वार्थ भाव से सेवा एवं श्रम के भाव जागृत करना था। प्रथम दिन शिविर का शुभारंभ जिला समन्वयक श्री जैन के हस्ते किया गया था 5 दिन तक मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू समाज सेवा के क्षेत्र में डिग्री प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं ने शिविर में बढ़ चढ़कर भाग लिया साथ ही अपने असाइनमेंट वर्क को पूर्ण किया। समापन के अवसर पर शिविर स्थल पर प्रतिदिन की भांति मां सरस्वती की पूजन अर्चन के बाद बौद्धिक एवं सामान्य सत्र का शुभारंभ किया गया। इस सत्र में परामर्शदाता, नवांकुर, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया गया। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बांकी ने 5 दिन तक शिविरार्थियों का पूरा ख्याल रखा। समापन अवसर पर नवांकुर समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र वासनिक व सेक्टर प्रभारी परामर्शदाता सुभाष मिनोटे द्वारा उपस्थित जनों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

जल संरक्षण हेतु विभिन्न जल संरचना निर्माण का मिला प्रशिक्षण

उपस्थित जनों ने जल संरक्षण हेतु पहाड़ी क्षेत्रों में कंटूर ट्रेंच, गली प्लग, मेड बंधान, स्टॉप डैम, चेक डैम, तालाब, बांध आदि बनाकर जल को रोकने की अलग-अलग विधियों को विषय विशेषज्ञ द्वारा जाना एवं सीखा । विकासखंड समन्वयक मांडवे ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शिविर पानी बचाने का ही नहीं है अपितु लोगों के मन में स्थाई रूप से प्रकृति और ईश्वर के प्रति अपने भाव जागृत करने का है। उन्होंने कहा कि हमें तामिया के अंदर इतने जल स्रोत विकसित करना है कि कभी पानी के लिए तरसना ना पड़े। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन होते रहना चाहिए, जिसमें मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। मेंटर चंद्रकांत विश्वकर्मा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि जल संरक्षण की शुरुआत हमे स्वयं से प्रारंभ करना होगा तभी वही प्रेरणा हम अन्य लोगो को दे पाएंगे यहां बैठे आप सभी सामाजिक कार्यकर्ता है आप अपने अपने क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए लोगो को जागरूक अवश्य करिए ।

इस मदर्स डे पर, एसबीआई लाइफ कर रहा खास पेशकश 'मम्मी की अपनी पहचान'

छिंदवाड़ा। मातृत्व एक ऐसी पवित्र यात्रा है, जो अटूट शक्ति और समय के साथ बदलाव की माँग करती है। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में, माताएँ निःस्वार्थ भाव से शालीनता, प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ कई भूमिकाएँ निभाती हैं, और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्हें अक्सर अपने बच्चों, परिवारों और बड़े पैमाने पर समाज के लिए एक प्रेरणा के रूप में देखा जाता है। प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी आकांक्षाओं के साथ जुड़ी मातृत्व की इसी भावना को श्रद्धांजलि देते हुए एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने एक नई 'मम्मी की अपनी पहचान' नामक डिजिटल फिल्म जारी की है। इसका उद्देश्य लाइफ मित्र यानी एसबीआई लाइफ के रूप में अपनी पहचान को अपनाने के लिए माताओं द्वारा किए गए अमूल्य योगदान को सामने लाना है। ये माताएँ बीमा एजेंट बनकर अपने ग्राहकों के परिवारों को वित्तीय सलाह भी देती हैं और साथ ही साथ अपने घर के प्रियजनों की देखभाल भी करती हैं। फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे एक ऐसी जीवन मित्र अपनी बेटी के लिए प्रेरणा बन जाती है, जब वह एक दिन के लिए अपनी माँ की जगह लेती है।

जैसे-जैसे देश भर में हर घर का वित्तीय परिदृश्य उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुरूप ढल रहा है, वैसे-वैसे ये अनुकरणीय महिला जीवन मित्र शक्ति, ज्ञान और करुणा के स्तंभ के रूप में सामने आ रही हैं। पोर्टफोलियो को मैनेज करने से लेकर ठोस वित्तीय मार्गदर्शन प्रदान करने तक, वे अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का ध्यान रखते हुए और अपने परिवारों को हर संभव सहयोग देती हुई, अपने कौशल और विशेषज्ञता के साथ फाइनेंशियल इंडस्ट्री और खासकर बीमा सेक्टर की चुनौतियों से पार पाकर जीवन में आगे बढ़ रही हैं।

ध्वजारोहण कर प्रारंभ हुआ समाधि साधना प्रशिक्षण शिविर

वीतराग भवन में 21 मई तक चलेगा आयोजन- पूरे देश से पधारे जैन बंधु

छिंदवाड़ा - नगर के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित वीतराग भवन में सोमवार के शुभ दिन श्री दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाशजी जैन के मंगल सानिध्य में चलने वाले 9 दिवसीय समाधि साधना प्रशिक्षण शिविर एवं निर्यापक सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ।प्रातः काल की मंगल बेला पर श्रावकगणों ने श्री आदिनाथ जिनालय एवं श्री पार्श्वनाथ जिनालय में सामूहिक पूजन कर वीतरागी देव-शास्त्र-गुरु भगवंतों की मंगल आराधना की पश्चात वीतराग भवन में ध्वजारोहण कर शिविर का शुभारंभ किया।

जिसका सौभाग्य शिविर आमंत्रणकर्ता श्रीमती सुनीता गोविंद प्रसाद जैन एवं श्रीमती मिनी अभिषेक जैन परिवार को प्राप्त हुआ जिनके साथ बाल ब्रह्मचारी जातीशचंद्र शास्त्री, ब्रह्म. महेंद्र जैन, चचित शास्त्री, मंडल मंत्री अशोक वैभव, फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन, ऋषभ शास्त्री, डॉ. के. सी. जैन, वर्धमान जैन सहित दिल्ली, इंदौर, जबलपुर, मंडला, देवलाली नासिक से बड़ी संख्या में जिनशासन सेवक उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह के पश्चात सकल जैन समाज ने मुख्य वक्ता बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाश जी जैन के श्रीमुख से मां जिनवाणी का रसास्वादन कर समाधि का स्वरूप जाना ।

ब्रह्मचारीजी ने कहा कि परम निर्यापक तीर्थंकर भगवन एवं गणधर होते हैं, दंसण मूलो धम्मो (अपनी महिमा) परमार्थ समाधि बिना व्यवहार समाधि नहीं अर्थात जो स्वयं का निर्यापन ना कर पाए अपनी महिमा का आनंद ना भोगे वह अन्य का निर्यापन नहीं कर पायेगा। निर्यापन के 2 रूप हैं स्व और पर, अपनी समाधि न भंग करते हुए (अकर्ता की दृष्टि पूर्वक) क्षपक को भव सागर के तीर ले जाना। आत्म स्थितिकरण और पर स्थितिकरण, समाधि (स.द. ज्ञान पूर्वक चारित्र का असीम आनंद) पर की समाधि कराये ऐसी कर्ता कर्म की व्यवस्था नही फिर निर्यापक कैसे

अकर्ता की दृष्टि द्रव्य गुण पर्याय की स्वतंत्रता के निर्णय से, निर्यापक गुण श्रेणी निर्जरा का व्यापार, चेताना निर्यापक संबोधन द्वारा चेताते हैं।

प्रत्येक जीव जब अपना सगा जैसा लगे तब करुणा दया और विशुद्धि से समाधि में सहयोग कर पाते हैं, जो निपटाये वह निर्यापक नहीं पर व्यवस्थित रीति से कार्य संपन्न करें वह निर्यापक है, निर्यापक का उपकार तीर्थंकर और गणधर जैसा होता है। स्वयं ने जिन समस्याओं का समाधान पाया हो वहीं अन्य को समाधान दे सकता है, अतिंद्री ज्ञान के चक्षु से निर्यापक का स्वरूप और भूमिका समझ में आती है, निर्यापक के द्रव्य क्षेत्र काल भाव वह परीक्षा प्रधानी, सारे संघ का अभिमत और समाज का सहयोग लेकर के चलता है। हर किसी की जिम्मेदारी लेता नहीं और हर कहीं किसी के भरोसे छोड़ता नहीं हैं क्योंकि इसमें मेरा ही हित है इसलिए निर्यापक को अनंत उत्साह होता है।

अमरवाड़ा पुलिस ने मोटर सायकल चोरी करने वाले 3 आरोपियों को किया गिरफ़्तार

02 मोटर सायकल बरामद

अमरवाड़ा। आसपास के ग्राम से विगत दिनों मोटर सायकल की चोरी की घटनायें हुई थी , जिस पर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय ने थाना प्रभारी अमरवाड़ा निरीक्षक राजेन्द्र धुर्वे को चोरी करने वाले बदमाशों की धरपकड़ करने हेतु निर्देशित किया था। थाना प्रभारी अमरवाड़ा निरीक्षक राजेन्द्र धुर्वे ने एक पुलिस टीम गठित की और आरोपियों की पतारसी हेतु मुखबिर लगाये , तब मुखबिर की सूचना के आधार पर संदेही कपिल पिता संतकुमार पवार उम्र 20 साल निवासी ग्राम चिखलीमुकासा थाना अमरवाड़ा, दिनेश उर्फ छोटू पिता तुलसीराम चौहान उम्र 20 साल निवासी ग्राम चिखलीमुकासा थाना अमरवाड़ा एवं एक नाबालिक बालक से संदेह के आधार पर हिरासत पर लेकर पूछताछ की गई जिन्होनें ग्राम तेंदनीमाल से दिनांक 13/04/24 की दरम्यानी रात में हीरो होंडा सीडी डीलक्स मो.सा. क्रमांक MP28 BC1488 एवं बिना नंबर की मोटरसायकल चोरी करना बताये। जो आरोपियों से उक्त दोनों मोटरसायकल जप्त की गई तथा आरोपीगणों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। पुलिस टीम - टी आई राजेन्द्र धुर्वे , उप निरी विजेंद्र मार्को , सउनि द्वारका प्रसाद पाल, प्रधान आर 806 रामगणेश तिवारी प्रधान आर 634 प्रवीण श्रीवास्तव , आर 847 राजेन्द्र बघेल की मुख्य भूमिका रही ।

भोपाल में भाजपा-कांग्रेस ने खर्चे 8.38 लाख, अरुण का आलोक से 10 गुना ज्यादा खर्च

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी खूब एक्टिव रहे भोपाल के प्रत्याशी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल में लोकसभा चुनाव की वोटिंग से पहले उम्मीदवार सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे- इंस्टाग्राम और फेसबुक पर खूब एक्टिव रहे। वहीं, एसएमएस, ऑडियो और वीडियो को भी उन्होंने प्रचार का जरिया बनाया। भाजपा के आलोक शर्मा और कांग्रेस के अरुण श्रीवास्तव ने तो इसके लिए कुल 8.38 लाख रुपए खर्च कर दिए। हालांकि, खर्चे में नंबर-1 पर अरुण रहे, जिन्होंने आलोक के मुकाबले 10 गुना ज्यादा खर्च कर दिया।

7 मई को वोटिंग से निपटने के लिए अब भोपाल के कैंडिडेट्स की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्टिविटी पता लगाई गई है। इसकी एक रिपोर्ट भी कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को सौंपी गई है। रिपोर्ट की माने तो इस लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों ने सोशल मीडिया को भी प्रचार का बड़ा तरीका बनाया। ग्राउंड लेवल पर मतदाताओं से वोट देने की गुहार लगाई गई तो सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म से भी प्रचार किया। ताकि, उनके पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान किया जा सके।

मैदान से लेकर सोशल मीडिया तक एक्टिव रहे: भोपाल लोकसभा सीट पर कुल 22 कैंडिडेट्स मैदान में रहे। उन्होंने इंस्ट्राग्राम और फेसबुक पर अपने चुनावी वीडियो खूब वायरल किए, लेकिन भाजपा और कांग्रेस कैंडिडेट्स ने अपने वीडियो बूस्ट भी कराए। जिसके बदले उन्होंने कीमत भी चुकाई। ताकि, वे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच सके। समझा जा सकता है कि उम्मीदवार मैदान से लेकर सोशल मीडिया तक एक्टिव रहे। उम्मीदवारों के सोशल मीडिया अकाउंट पर एमसीएमसी कमेटी ने नजर रखी। खासकर बीजेपी और कांग्रेस कैंडिडेट्स के फेसबुक और इंस्ट्राग्राम अकाउंट देखे गए। जिसमें कोई रील बूस्ट कराने का पेमेंट भी खर्च में जोड़ा गया।

इस बार लोकसभा चुनाव में एक उम्मीदवार कुल 95 लाख रुपए खर्च कर सकता था। प्रत्याशियों के चुनाव खर्चों में प्रचार और उससे जुड़े सभी तरह के व्यय शामिल रहते हैं। इसमें उनके द्वारा और उनके समर्थकों द्वारा प्रचार के लिए गाड़ियों से लेकर टेंट, खाना-पीना, नाश्ता, पंखे, फूल, गुलदस्ते समेत सभी तरह के सामान और प्रचार के माध्यम खर्च में जोड़े जाते हैं। यहां तक कि किसी प्रायोजित कार्यक्रम में शामिल होने से उसका खर्च उनके खाते में जुड़ जाता है। आम लोग भी प्रत्याशियों के खर्च को लेकर शिकायत या सूचना सी-विजिल और अन्य माध्यम से चुनाव आयोग को दे सकते हैं।

कुल खर्च का हिसाब: अरुण का खर्च आलोक से आधा: भोपाल लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा ने चुनाव में सबसे ज्यादा 53 लाख रुपए खर्च किए। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी के रोड शो का खर्च भी शामिल है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के अरुण श्रीवास्तव हैं। उन्होंने कुल 22.73 लाख रुपए खर्च किए हैं। हालांकि, 13 कैंडिडेट्स ऐसे भी रहे, जिनका कुल चुनावी खर्च 1ब्र भी नहीं है। वे पूरे चुनाव 95 लाख रुपए तक खर्च कर सकते थे। एक निर्दलीय कैंडिडेट राजेश कीर ने एक रुपया भी नहीं खर्च किया है। भोपाल लोकसभा सीट से 22 उम्मीदवार मैदान में रहे। 7 मई को वोटिंग हुई और 4 जून को नतीजे आएंगे। वोटिंग से पहले उम्मीदवारों ने चुनावी खर्च की जानकारी भी जिला प्रशासन को दी। सबसे ज्यादा खर्च करने में बीजेपी के शर्मा आगे रहे। खर्च के मामले में आलोक शर्मा अन्य कैंडिडेट्स से शुरुआत से ही नंबर-1 पर है। पीएम मोदी ने 25 अप्रैल को भोपाल में रोड शो किया था। वहीं, ष्टरूडॉ. मोहन यादव के रोड शो और सभाएं भी हुई हैं। इनका खर्च भी जोड़ा गया है। दूसरी ओर, कांग्रेस के अरुण श्रीवास्तव के पक्ष में भोपाल में एक भी बड़े नेता की सभा नहीं हुई। इस वजह से आलोक के मुकाबले उनका खर्च आधा भी नहीं रहा।

खर्च के मामले में पूर्व स्पेशल डीजी गुप्त तीसरे नंबर पर: खर्च के मामले में पूर्व स्पेशल डीजी मैथिलीशरण गुप्त तीसरे नंबर पर हैं। वे निर्दलीय उम्मीदवार हैं और अब तक 3 लाख 6 हजार रुपए से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। गुप्त सभी 22 उम्मीदवारों में से सबसे अमीर है। उनके पास 18 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। अरुण 14 करोड़ और आलोक साढ़े 8 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक हैं।

निर्दलीय राय ने 2.24 लाख रुपए खर्च किए: एक अन्य निर्दलीय अंकित राय ने भी 2.24 लाख रुपए खर्च किए हैं। छत्रपति शिवाजी भारतीय गरीब पार्टी से कैंडिडेट अजय पाठक ने 1.32 लाख रुपए, निर्दलीय भारती यादव ने 1.28 लाख रुपए, बसपा के भानुप्रताप सिंह ने 1.24 लाख रुपए और सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) के मुदित चौरसिया ने 1.07 लाख रुपए पूरे चुनाव में खर्च किए।

शपथ में सबसे कम राशि बताई, खर्च ज्यादा: शपथ पत्र में कैंडिडेट रामप्रसाद पटेल के पास बैंक में सिर्फ 194 रुपए और मुद्रित भटनागर के पास 500 रुपए ही कैश थे। हालांकि, दोनों ने ज्यादा राशि खर्च की। पटेल ने कुल 20 हजार 750 रुपए और मुदित ने 53 हजार 20 रुपए खर्च किए हैं।

अरुण ने 7.45 लाख, आलोक ने 83 हजार रुपए खर्च किए

फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कांग्रेस के अरुण श्रीवास्तव ने सबसे ज्यादा 3.38 लाख रुपए खर्च किए। दोनों ही सोशल मीडिया साइडस पर डेढ़ सौ से ज्यादा वीडियो बूस्ट कराने के बदले यह राशि चुकाई गई। वहीं, मोबाइल पर ऑडियो-वीडियो से संदेश भेजने और स्क्रू के जरिए भी वोट मांगें गए। इसमें साढ़े 8 हजार रुपए का खर्च किया। अन्य एड के जरिए अरुण ने कुल 7.45 लाख रुपए खर्च किए। बीजेपी के आलोक शर्मा दूसरे नंबर पर रहे। जिनका खर्च 83 हजार रुपए आया, जो अरुण श्रीवास्तव के खर्च के मुकाबले 10 प्रतिशत ही है।

चुनावी खर्च में जुड़ेगी राशि: ये पेमेंट भी चुनावी खर्च में जोड़ा गया है। इसके लिए कलेक्टर सिंह ने सोमवार को व्यय के नोडल अधिकारी को रिपोर्ट भेजी है। दूसरी ओर, अन्य कैंडिडेट्स ने वीडियो तो सोशल मीडिया पर अपलोड किए, लेकिन इसमें खर्च नहीं किया।

हमीदिया रोड पर धू-धूकर जली ऑटो पार्ट्स की दुकान

भोपाल। भोपाल के हमीदिया रोड स्थित इस्लामी गेट के पास एक ऑटो पार्ट्स की दुकान में भीषण आग लग गई। इससे लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, वरना यह पास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लेती।

घटना सोमवार-मंगलवार की देर रात की है। दुकान में रखा सारा सामान जल गया। फतेहगढ़, कबाड़खाना फायर स्टेशन से दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। करीब एक घंटे में आग काबू में आ सकी। दुकान के भीतर ऑटो पार्ट्स के सामान के अलावा सीट कवर और फॉम भी रखा था। इस वजह से आग भीषण हो गई। शटर लगी होने के बावजूद अंदर से आग की लपटें उठ रही थीं, जो 10-15 फीट ऊपर तक उठ गई। शटर लगी होने से आग पर काबू पाने में दिक्कतें हुईं। ऐसे में शटर को निकाला गया। फिर आग पर काबू पाया जा सका। प्रारंभिक जांच में शार्ट सर्किट से आग लगना सामने आया है। इस दुकान के पास ही दो दुकानें और थीं, जो आग की चपेट में आने से बच गई। हालांकि, वहां भी खासा नुकसान हुआ है।

मतदानकर्मियों को छोड़ने जा रही बस खड़े ट्रक में घुसी, होमगार्ड जवान की मौत, 9 घायल

मंदसौर। मंदसौर जिला मुख्यालय पर चुनाव सामग्री जमा करने बाद मतदानकर्मियों को छोड़ने जा रही बस मंदसौर-सुवासरा रोड पर सुवासरा में राठौर कालोनी के पास खड़े ट्रक से जा घुसी। हादसे में होमगार्ड जवान की मौत हो गई। वहीं 9 कर्मचारी व बस ट्रक स्टाफ घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार जिले में सोमवार को लोकसभा चुनाव में देर रात तक मतदान सामग्री जमा करवाने के लिए मतदान दल मंदसौर पहुंचते रहे। मतदान सामग्री जमा कराने के बाद मंगलवार सुबह निर्वाचन में लगे कर्मचारी अपने अपने कार्य स्थलों पर लौट रहे थे इस दौरान सोमवार सुबह लगभग सात बजे बस सुवासरा में राठौर कॉलोनी के पास सड़क पर खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। ट्रक का टायर फटने से वहां खड़ा था। टीआई कमलेश प्रजापति ने बताया कि हादसे में होमगार्ड जवान 34 वर्षीय मनोहर सिंह की मौत हो गई। हादसे में 7 कर्मचारी घायल हुए हैं व ट्रक चालक के पैर में गंभीर चोट लगी है। दो गंभीर घायल को सुवासरा प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही सुवासरा के शिक्षक भी चिकित्सालय पहुंचे और सहयोग किया। बस चालक टक्कर के बाद मौके से फरार हो गया। यह हुए घायल- राजेश पुत्र मोहनलाल, रामगोपाल पुत्र कन्हैयालाल राठौर, अनिल पुत्र राधेश्याम तिवारी, श्रवण पुत्र नरेंद्र कुमार जैन, कैलाश पुत्र गोवर्धनलाल गुर्जर, राजेंद्र पुत्र देवी प्रसाद श्रीवास्तव, दीप्ति पत्नी राजेंद्र श्रीवास्तव, गोपाल पुत्र मंगल निवासी बावड़ी खेड़ा चंदवासा, तेजमल पुत्र चिरंजीवी लाल मेघवाल निवासी भवानी मंडी।

भोपाल। नेवरी स्थित चित्रगुप्त मंदिर में भगवान चित्रगुप्त के प्रकटोत्सव पर किया पूजन

शहर में अब तक 45 अवैध मैरिज गार्डनों पर तालाबंदी

भोपाल के 4 मैरिज गार्डन, रेस्टोरेंट और बार पर सोमवार को नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की। इन पर तालाबंदी की गई। इन्हें मिलाकर अब तक 45 अवैध मैरिज गार्डन को सील किया जा चुका है। इसके बावजूद मैरिज गार्डन संचालक नियमानुसार गार्डन नहीं चला रहे हैं। शहर में नगर निगम की अनुमति के बिना अवैध रूप से संचालित हो रहे मैरिज गार्डन, शादी हाल, रेस्टोरेंट, बेन्क्वेट हाल के विरुद्ध जांच-पड़ताल अभियान के तहत कार्रवाई लगातार जारी। इसी सिलसिले में नगर निगम भवन अनुज्ञा शाखा के अधिकारियों के दल ने नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के निर्देश पर जांच के बाद सोमवार को चार मैरिज गार्डन पर तालाबंदी की कार्रवाई की। जांच में शेरवुड रेस्टोरेंट एंड बार, कियोस्क काफी रेस्टोरेंट, कंट्रीसाइड मिंडोस एवं ट्यूनेस्ड मैरिज गार्डन को सील किया गया। इन चारों को मिलाकर अब तक 45 मैरिज गार्डन के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है। इससे पूर्व निगम के अमेले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निगम की अनुमति प्राप्त किए बगैर अवैध रूप से संचालित अनेक मैरिज गार्डन, शादी हाल आदि पर तालाबंदी की कार्रवाई की थी।

चौथे चरण में 10 राज्यों की 96 लोकसभा सीट पर हुआ मतदान

इस बार का वोटिंग प्रतिशत काफी कुछ बयां कर रहा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्यों की 96 लोकसभा सीटों पर हुए चुनाव में नवीनतम जानकारी मिलने तक करीब 63 प्रतिशत मतदान हुआ है। लोकसभा के पहले तीन चरणों की तरह चौथे चरण में भी 2019 के मुकाबले इस बार कम प्रतिशत हुआ है जिसका सभी दल अपने अपने ढंग से आंकलन कर रहे है।

लोकसभा के चौथे चरण में आंध्र प्रदेश की 25, बिहार की 5, जम्मू-कश?मीर की 1 सीट, झारखंड की 4, मध्य प्रदेश की 8, महाराष्ट्र की 11,ओडिशा की 4, तेलंगाना की 17,उत्तर प्रदेश की 13 और पश्चिम बंगाल की 8 सीटों पर वोटिंग हुई है। इस चरण में 1717 प्रत्याशियों की किस?मत दांव पर थी, भाजपा नीत राजग के इन 96 लोकसभा सीट में से 40 से अधिक पर वर्तमान में सांसद हैं. लोकसभा चुनाव के पहले तीन चरणों में क्रमश: 66.14 प्रतिशत, 66.71 प्रतिशत और 65.68 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार का वोटिंग प्रतिशत काफी कुछ बयां कर रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बार मतदाताओं के मूड को समझना आसान नहीं है। उनका कहना है कि राजनीति में भविष?यवाणी करना वैसे बहुत मुश्किल होता है, क?योंकि मतदाताओं के मूड को समझना आसान नहीं होता,लेकिन कम वोटिंग प्रतिशत को आमतौर पर सत?ता पक्ष के विरूद्ध देखा जाता है। पिछले 12 में से 5 चुनावों में मतदान प्रतिशत में गिरावट देखने को मिले है। जब-जब मतदान प्रतिशत में कमी आई है, तब चार बार सरकार बदल गयी है,वहीं एक बार सत्ताधारी दल की वापसी हुई है। 1980 के चुनाव में मतदान प्रतिशत में गिरावट हुई थी और जनता पार्टी की सरकार सत्ता से हट गयी। जनता पार्टी की जगह कांग्रेस की सरकार बन गयी थी। वहीं 1989 में एक बार फिर मत प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गयी और कांग्रेस की सरकार चली गयी थी। विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी थी। 1991 में एक बार फिर मतदान में गिरावट हुई और केंद्र में कांग्रेस की वापसी हो गयी।1999 में मतदान में गिरावट हुई लेकिन सत्ता में परिवर्तन नहीं हुआ,वहीं 2004 में एक बार फिर मतदान में गिरावट का फायदा विपक्षी दलों को मिला था। हालांकि, राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस बार भी ऐसा ही परिणाम देखने को मिलेगा यह कहना मुश्किल है।

चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 5 बजे तक सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 75.66 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले गए। सोमवार को ही आंध्रप्रदेश राज्य विधानसभा की सभी 175 सीटों और ओडिशा राज्य विधानसभा की 28 सीटों के लिए भी मतदान हुआ। चौथे चरण के चुनाव में जो प्रमुख उम्मीदवार मैदान में थे, उनमें समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे थे। केंद्र सरकार में मंत्री गिरिराज सिंह बिहार की बेगूसराय, नित्यानंद राय उजियारपुर से, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी पश्चिम बंगाल की बहरामपुर सीट से, महाराष्ट्र में पंकजा मुंडे बीड से, एआइएमआइएम के असदुद्दीन ओवैसी हैदराबाद से और आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष वाई एस शर्मिला कडप्पा लोकसभा सीट से उम्मीदवार थीं। पश्चिम बंगाल में कृष्णानगर से तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा भी मैदान थीं। चौथे चरण में 1.92 लाख मतदान केंद्रों पर 17.7 करोड़ से अधिक मतदाता थे। इनमें 8.97 करोड़ पुरुष और 8.73 करोड़ महिला मतदाता थे।

इस बार सात चरणों में हो रहें लोकसभा चुनावों पहले चरण में 102 लोकसभा सीटों, दूसरे चरण में 88 लोकसभा सीटों और तीसरे चरण में 93 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है। यानी चौथे चरण की समाप्ति के बाद अब देश के 23 प्रदेशों की 379 सीटों पर मतदान का कार्य पूरा हो चुका है। अब लोकसभा चुनाव के शेष 3 चरणों में लोकसभा की 164 सीटों पर मतदान होना हैं।

अब तक राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, मेघालय, तमिलनाडु, मिजोरम, नागालैंड, उत्तराखंड, त्रिपुरा, अंडमान निकोबार, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, सिक्किम, त्रिपुरा, असम, गोवा, दादर नगर हवेली और दमन दीव में चुनाव पूरी तरह से संपन्न हो गए है।

मतदान का अगला पांचवां चरण 20 मई, छठा चरण 25 मई और सातवां और आखिरी चरण एक जून को समाप्त होगा तथा चार जून को मतगणना होने के साथ ही चुनाव परिणाम आ जायेगे एवं 18 वीं लोकसभा के गठन का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। देखना है चुनाव के अगले चरणों में देश में मतदान का मिजाज क्या रहता है?

प्रदेश में 16 मई तक आंधी-बारिश, फिर तेज गर्मी

भोपाल। मध्यप्रदेश में 16 मई तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से ऐसा होगा। मंगलवार को भी स्ट्रॉन्ग सिस्टम रहेगा। इस वजह से मौसम विभाग ने 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 17 मई से प्रदेश के उत्तरी हिस्से यानी ग्वालियर-चंबल में हीट वेव (गर्म हवा) चलने का अनुमान है। इससे पहले सोमवार को शाजापुर, छिंदवाड़ा, रतलाम समेत कई जिलों में मौसम बदला रहा। शाजापुर-रतलाम में तो तेज आंधी की वजह से पोलिंग बूथ के टेंट तक उखड़ गए। कई जगहों पर ओले भी गिरे। इधर, नरसिंहपुर में गर्मी का असर देखा गया। यहां दिन का टेम्प्रेचर 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ग्वालियर में तापमान 42 डिग्री रहा। शिवपुरी, खजुराहो, खंडवा, रायसेन, रतलाम, दमोह, टीकमगढ़, गुना में भी गर्मी रही। धार की बदनावर विधानसभा क्षेत्र में शाम को तेज हवा के साथ बारिश हुई। नींबू के आकार के ओले भी गिरे। इससे सड़क पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। मुरैना जिले के अंबाह में सोमवार दोपहर घने बादल छाए रहे। शाम 6 बजे तेज आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे। यहां करीब 10 दिन से लगातार दिन का पारा 44ए सेल्सियस दर्ज किया जा रहा था। लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से मध्यप्रदेश में ओले, बारिश, आंधी और आकाशीय बिजली गिरने या चमकने का दौर चल रहा है। 16 मई तक ऐसा ही मौसम रहेगा। कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। 40 से 60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। 17 मई से गर्मी का असर बढ़ने लगेगा।14 मई को अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और बालाघाट के लिए ऑरेंज अलर्ट है। यहां तेज आंधी और बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, धार, देवास, सीहोर, विदिशा, नर्मदापुरम, रायसेन, सागर, दमोह, नरसिंहपुर, पन्ना, कटनी और डिंडोरी में यलो अलर्ट है।

15 मई को इंदौर, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, सागर और पन्ना में हल्की बारिश हो सकती है। यहां 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। 16 मई को धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला और बालाघाट में बादल-बारिश का मौसम रहेगा। 17 मई को मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना और अशोकनगर में हीट वेव यानी गर्म हवाएं चल सकती हैं। बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में आंधी-बारिश वाला मौसम रहेगा।

आठ वर्षीय मासूम से होस्टल में दुष्कर्म करने वाला स्कूल संचालक गिरफ्तार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मिसरोद पुलिस ने निजी स्कूल के संचालक मिनीराज मोदी को आठ वर्षीय मासूम से छात्रावास में दुष्कर्म के मामले में सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस मामले को जांच के नाम पर 13 दिन लटकाए हुए थी। ऐसा पहली बार देखने को मिला , जब मासूम बच्ची के मामले में पुलिस ने तीन बार मेडिकल कराया और शहर की जानी मानी चार स्त्री रोग विशेषज्ञों की सलाह ली गई। इसके पीछे पुलिस की नीयत क्या थी, यह तो नहीं पता, लेकिन बाल कल्याण समिति के सामने मासूम के बयान में भी घटनाक्रम के दोहराने के बाद पुलिस को आखिरकार आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर होना ही पड़ा।

बता दें कि श्यामला हिल्स इलाके में रहने वाले 38 वर्षीय महिला मिसरोद थाने में 30 अप्रैल को एक निजी स्कूल के छात्रावास में पढ़ने वाली उनकी आठ वर्षीय मासूम से दुष्कर्म की शिकायत लेकर पहुंची थी। बाद में पुलिस ने इस मामले में शुरूआत में तीन अज्ञात आरोपितों पर दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट की धाराओं में एफआइआर दर्ज की थी। बाद में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करने की वजह बच्ची की मां का आपराधिक रिकार्ड निकाला और उसके बाद मासूम का तीन बार मेडिक्ल कराया गया, जबकि इससे पहले मासूम के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने ऐसा नहीं किया था। इस मामले में जांच के नाम पर पूरे 13 दिन बाद पुलिस को आरोपित को गिरफ्तार किया गया। हालांकि पुलिस ने अभी उन दो की गिरफ्तारी नहीं की है, जिन्होंने बच्ची के साथ घटना में आरोपित की मदद की थी।

JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE
(Affiliated to Barkatullah University and Recognised by Govt. of M.P. & NCTE New Delhi)
56-C, Shyamla Hills, Opp. Khushbu Park, Civil Lines, Bhopal Website: www.jncbpl.com
Mob.: 9826264575, 8889560478 Tel. 0755-2660949 College Offering best Career Options With Minimum Fee Structure
DIRECT REGISTRATION FOR ONLINE ADMISSION For Online Admission : Contact College Office
Courses Offered ★M.Sc. Physics ★M.Sc. Chemistry ★M.Sc. Botany ★M.Sc. Zoology ★M.Sc. Micro bio. ★M.Sc. Biotech. ★M.Sc. Computer Sc. ★M.Sc. Maths ★PGDCA ★B.Sc. Computer/IT ★B.Sc. CBZ/PCM ★B.Sc. Micro/Biotech ★B.Sc. Elex/Env. Sc. ★BCA ★B. Com. Computer ★B.Com. Plain ★BA ★B. Lib I.sc. ★M. Lib. I.sc. ★M.Com ★M.A. (Eng. Urdu, Polt Sc. Socio. & Eco.) ★B.B.A. ★B.P.E.S. ★PG Diploma In Yogic Science ★D.El. Ed.
NCTE COURSES & CODE B.Ed.- 215, B.P.Ed.- 026, M.P.Ed.- 013, M.Ed.- 038, D.Ed.
Fee Note : All Students will pay enrollment fee, Eligibility fee and Practical fee separately as per university rules and miscellaneous fees according to management rules
Note : D.El.Ed, B.P.Ed., B.Ed., M.P.Ed. & M.Ed. courses are running at new campus Mugalia Hat, Parwalia Sadak, Bhopal.